श्रावण मास, कृष्ण पक्ष, 21 वर्ष, अंक 227, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | मंगलवार 13 सितंबर 2022 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

ज्ञानवापी: श्रृंगार गौरी पूजा पर सुनवाई जारी रहेगी

ज्ञानवापी-श्रृंगार गौरी केस की सुनवाई को हरी झंडी, हिंदू पक्ष के हक में कोर्ट का फैसला, प्रतिवादी अंजुमन इंतजामिया कमेटी की याचिका खारिज, 22 सितंबर को अगली सुनवाई

वाराणसी: ज्ञानवापी-श्रृंगार गौरी प्रकरण में पांच महिलाओं की ओर से दाखिल वाद पर सोमवार को जिला जज डॉ. अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत ने बड़ा फैसला दिया है। अदालत ने वादी पक्ष की अपील स्वीकार करके प्रतिवादी पक्ष की याचिका खारिज करते हुए कहा कि मामला सुनने योग्य है। अब इस मामले में अगली सुनवाई 22 सितंबर को होगी। खास बात यह रही कि न्यायालय में फैसले के दौरान मुस्लिम पक्ष मौजूद नहीं रहा। अदालत का फैसला आते ही वादी पक्ष की महिलाओं के साथ अधिवक्ताओं ने भी खुशी जाहिर की। उन्होंने इसे हिन्दू पक्ष की जीत माना है। हिंदू पक्ष के अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने बताया कि न्यायालय से एएसआई सर्वे और शिवलिंग की कार्बन डेटिंग की मांग भी करेंगे। इसके पहले आज अपरान्ह एक बजे दोनों पक्षों के अधिवक्ता और वादी कुल 62 लोगों को अंदर मौजूद रहने की अनुमति मिली थी। प्रतिवादी अंजुमन इंतजामिया कमेटी ने वाद को जनहित याचिका जैसा व प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट ज्ञानवापी को वक्फ संपत्ति समेत अन्य दलीलों के साथ मुकदमे को सुनने योग्य नहीं बताया है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर जिला जज अजय कृष्ण विश्वेश्व की अदालत में आर्डर 7 रूल नंबर 11 के तहत आज वाद के पोषणीयता पर सुनवाई हुई। पिछले वर्ष सिविल जज सीनियर डिविजन की कोर्ट में श्रृंगार गौरी के दर्शन-पूजन की मांग को लेकर वादी राखी सिंह सहित पांच महिलाओं ने वाद दाखिल किया था। प्रतिवादी अंजुमन इंतजामिया कमेटी ने प्रार्थनापत्र देकर वाद की पोषणीयता पर सवाल उठाया था। अदालत ने प्रतिवादी की अर्जी दरकिनार करते हुए सुनवाई की और ज्ञानवापी परिसर का सर्वे कराकर रिपोर्ट तलब कर ली। इसी दौरान प्रतिवादी पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका दायर की। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर जिला जज की अदालत में 26 मई से सुनवाई शुरू हुई। प्रतिवादी की ओर से सिविल प्रक्रिया संहिता आदेश 07 नियम 11 में मेरिट के तहत केस खारिज करके लिए कई तिथियों पर दलीलें दी गईं। इस मामले में वाराणसी कोर्ट में 24 अगस्त को दोनों पक्षों की बहस पूरी हो गई थी। जिला जज डॉ. एके विश्वेश ने 12 सितंबर तक फैसला सुरक्षित रख लिया था। इस दौरान वादी पक्ष की ओर से लिखित बहस भी दाखिल की गई और मुस्लिम पक्ष ने कई विवरण व पत्रावली कोर्ट में दिया। खास बात यह है कि पूर्व में हाईकोर्ट से मुस्लिम पक्ष की ओर से केस की मेरिट की याचिका खारिज हो चुकी है।

शहर में हाई अलर्ट, धारा 144 लागू, फोर्स तैनात: वाराणसी के पुलिस आयुक्त ए सतीश गणेश ने फैसले से पहले बताया था, 'शहर के संवेदनशील इलाकों में धारा 144 लागू है। शहर में हिंदू-मुस्लिमों की मिली-जुली आबादी वाले इलाके में पुलिस फोर्स तैनात है। पुलिस ने कुछ इलाकों में बीती रात से ही गश्त बढ़ा दी थी, ताकि आदेश के बाद कानून-व्यवस्था के हालात न बिगड़ें।' फैसले के मद्देनजर पूरे शहर को हाई अलर्ट पर रखा गया था। सोशल मीडिया की मॉनिटरिंग की जा रही थी। जिला अदालत परिसर में खास चौकसी बरतते हुए बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉड भी तैनात किया गया था।

हिंदुओं का तर्क: औरंगजेब ने मंदिर तोड़कर ज्ञानवापी मस्जिद बनवाई

मान्यता है कि 1669 में औरंगजेब ने काशी विश्वनाथ मंदिर का एक हिस्सा तोड़कर ज्ञानवापी मस्जिद बनवाई थी। कुछ इतिहासकार कहते हैं कि 14वीं सदी में जौनपुर के शर्की सुल्तान ने मंदिर को तुड़वाकर ज्ञानवापी मस्जिद बनवाई थी। कुछ मान्यताओं के अनुसार अकबर ने 1585 में नए मजहब दीन-ए-इलाही के तहत विश्वनाथ मंदिर और ज्ञानवापी मस्जिद बनवाई थी।

मस्जिद और विश्वनाथ मंदिर के बीच 10 फीट गहरा कुआं है, जिसे ज्ञानवापी कहा जाता है। इसी कुएं के नाम पर मस्जिद का नाम पड़ा। स्कंद पुराण में कहा गया है कि भगवान शिव ने स्वयं लिंगाभिषेक के लिए अपने त्रिशूल से ये कुआं बनाया था। शिवजी ने यहीं अपनी पत्नी पार्वती को ज्ञान दिया था, इसलिए इस जगह का नाम ज्ञानवापी या ज्ञान का कुआं पड़ा। किंवदंतियों, आम जनमानस की मान्यताओं में यह कुआं सीधे पौराणिक काल से जुड़ता है।

करवट लेती मथुरा-काशी: केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ। काशी के ज्ञानवापी मामले में फैसला आ गया है। इस फैसले का विश्व हिन्दू परिषद समेत सभी धार्मिक व सामजिक संगठन स्वागत कर रहे हैं। वहीं मुस्लिम पक्ष का कहना है कि अभी हमारे लिए हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खुला है। वहीं उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने ज्ञानवापी प्रकरण पर आये फैसले का स्वागत करते हुए एक ट्वीट किया है। केशव प्रसाद मौर्य ने ट्वीट किया कि ह्यकरवट लेती मथुरा-काशीह्न। उपमुख्यमंत्री का यह ट्वीट खूब पसंद किया जा रहा है। अयोध्या मथुरा काशी की मुक्ति की बात अनेक वर्षों से हो रही थी। अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण हो रहा है। वहीं मथुरा की कृष्ण जन्मभूमि व काशी की ज्ञानवापी मंदिर का विषय भी कोर्ट में चल रहा है। ज्ञानवापी से जुड़ा आज एक अहम फैसला आया है। इसी के बाद केशव प्रसाद मौर्य ने ट्वीट किया है। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि न्यायालय ने इस सुनवाई को सुनने योग्य माना है, उसका मैं स्वागत करता हूं। इसमें सभी पक्षों को फैसले का स्वागत करना चाहिए। यह साफ-सुथरी न्यायिक प्रक्रिया के तहत उसके आधार पर सुनवाई हुई है। सभी लोग इसका स्वागत कर रहे हैं।

टी-20 वर्ल्ड कप के लिए टीम इंडिया का ऐलान

रोहित शर्मा कप्तान, हर्षल पटेल और बुमराह की वापसी; शमी, श्रेयस, बिश्नोई और चाहर स्टैंडबाय में

नई दिल्ली: टी-20 वर्ल्ड कप के लिए 15 सदस्यीय टीम इंडिया का ऐलान कर दिया गया है। चोट के कारण टीम से बाहर चल रहे हर्षल पटेल और जसप्रीत बुमराह की टीम में वापसी हुई है। टी-20 वर्ल्ड कप 16 अक्टूबर से ऑस्ट्रेलिया में शुरू होगा। वहीं, भारतीय टीम अपना पहला मुकाबला 23 अक्टूबर को पाकिस्तान के खिलाफ खेलेगी। वर्ल्ड कप से पहले टीम इंडिया को ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के खिलाफ सीरीज भी खेलनी है। इन दोनों सीरीज के लिए भी भारतीय टीम घोषित कर दी गई है।

रवींद्र जडेजा टीम से बाहर अक्षर पटेल को मौका: टीम इंडिया के स्टार ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा वर्ल्ड कप की टीम से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह अक्षर पटेल को मौका दिया गया है। जडेजा की घुटने की सर्जरी हुई है। वो एशिया कप में चोटिल हो गए थे।

जडेजा के टीम से बाहर होने के बाद भारतीय टीम पटरी से उतर गई थी और लगातार 2 मैच में हार के बाद एशिया कप से बाहर हो गई।

15 साल से नहीं जीत पाए वर्ल्ड कप: टीम इंडिया ने अपना पहला वर्ल्ड कप 2007 में जीता था। उस समय पहली बार इस मेगा टूर्नामेंट का आयोजन किया गया था। टीम इंडिया के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी थे। इसके बाद 6 बार इस मेगा टूर्नामेंट का आयोजन हुआ है और हम एक बार भी चैम्पियन नहीं बन पाए हैं।

वर्ल्ड कप के लिए टीम इंडिया

रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल (उप-कप्तान), विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, दीपक हुड्डा, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), दिनेश कार्तिक (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, आर अश्विन, युजवेंद्र चहल, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, भुवनेश्वर कुमार, हर्षल पटेल और अर्शदीप सिंह।

स्टैंडबाय: मोहम्मद शमी, श्रेयस अय्यर, रवि बिश्नोई और दीपक चाहर।

अतिम संस्कार के लिए नहीं मिलेगा आतंकी का शव

नई दिल्ली: जम्मू-कश्मीर के हैदरपोरा में सुरक्षाबलों के साथ एनकाउंटर में मारे गए आतंकी आमिर माग्रे का शव कब्र से बाहर निकालने की मांग सुप्रीम कोर्ट ने ठुकरा दी है। आमिर के पिता लतीफ ने याचिका दाखिल कर मांग की थी कि विधिवत अंतिम संस्कार के लिए उसके बेटे के शव को निकालने की मंजूरी दी जाए। सोमवार को जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस बीएस पारदीवाला की बेंच ने सुनवाई करते हुए कहा कि शव के विघटन का आदेश तब तक नहीं दे सकते।

डेयरी क्षेत्र की रीढ़ हैं महिलाएं और छोटे किसान: मोदी

ग्रेटर नोएडा/नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महिलाओं और छोटे किसानों को भारत के डेयरी क्षेत्र की रीढ़ करार देते हुए कहा कि इनकी बदौलत भारत दुनिया में डेयरी उत्पादों का सबसे बड़ा उत्पादक बन गया है। उन्होंने कहा कि भारत की डेयरी सहकारी समितियों का अध्ययन, डेयरी क्षेत्र में विकसित डिजिटल भुगतान प्रणाली आदि कई देशों के किसानों के लिए अत्यंत उपयोगी हो सकता है। प्रधानमंत्री मोदी सोमवार को इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा में अंतरराष्ट्रीय डेयरी संघ विश्व डेयरी सम्मेलन (आईडीएफ डब्ल्यूडीएस) 2022 के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। 15 सितंबर तक चलने वाला यह सम्मेलन 'पोषण और आजीविका के लिए डेयरी' विषय पर केंद्रित है। इसमें 50 देशों के करीब 1500 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि डेयरी क्षेत्र ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के साथ ही दुनिया भर में करोड़ों लोगों की आजीविका का मुख्य स्रोत भी है। उन्होंने छोटे किसानों को भारत में डेयरी क्षेत्र की प्रेरक शक्ति करार देते हुए कहा कि आज डेयरी क्षेत्र से 8 करोड़ परिवारों को रोजगार मिल रहा है। उन्होंने कहा कि छोटे पैमाने के डेयरी किसानों के सामूहिक प्रयासों से भारत दुनिया में डेयरी उत्पादों का सबसे बड़ा उत्पादक बन गया है। उन्होंने कहा कि भारत में डिजिटल क्रांति के कारण डेयरी क्षेत्र में प्रगति हुई है। भारत की डेयरी सहकारी समितियों का अध्ययन, डेयरी क्षेत्र में विकसित डिजिटल भुगतान प्रणाली आदि कई देशों के किसानों के लिए अत्यंत उपयोगी हो सकता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह दुनिया के कई आर्थिक रूप से कमजोर देशों के किसानों के लिए बिजनेस मॉडल बन सकता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि डेयरी क्षेत्र का सामर्थ्य ना सिर्फ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति देता है ।

सीबीआई करेगी सोनाली फोगाट हत्याकांड की जांच

फतेहाबाद/गोवा: हरियाणा की बीजेपी नेत्री सोनाली फोगाट के मर्डर की जांच अब सीबीआई करेगी। गोवा सरकार ने इस केस की उइकजांच करवाने का फैसला लिया। सीबीआई को केस सौंप दिया जाएगा। इसकी जानकारी गोवा के सीएम प्रमोद सावंत ने दी। सीएम ने कहा कि मामले में इन्वेस्टिगेशन चल रही है। लोगों की लगातार डिमांड आ रही थी कि मामले की जांच सीबीआई से हो। इसके अलावा सोनाली की बेटी यशोधरा भी लगातार सीबीआई जांच की मांग उठा रही थीं। उन्होंने कहा कि हमें अपनी पुलिस पर पूरा भरोसा है। पुलिस जांच सही दिशा में जा रही है। कई क्लू भी पुलिस को हासिल हुए, लेकिन लोगों और उनकी बेटी की मांग को ध्यान में रखते हुए यह केस अब सीबीआई को दिया जा रहा है। आज ही उइक को यह केस दे दिया जाएगा और वे होम मिनिस्टर को पत्र लिखेंगे। गौरतलब है कि सोनाली फोगाट 23 अगस्त की सुबह गोवा के एक रिजॉर्ट में मृत मिली थी। उस समय सोनाली का ढअ सुधीर सांगवान और सुखविंदर ही उसके साथ थे। सुधीर ने मंगलवार सुबह 8 बजे सोनाली के भाई को फोन करके मौत की सूचना दी ।

विवाद: कांग्रेस ने संघ की जलती ड्रेस पोस्ट की

तिरुअनंतपुरम: राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा लगातार विवादों में है। केरल में उनकी यात्रा के दूसरे दिन यानी 12 सितंबर को कांग्रेस ने अपने ट्विटर अकाउंट से खाकी की एक निक्कर की तस्वीर शेयर की थी। इसमें लिखा- देश को नफरत से मुक्त कराने में 145 दिन बाकी हैं। इस पर संघ ने कहा कि- उनके बाप-दादा ने संघ का बहुत तिरस्कार किया, लेकिन संघ रुका नहीं। वहीं, भाजपा ने कांग्रेस पर सिख विरोधी दंगे भड़काने का आरोप लगाया है। कांग्रेस की इस पोस्ट में खाकी का निक्कर एक कोने से जल रहा है। नीचे लिखा है, '145 दिन बाकी हैं।' फोटो के साथ कांग्रेस ने कैप्शन दिया है- 'देश को नफरत के चंगुल से मुक्त कराने और भाजपा-संघ के डैमेज की भरपाई के हमारे लक्ष्य पर हम धीरे-धीरे पहुंच ही जाएंगे।'

संघ ने कहा- कांग्रेस लोगों को नफरत से जोड़ना चाहती है: संघ के सह सरकार्यवाह डॉ. मनमोहन वैद्य ने सोमवार को रायपुर में इसका जवाब दिया। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि वे लोगों को नफरत से जोड़ना चाहते हैं। उनके बाप-दादा ने संघ का तिरस्कार किया और अपनी पूरी ताकत के साथ संघ को रोकने का प्रयास किया। लेकिन संघ रुका नहीं, संघ लगातार बढ़ रहा है।

भाजपा नेताओं ने कांग्रेस को सिख दंगों की याद दिलाई: इसके बाद भाजपा नेताओं ने कांग्रेस को निशाने पर ले लिया। साउथ बेंगलुरु से भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या, असम के सीएम हेमंत बिस्व सरमा, दिल्ली भाजपा प्रवक्ता तजिंदर पाल सिंह बग्गा समेत कई नेताओं ने कहा कि आखिर कांग्रेस मान ही गई कि वही देश जलाती है।

मंकीपॉक्स से दिमाग को खतरा: मस्तिष्क में सूजन आ रही

नई दिल्ली: अब तक 100 से ज्यादा देशों में फैल चुके मंकीपॉक्स का प्रमुख लक्षण शरीर पर फफोले पड़ना है। इसके बाकी लक्षण फ्लू की तरह होते हैं। लेकिन, ई-क्लीनिकल मेडिसिन जर्नल में प्रकाशित एक हालिया रिसर्च के अनुसार यह वायरस हमारे दिमाग को प्रभावित करने में भी सक्षम है। इससे मरीज को गंभीर मानसिक बीमारियां हो सकती हैं।

दौरे, दिमाग में सूजन का खतरा: रिसर्चर्स के मुताबिक इससे पहले हुए शोधों में दिमाग पर स्मॉल पॉक्स के असर को जांचा गया है। साथ ही स्मॉल पॉक्स के खिलाफ वैक्सीनेटेड लोगों में भी वायरस के प्रभाव को देखा गया है। लोगों में कई तरह के न्यूरोलॉजिकल कॉम्प्लिकेशंस पाए गए हैं। अब हालिया

रिसर्च में वैज्ञानिकों ने मस्तिष्क पर मंकीपॉक्स के असर को जानने की कोशिश की है। उनके अनुसार मंकीपॉक्स से ग्रस्त 2-3% लोग गंभीर रूप से बीमार होते हैं और इन्हें दौरे (सीजर) और दिमाग में सूजन (इन्सेफेलाइटिस) होती है। इन्सेफेलाइटिस एक ऐसी कंडीशन है, जिसमें रोगी जीवनभर के लिए विकलांग हो सकता है।

लोग कंफ्यूजन, सिरदर्द के शिकार: इस स्टडी में मंकीपॉक्स पर हुई अन्य स्टडीज के डेटा का आकलन भी किया गया। हालांकि, इन शोधों में शामिल लोगों की संख्या कम थी। वैज्ञानिकों की मानें तो कुछ लोगों में कंफ्यूजन पाया गया।

बीमारी से जूझ रहे कई लोगों में सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द और थकान-हरारत जैसे न्यूरोलॉजिकल लक्षण भी नजर आए। हालांकि, इससे यह साफ नहीं हो पाया कि मरीज में ये लक्षण कितने दिन रहते हैं। साइकाइट्रिक समस्याएं, जैसे एंग्जाइटी और डिप्रेशन कितने प्रतिशत मरीजों को होती हैं, इस पर अभी और रिसर्च की जरूरत है। जिनमें इन समस्याओं के लक्षण पाए गए, उनमें से ज्यादातर लोगों का मूड उदास मिला।

पीएलआई योजना में खिलौने, फर्नीचर, साइकिल और कंटेनर उद्योग होंगे शामिल

नई दिल्ली: सरकार उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के दायरे को बढ़ाने पर विचार कर रही है। इस योजना में कुछ इलेक्ट्रॉनिक घटकों, फार्मा और चिकित्सा उपकरणों जैसे क्षेत्रों तक बढ़ाने के प्रस्ताव पर चर्चा चल रही है। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक पीएलआई योजना में खिलौने, फर्नीचर, साइकिल और कंटेनर उद्योग को शामिल करने पर चर्चा चल रही है, जबकि कुछ प्रस्तावों पर विचार किया जा रहा है। आयात में कटौती और घरेलू

निर्माण को बढ़ावा देने की सरकार की मंशा के बीच इन्हें पीएलआई योजना में शामिल करने की मांग की गई थी। इस सरकारी योजना का मकसद घरेलू निर्माण को विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाना, निर्यात को बढ़ावा देना और रोजगार के मौके बढ़ाना है।

खबर संक्षेप

मसुरियन धाम सहित दर्जनों गावों में पीने के पानी का संकट, आक्रोश

अमिलिया तरहार गांव स्थित जल निगम में तैनात प्राइवेट कर्मचारियों ने वेतन न मिलने पर बंद किया काम

लालापुर। मसुरियन देवी धाम सहित दर्जनों गावों में पिछले तीन दिनों से पीने के पानी के लिए हाहाकार मचा हुआ है।धाम के पास स्थित जल निगम के कर्मचारियों ने तीन माह से वेतन न मिलने पर काम बंद कर दिया है।जिसके चलते पीने के पानी का संकट गहरा गया है। ग्रामीणों की बार बार शिकायत के बाद विभागीय अधिकारियों ने इस मामले को गंभीरता से नहीं लिया। लालापुर क्षेत्र के अमिलिया तरहार गांव स्थित मसूरियन देवी धाम सहित इलाके के दो दर्जन गावों में पीने के पानी का संकट गहरा गया है।पिछले तीन दिनों से पीने के पानी की सप्लाई बंद है। जिससे मसूरियन धाम सहित महेरा, नौडिया तरहार, लालापुर, चकसुचेर, भटपुरा आदि गावों में जलापूर्ति बाधित हो गई है। अमिलिया के ग्रामी चंद्रप्रकाश, पप्पू मोदन वाल, धनंजय दिवेदी, रामबाबू, सूबेदार, राजेश दिवेदी, राहुल, जयप्रकाश त्रिपाठी, सोनू त्रिपाठी, जुग्गुन त्रिपाठी, सुभाष , चंद्रिका व लालापुर के मोहित मिश्र, प्रभात शुक्ल, पिंटू मिश्र , नौडिया के सूरज शुक्ल, गोपाल दिवेदी, जितेंद्र दिवेदी ने बताया की जल निगम में तैनात अधिकारियों की लापरवाही से आए दिन पीने के पानी की सप्लाई बंद कर दी जाती है।

गिट्टी लादकर जा रही डंपर ने मासूम बच्चे को कुचला, घर में मचा हड़कंप

अखंड भारत संदेश

मेजा रोड। मेजा के भटौती मे क्रशर प्लांट से गिट्टी लादकर जा रही ट्रक की चपेट में आने से एक मासूम की मौत हो गई। जिससे परिजनों में कोहराम मच गया। सुचना पर सीओ मेजा,थाना प्रभारी मेजा घटनास्थल पर पहुंच अगली मे जुट गए। मिली जानकारी के अनुसार मेजा थाना क्षेत्र के भटौती गांव निवासी संजय निषाद का बेटा गणेश (5) घर के बगल खेल रहा था। भटौती पहाड़ी के क्रशर प्लांट से ट्रक गिट्टी लादकर जा रही थी। मासूम अनियंत्रित ट्रक की चपेट मे आ गया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। गणेश की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। स्थानीय लोगों ने दौड़ा कर ट्रक को पकड़ लिया लेकिन ड्राइवर भागने में सफल रहा। मासूम की मां निशा निषाद का रो-रोकर बुरा हाल है। सुचना पर सीओ मेजा विमल किशोर मिश्र, थाना प्रभारी मेजा धीरेन्द्र सिंह पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर अगली कार्रवाई मे जुटे हुए हैं।

युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

पुलिस ने पीएम के लिए भेजा शव

रत्योरा। कोरांव थाना क्षेत्र के बिरहा गांव में बीती रात को संदिग्ध परिस्थितियों में एक युवक ने अपने कमरे में फांसी के फंदे पर झूल कर आत्महत्या कर ली। जानकारी के मुताबिक रामजी मिश्र पुत्र संतोष मिश्र (24) की शादी 3 वर्ष पहले खीरी थाना क्षेत्र के किहुनी गांव हुई थी। रविवार को दिन में परिवार के लोगों से किसी बात को लेकर आपस में कहासुनी हुई थी। जिससे क्षुब्ध होकर रामजी घर से कहीं चला गया था। जब वह शाम को वापस घर लौटा तो पत्नी मायके चली गई थी। जिसके बाद वह अपने कमरे में गया और रात में वह कब फांसी के फंदे पर झूल गया। परिजनों को इस बात की कोई जानकारी नहीं है। सुबह जब नहीं उठा तो परिजन दरवाजा खोलकर देखा तो वह फांसी के फंदे पर लटकता रहा। मामले की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा की कार्यवाही करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

किशोर गायब गुमशुदगी की रिपोर्ट

मऊआइमा। अपनी बहन का मोबाइल लेकर किशोर घर से प्रयागराज के लिए गया परन्तु आज तक घर वापस नहीं लौटा । मोबाइल भी बंद बता रहा है। गायब किशोर के चाचा ने मऊआइमा थाने में गुमशुदगी रिपोर्ट करा दिया है। मऊआइमा कस्बा नगर पंचायत के मोहल्ला कजियाना कलां निवासी सुनील कुमार गुप्ता का कहना है कि उसका भतीजा अनन्त गुप्ता 17 वर्ष पुत्र नरेश चन्द्र गुप्ता अपनी बहन का मोबाइल लेकर 10 सितम्बर को घर से निकला परन्तु आज तक घर वापस नहीं लौटा उसका मोबाइल भी बंद बता रहा है। परिजन किन्हीं अनहोनी से सहमे हुए हैं ।

विद्यालय से मिड डे मिल का सामान चोरी

मऊआइमा। मऊआइमा में एक विद्यालय का ताला तोड़कर चोरों ने मिड डे मिल का सारा सामान चोरी कर ले गए। रसोईया ने अज्ञात में मुकदमा दर्ज कराया है। जानकारी के अनुसार मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम मोहम्माद पुर सराय अली में स्थित प्राथमिक विद्यालय का ताला तोड़कर मिड डे मिल का गेंहू, चावल ,बर्तन, सिलेंडर ,गैस चूल्हा आदि हजारों का सामान चोर चोरी कर ले गए। रसोईया उमादेवी ने मऊआइमा थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

न्यूज झरोखा

अफवाह फैलाने वालों के साथ होगी कार्रवाई : प्रभारी सुरेंद्र

नैनी। बच्चा चोरी की फैल रही अफवाहो के सम्बन्ध मे नैनी थाना कोतवाली में थाना प्रभारी सुरेन्द्र कुमार वर्मा एवं नैनी थाना निरीक्षक मोहम्मद अली एसआई जय कुमार सिंह के द्वारा कोतवाली परिसर में बैठक की गई और बैठक में आए हुए संभ्रांत व्यक्तियों व्यापार मंडल अध्यक्ष राकेश जायसवाल और ग्राम प्रधानों एवं पुलिस मित्र टीम एसपीओ यूथ टीम प्रभारी एम संचालक आशीष जायसवाल के साथ मीटिंग की गई जिसमें बच्चा चोर से संबंधित फैल रहे अफवाहों के बारे में बताया गया तथा अफवाहों से बचने के लिए लोगों को जागृत करने के लिए बताया गया लोगों से अपील की गई अफवाहों पर ध्यान ना दें और अपनी सूझबूझ से काम करें और कुछ भी गलत हो तुरंत नैनी थाना प्रभारी को सूचित करें।

कथा श्रवण से कई जन्मों के पापों का नाश हो जाता है

जंघई। सोमवार को श्रीमद्भागवत कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ से पूर्व सेमरी, डीह गांव के मुख्य मार्गों एवं गांव में गाजे बाजे ढोल नगाड़ों एवं रथ के साथ भव्य कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा में भक्ति भाव के साथ महिला, पुरुष सिर पर कलश लेकर कथा स्थल तक पहुंचे। आचार्यों द्वारा मंत्रोच्चारण से कलश में भरे जल से कथा स्थल की शुद्धि की गई एवं श्रीमद्भागवत पुराण की पूजा करते हुए वेदी पूजन अर्चन तथा महात्म्य पर प्रकाश डाला गया। कथा व्यास अवनीश भाई जी महाराज श्रीधाम वृंदावन ने कहा कि भागवत कथा का श्रवण करने से मानव जीवन में एक जन्म नहीं अपितु हमारे कई जन्मों के पापों का नाश होने के साथ ही हमारे शुभ कर्मों का उदय होता है।कथा सुनने मात्र से जीव जन्म और मरण के बंधन से मुक्त हो जाता है। कथा में मुख्य यजमान विजय कुमार शर्मा, जयकुमारी देवी, अजय शर्मा, मनीष शुक्ला सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

प्रबंधक के भतीजे का आईआईटी जेईई में चयन

जंघई। ग्लोबल इंटरनेशनल स्कूल एवं आईटीआई के प्रबंधक पूर्व प्रधान रस्तीपुर सतीश पांडेय के भतीजे आयुष पांडेय पुत्र सुनील कांत पांडेय कार्यरत एनडीआरएफ का आईआईटी जेईई एडवांस 2022 की परीक्षा में सफलता प्राप्त करने पर सभी परिजनों, ग्रामीणों, रिश्तेदारों एवं क्षेत्रीय लोगों ने प्रशन्नता व्यक्त किया है और सभी ने आयुष पांडेय के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए शुभ आशीर्वाद एवं बधाई दिया है।

कला प्रतियोगिता में साक्षी, संध्या और शालिनी प्रथम

शंकरगढ़। बच्चों में कला के प्रति रुचि पैदा करने के उद्देश्य से सोमवार को कैंब्रिज हाईस्कूल एंड कॉलेज शंकरगढ़ में कला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालय के बच्चों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। प्राइमरी सेक्शन में साक्षी, जूनियर में संध्या और सीनियर वर्ग में शालिनी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रबंधक संतोष त्रिपाठी ने बताया कि कला प्रतियोगिता का आयोजन प्राइमरी, जूनियर और सीनियर तीन ग्रुप को विभाजित करके किया गया। सभी ग्रुप को अलग-अलग स्तर की प्रतियोगिता में शामिल किया गया। प्रतियोगिता के प्राइमरी ग्रुप में साक्षी सिंह, प्राप्ति सिंह, रानू सिंह/ आदित्य सिंह ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान हासिल किया। इसी क्रम में जूनियर ग्रुप में संध्या वर्मा, दिव्यांशी सिंह, मानवी केसरवानी, आदित्य राज, रागिनी वर्मा, सीनियर ग्रुप में शालिनी सिंह, साक्षी मिश्रा, उन्नति केसरवानी ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय आदि स्थान हासिल किया। प्रबंधक संतोष त्रिपाठी ने बच्चों के प्रदर्शन की तारीफ करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर विद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी बालेंद्र पांडेय, मणिशंकर दुबे, सौरभ प्रकाश, यज्ञवल्क्य द्विवेदी, धर्मराज कुशवाहा, पंकज मिश्र, पंकज श्रीवास्तव, मनोज तिवारी, अखिलेश पांडेय, नवीन, सुधीर नारंग, रितु सुसारी, रेखा सिंह, फलक बेगम, मधु केसरवानी, ऊषा सिंह, मीरा श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहीं।

छात्र संसद शपथ ग्रहण प्रतिभा अलंकरण समारोह आयोजित

नैनी। माधव ज्ञान केंद्र इंटर मीडिएट कॉलेज में आज छात्र संसद शपथ ग्रहण एवं प्रतिभा अलंकरण समारोह मनाया गया क इसमें मुख्य अतिथि श्रीमती नम्रता चौरसिया अध्यक्ष महिला मोर्चा काशी प्रांत, विशिष्ट अतिथि श्रीमती सविता मिश्रा जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा यमुनापार, श्रीमती गीता श्रीवास्तव मंडल अध्यक्ष महिला मोर्चा नैनी, श्रीमती पूनम मौर्या मीडिया प्रभारी काशी प्रांत द्वारा विद्यालय विद्यालय के प्रधानमंत्री शिवम सिंह ,कन्या भारती की प्रधानमंत्री कीर्ति मिश्रा तथा शिशु भारती के प्रधानमंत्री आर्यन सिंह को प्रधानमंत्री के पद की शपथ दिलाई गई कइसके साथ साथ विद्यालय के इंटरमीडिएट के टॉपर सौम्या शुक्ला, श्रेया सिंह, आंचल तिवारी, यशी पांडे एवं प्रिया त्रिपाठी और हाई स्कूल में साक्षी सिंह ,लकी सिंह, अभय तिवारी, अंकुर सिंह व सोनाक्षी यादव को सम्मानित किया गया कइस अवसर पर पूर्व छात्र विपिन पटेल एसोसिएट प्रोफेसर ,धनंजय सिंह कार्डियोलॉजिस्ट, विक्रम सिंह सहायक अध्यापक ,सुनील यादव सब इंस्पेक्टर को मुख्य अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया कइस कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य श्री सभाजीत पाल जी ने किया, इस अवसर पर छात्र संसद के प्रमुख श्री राधेश्याम तिवारी,कन्या भारती की प्रमुख सविता त्रिपाठी एवं शिशु भारती के प्रमुख श्री बनवारी लाल चौरसिया ,श्री विभूति नारायण सिंह,श्रीमती वंदना सिन्हा ,श्री अमित नायक सहित सभी शिक्षक व शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

स्थापना दिवस पर रक्तदान शिविर व निःशुल्क स्वास्थ जांच का किया गया आयोजन

जारी। ओरिएण्टल इंश्योरेंस कंपनी नैनी प्रयागराज मे 76वें स्थापना दिवस पर रक्तदान शिविर व निशुल्क स्वास्थ जांच का आयोजन किया गया । शिविर का शुभारम्भ डॉ पी०सी० यादव व ओरिएंटल इन्शुरेंस मंडलीय प्रभारी श्री अरुण कुमार द्वारा किया गया । रक्त दान व स्वास्थ जाँच करने के लिए रक्तकोष विभाग टी० बी० सप्रू चिकित्सालय प्रयागराज के द्वारा किया गया। शाखा प्रबंधक सत्येन्द्र कुमार सिंह ने कहा कि ओरिएण्टल इंश्योरेंस कंपनी के द्वारा ग्राहको को बेहतर तरीके से बीमा सेवा प्रदान की जायेगी। रक्त दान करने व स्वास्थ जाँच कराने वालो मे शाखा प्रबंधक सत्येन्द्र कुमार सिंह, अरुण कुमार, अमित कुमार, सीमा, सुमित, निशांत, दीपक कुमार, अंकित, प्रशांत आदि रहे। शाखा प्रबन्धक ने इस अवसर पर सभी ग्राहको,अभिकर्ताओ ,एवम् कर्मचारियो को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दिया। इस अवसर पर डॉ संजय वर्मा ,दया शंकर पटेल, स्वाति, सुनील कुमार रहेजा, राजू साहू, मोहम्मद समीम अंसारी, संतोष, राज किशोर, सुरेश यादव , अंकित कुमार, कवींद्र नाथ राय कमलेश यादव, श्याम बिहारी आदि लोग मौजूद रहे।

कलमकार कार्यशाला में विद्यार्थी सीख रहे कविता लेखन

घूरपुर। लोक संस्कृति विकास संस्थान प्रयागराज और अभिनव विद्यालय दांदूपुर के संयुक्त तत्वावधान में चल रही पांच दिवसीय कविता लेखन कार्यशाला 'कलमकार' के तृतीय दिवस पर कवि एवं लेखक शरद कुमार मिश्र सहित कवयित्री संपदा मिश्रा, रीता चौधरी एवं ऋतु शुक्ला आदि ने बच्चों को कविता लेखन के टिप्स और ट्रिक्स दिए। कवि एवं लेखक शरद कुमार मिश्र ने अपने वक्तव्य में कहा कि कविता लिखने का मतलब, अपने अंदर झांकना और अपने चारों ओर मौजूद दुनिया को ध्यान से देखना। एक कविता प्यार होने से कुछ खोने तक या खेत खलिहान से लेके पुराने जंग लगे दरवाजे तक किसी भी बारे में हो सकती है। कविता लिखने के बारे में सोचना आपके लिए जरा सा डरावना जरूर लग सकता है, खासतौर पर तब जबकि, आपको लगता हो, कि आप उतने ज्यादा रचनात्मक नही हैं या आपके अंदर कविता लिखने लायक विचार ही नही हैं। एक सही नजरिया या प्रेरणा अपनाकर, आप एक ऐसी कविता लिख सकते हैं, जिसे आप खुशी खुशी अपने क्लास में सारे दोस्तों या बाहर के लोगों को सुना सकते हैं या कहीं भेज सकते हैं। कार्यशाला में कुल 40 विद्यार्थी प्रतिभाग कर रहे हैं जो हिंदी दिवस के अवसर पर स्वरचित कविता का पाठ करेंगे।

गांधी जयंती पर होंगे विभिन्न आयोजन

सहसों। रामनगर में धैर्य प्रताप सरकार के आवास पर साहू समाज के लोगों की एक बैठक रविवार को सायंकाल भाजपा के मंडल अध्यक्ष आलोक गुप्ता की अध्यक्षता में की गई। जिसमें आगामी 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम के आयोजन की रूपरेखा बनाई गई तथा सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि गांधी जयंती के अवसर पर साहू धर्मशाला पंड़िला के परिसर में सामूहिक रूप से विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन के साथ वृहद रूप में गांधी जी की जयंती मनाई जाएगी। जिसमें साहू समाज के भारी संख्या में लोग शामिल होकर सहभागिता निभा कर कार्यक्रम को सफल बनाएंगे। इस अवसर पर प्रभाकर साहू, पुष्पराज साहू, धैर्य प्रताप सरकार, धीरज साहू, नवीन कुमार साहू, त्रिभुवन नाथ गुप्ता, राकेश कुमार साहू, नंदलाल साहू, क्षेत्र पंचायत सदस्य मनीष गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

जनता व अधिकारियों की नजर में आपको उठाना मेरा मकसद : डॉ. वाचस्पति

अखंड भारत संदेश

भाजपा-अपनादल-निषाद पार्टी और एमवी ग्रुप के सुझाव पर विभागवार छःमाह के लिए नियुक्त हुए विधायक प्रतिनिधि, 20 विभाग के विधायक प्रतिनिधि बने भाजपा के पांच मंडल अध्यक्ष सहित दर्जनों लोग

जसरा। विधायक बारा डॉ.बाचस्पति ने जनता के समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु भाजपा-अपनादल-निषाद पार्टी & एमवी ग्रुप के सुझाव पर विभागवार छःमाह के लिए क्षेत्रीय विधायक प्रतिनिधि की घोषणा करके अपने आप को जनता के हितों के कसौटी पर कसने का अवसर देते हुए कहा जनता और अधिकारियों के नजर मे आपको उठाना मेरा मकसद है। डॉ वाचस्पति ने कहा मैं पाज़िटिव सोचता हूं आप भी पाज़िटिव सोचें। अगर जिम्मेदारियों से भटके या कुछ गलत हुआ तो नुकसान भी उठाना पड़ेगा, उसका भी एहसास रहे। जनता के बीच निर्णय लेकर जनता के हितों को प्राथमिकता के आधार पर कराऊंगा। अभी एक माह मे आप सभी प्रतिनिधियों को अपने आपको सिध्द करके दिखलाना होगा। साथ ही कैसंर किडनी से ग्रस्त मरीजों को मेरे पास भेजे जिससे मुख्यमंत्री कोष से तत्काल राहत मिल सके कार्यक्रम का संचालन मंडल अध्यक्ष जसरा जगत नारायण शुक्ला ने किया। इस अवसर पर भाजपा जिला मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार चतुवेर्दी, विधायक प्रतिनिधि उमेश शुक्ला, मंडल अध्यक्ष कौंधियारा शिवप्रसाद केसरवानी, लालापुर बंदना सिंह, शंकरगढ कुलदीप सिंह पटेल, नारीबारी अंजनी लाल, अपनादल गोकुल प्रसाद, फूलचंद पटेल, निषाद पार्टी श्यामू निषाद एमवी ग्रूप से डॉ अर्जुन कुशवाहा आदि ने नवनियुक्त विधायक प्रतिनिधियों को सम्बोधित कर जिम्मेदारियों का एहसास कराया। इस अवसर पर प्रमुख विधायक प्रतिनिधि नीरज केसरवानी, आलोक पाठक, कुशल जैन, द्विजेश पाण्डेय, अर्जुन कुशवाहा, अशीष सोनकर,राम केसरवानी, दीपचंद्र मोदनवाल, होरी लाल, हेमराज सहित सैकडों लोग मौजूद रहें।

विद्युत समस्याओं के समाधान के लिए विभाग ने लगाया कैंप

अखंड भारत संदेश

उपकेंद्र शंकरगढ़ में आयोजित कैंप में लगी उपभोक्ताओं की भीड़

शंकरगढ़। विद्युत उपभोक्ताओं की समस्याओं के निदान के लिए विद्युत विभाग के तरफ से सोमवार को कैंप का आयोजन किया गया। इस कैंप के जरिए अधिक बिल आने, मीटर में गड़बड़ी, लोड बढ़वाने आदि की कार्रवाई की गई। इसीतरह टिकरौंही कला के दर्जनों उपभोक्ताओं ने बताया कि उन्हे ज्यादा बिल भेजा जा रहा है। जबकि उन लोगों को बिजली छह माह पहले ही मिली है। इस पर एसडीओ ने कहा कि उपभोक्ताओं को जब से बिजली मिली है, तभी से बिल देना होगा। इस पर सभी उपभोक्ताओं ने राहत की सांस ली। विद्युत उपकेंद्र शंकरगढ़ में आयोजित कैंप में दर्जनों उपभोक्ताओं ने बिल सुधार करवाते हुए मीटर की खामी बताई और लोड की समस्या की शिकायत की। एसडीओ (विद्युत) विमल कुमार यादव ने बताया कि आज आयोजित कैंप में टिकरौहीं कला के कई उपभोक्ताओं ने अधिक बिल की शिकायत की थी। उपभोक्ताओं का कहना था कि उनकी बस्ती में विद्युतीकरण का कार्य 2018 में हुआ था, लेकिन बिजली अब से छह महीना पहले मिली। जबकि इस दौरान बिल बहुत पहले का भी जोड़कर भेजा गया है। उपभोक्ताओं की इस समस्या पर एसडीओ ने सभी से कहा, जब से विद्युत सप्लाई मिली है, तभी से बिल देना पड़ेगा। इस पर उपभोक्ताओं ने राहत की सांस ली। एसडीओ विमल कुमार यादव ने बताया कि शंकरगढ़ विद्युत उपकेंद्र में 12,13 और 16 सितंबर को कैंप का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें उपभोक्ताओं की विद्युत से संबंधित समस्याओं को दूर करने का प्रयास किया जाएगा। इस कैंप में अवर अभियंता रवि प्रकाश, बड़े बाबू प्रशांत रघुवंशी, मनोज कुमार, दीपू शुक्ला, संदीप, राकेश, गोपाल, तीरथ, छोटू,सोनी आदि लोग मौजूद रहे।

रजत समाज के महामंत्री की माता के निधन पर जताया शोक

प्रयागराज। रजत समाज (धोबी समाज) के महामंत्री राकेश कनौजिया की माता चमेली देवी 90 साल की थी ।कोरोना काल से ही चमेली देवी का स्वास्थ्य खराब हो गया थी और उसी समय ही उनको हार्टअटैक आ गया था जिसके बाद से ही दवा चल रही थी पि0छले एक महीने से उनकी हालत गंभीर बनी हुई थी पिछले 5 दिनों से स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल के हृदय विभाग में इलाज चल रहा था सोमवार की शाम 3 बजे उनका देहांत हो गया। रजत समाज (धोबी समाज) प्रयागराज के अध्यक्ष अंकित कनौजिया, विशाल कनौजिया, प्रेम भूटानी, पवन चौधरी, छेदी लाल कनौजिया, आलोक कनौजिया, राजकुमार कनौजिया, शोक व्यक्त किया।

गया तीर्थ में पितरों का श्राद्ध पिंडदान करने से मिलता है मोक्ष

अखंड भारत संदेश

सहसों। पितृपक्ष में श्रद्धा भाव से पितरों की मोक्ष के लिए प्रसन्नता पूर्वक गया तीर्थ में तर्पण पिंडदान श्राद्ध करने से परिवार में सुख शांति और समृद्धि की प्राप्ति होती है। तथा सदैव ही घर परिवार के प्रत्येक प्राणीयों पर पितरों का आशीर्वाद के साथ पितरों का तर्पण भी हो जाता है। जिससे उनके आत्मा को शांति के साथ मोक्ष मिल जाती है। उक्त बातें सहसों के देवनहरी गांव में आचार्य विनोद शास्त्री ने गया तीर्थ जा रहे सनातनी पंडित नागेंद्र प्रसाद उपाध्याय को पूजन के पश्चात कही। इस अवसर पर गया तीर्थ जा रहे श्रद्धालु ने गांव मे घर-घर जाकर शुभ अक्षत डालकर बुजुर्गों का आशीर्वाद प्राप्त किया तथा छोटों को आशीर्वाद दिया। इस दौरान गाजे-बाजे के साथ प्रसन्नता पूर्वक गांव की माता चौरा मंदिर में माला फूल चढ़ाकर आशीर्वाद लेते हुए ग्राम के सरहद की परिक्रमा करते हुए गया तीर्थयात्री गंतव्य को रवाना हुए। इस दौरान क्षेत्र के गणमान्य व्यक्तियों, परिजन सहित गांव की महिलाएं मंगल गीत गाते हुए रास्ते भर देवी देवताओं की जय जयकार करते हुए साथ साथ चल रहीं थी। पितृपक्ष में बहुतायत सनातनी पितरों का आशीर्वाद तथा उनकी आत्मा की शांति के लिए गया तीर्थ जाकर वहां पर धार्मिक विधि विधान से तर्पण अर्पण करने के पश्चात उनका आशीर्वाद प्राप्त कर वापस लौटते हैं। इस अवसर पर देवराज उपाध्याय, संतोष उपाध्याय, विपिन उपाध्याय, मनोज उपाध्याय, राहुल उपाध्याय, राम सजीवन शुक्ला, पवन कुमार शुक्ला, अमलेन्द्र कुमार तिवारी, भारतेन्द्र तिवारी, सुभाष चंद्र विश्वकर्मा, शुभम, शिवम, पंडित ओम प्रकाश मिश्र सहित आदि लोग उपस्थित रहे।

खीरी व कोरांव थाना क्षेत्र में बेधड़क हो रहा अवैध खनन

बिना प्रपत्र के ही गिट्टी व डस्ट का हो रहा परिवहन, मनमाने तरीके से हो रहा बारूदी सुरंगों का प्रयोग

अखंड भारत संदेश

रत्योरा। यमुनापार इलाके के दक्षिणांचल क्षेत्र में स्थित कोरांव एवं खीरी थाना क्षेत्र के पहाड़ों में बेधड़क अवैध खनन जारी है। खनन माफियाओं के द्वारा बिना प्रपत्र के ही अवैध तरीके से गिट्टी व डस्ट की ढुलाई व परिवहन किया जा रहा है। अवैध रूप से पहाड़ों में गिट्टियां तोड़ी जा रही हैं। मनमाने तरीके से बारूदी सुरंगों का प्रयोग किया जा रहा है जिससे वन्यजीवों को भारी क्षति पहुंच रही है। खीरी थाना क्षेत्र के धधुआ में कचरा पुलिस चौकी के बगल में संचालित हो रहे क्रेशर प्लांट से अवैध रूप से ट्रैक्टरों पर ओवर लोड गिट्टियां लादकर पुलिस चौकी के सामने से ही गुजर रहे हैं। स्थानीय लोगों की शिकायत के बाद भी पुलिस व विभागीय अधिकारी कार्यवाही नहीं कर रहे हैं। चचाओं पर गौर करें तो पुलिसिया परमिट पर अवैध खनन कारोबारी बेधड़क होकर ओवरलोड गिट्टियां लादकर परिवहन कर रहे हैं। इसी प्रकार कोरांव थाना क्षेत्र के कपुरी क्रेशर प्लांट से भी जहां अवैध खनन हो रहा है, वहीं बारूदी सुरंग का प्रयोग किया जा रहा है। इसी तरह धाव, हनुमानगंज, का इतिहास झलमल समेत कई अन्य पहाड़ों पर अवैध रूप से गिट्टियां तोड़ी जा रही हैं, और उसकी ढुलाई भी की जा रही है। कोरांव बाजार में दिन और रात को ओवरलोड गिट्टी लादकर ट्रैक्टर ट्राली परिवहन कर रहे हैं। इसी प्रकार ओवरलोड बड़े वाहन भी पूरे दिन आते जाते रहते हैं किंतु जिम्मेदार मौन बने रहते हैं। क्षेत्रीय पहाड़ों में हो रहे अवैध खनन व बारूदी सुरंगों के प्रयोग से जहां वन्यजीवों को हानि पहुंच रही है, वहीं राजस्व को भी भारी चूना लगाया जा रहा है।

सुरंगों से आसपास के घरों में आ जाती हैं दरारें

क्रेशर प्लांटों एवं क्षेत्रीय पहाड़ों पर मनमाने तरीके से लगाई जा रही सुरंगों के स्खलन से आसपास स्थित कच्चे व पक्के घरों में दरारें आ जाती हैं। जिसकी भी शिकायत लोग करते हैं किंतु विभाग कोई कार्रवाई करने के बजाय ठंडे बस्ते में डाल देता है। कपुरी में मनमाने तरीके से सुरंगों के प्रयोग से घरों में आई दरारों का मामला उठाया गया था किंतु विभागीय जिम्मेदार कार्यवाही के बजाय मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया था। जिससे लगातार क्रेसर प्लांटों एवं क्षेत्रीय पहाड़ों में मनमाने तरीके से बारूदी सुरंगों का प्रयोग किया जा रहा है।

खबर संक्षेप

यूपी बोर्ड कंपार्टमेंट परीक्षा का रिजल्ट घोषित

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट कंपार्टमेंट परीक्षा-2022 का परिणाम सोमवार को जारी कर दिया गया। परिणाम माध्यमिक शिक्षा परिषद की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है। हाईस्कूल का कंपार्टमेंट/इंप्रूवमेंट परीक्षा का परिणाम 99.98 एवं इंटमीडिएट कंपार्टमेंट परीक्षा का परिणाम 94.98 प्रतिशत रहा।कंपार्टमेंट/इंप्रूवमेंट परीक्षा के लिए 10 जुलाई से 25 जुलाई तक आवेदन लिए गए थे। यह परीक्षा 27 अगस्त को कराई गई थी। बोर्ड सचिव दिव्यकांत शुक्ल के मुताबिक हाईस्कूल की इस परीक्षा के लिए 13,268 बालक एवं 4,447 बालिकाओं ने पंजीकरण कराया था, जिसमें से 11,826 बालक एवं 4024 बालिका परीक्षा में शामिल हुए। इस तरह कुल 15,847 परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए हैं। बालकों व बालिकाओं का उत्तीर्ण प्रतिशत एकसमान 99.98 है। इसके अलावा इंटरमीडिएट की कंपार्टमेंट परीक्षा में कुल 16,581 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, जिसमें से 15,704 शामिल हुए। इसमें से 14,916 उत्तीर्ण हुए, जिसमेंबालकों की संख्या 6,643 तथा बालिकाओं की संख्या 8,273 है। इस तरह कुल उत्तीर्ण प्रतिशत 94.98 रहा, जिसमें बालकों का प्रतिशत 95.42 और बालिकाओं का 94.64 है, जबकि 5.02 प्रतिशत परीक्षार्थी अनुत्तीर्ण हो गए। सचिव ने बताया कि परीक्षार्थी अपने रोल नंबर के आधार पर अपना परिणाम देख सकते हैं।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय में छात्रों ने निकाला आक्रोश मार्च, जुटे भारी संख्या में छात्र

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय छात्र संघ भवन पर फीस वृद्धि की के विरोध में व छात्र संघ बहाली की मांग को लेकर सोमवार को आक्रोश मार्च निकाला गया । इसके साथ ही विश्वविद्यालय प्रशासन को चेतावनी दी गई कि जल्द ही फीस वृद्धि वापस नहीं की गई तो इसका बड़ा अंजाम विश्व विश्वविद्यालय प्रशासन को भुगतना पड़ेगा । उधर आमरण अनशन पर बैठे जो छात्र मनजीत पटेल और राहुल सरोज की तबीयत बिगड़ गई । उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया ।

ट्वीट कर प्रियंका गांधी ने दिया समर्थन : ट्विटर के माध्यम से प्रियंका गांधी ने फीस वृद्धि आंदोलन को समर्थन दिया है और जल्द से जल्द आंदोलन स्थल पर आने का वादा भी किया । छात्र नेता अजय यादव सम्राट ने बताया कि प्रियंका गांधी ने कहा कि छात्रों की जायज मांगों पर भी सरकार चुप है यह ठीक नहीं है । सैकड़ों की संख्या में छात्रों ने कैंपस में आक्रोशित मार्च निकाला। हाथों में बैनर और पोस्टर लिए छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी भी की । छात्रों ने कुलपति मुदार्बाद के नारे भी लगाए इस दौरान छात्रों ने जिन अनशन कार्यों की तबीयत बिगड़ी थी उन्हें स्ट्रेचर पर रखकर कैंपस में घुमाया। छात्र नेताओं ने चेतावनी दी है कि अगर किस व्यक्ति वापस नहीं ली गई तो यह आंदोलन और व्यापक रूप लेगा जिसकी जिम्मेदारी विश्वविद्यालय प्रशासन की होगी । इस मौके पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय के वर्तमान छात्र संघ उपाध्यक्ष अखिलेश यादव,छात्र नेता अजय यादव, सम्राट जितेंद्र धनराज, हरेंद्र यादव, राहुल पटेल, अमित पांडे, अभिषेक यादव ,उत्तम, सुधीर, आकाश, नवनीत, अवनीश ,अनुराग, अरविंद ,रोहित सारी कुशवाहा ,अजय पांडे बागी आदि लोग उपस्थित रहे।

दो पदों पर सीधी भर्ती का परिणाम घोषित

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने चिकित्सा शिक्षा विभाग के तहत राजकीय मेडिकल कॉलेजों में असिस्टेंट प्रोफेसर एनाटमी और एपीडेमोलॉजिस्ट कम असिस्टेंट प्रोफेसर के एक-एक पद पर सीधी भर्ती का अंतिम चयन परिणाम सोमवार को जारी कर दिया। एपीडेमोलॉजिस्ट कम असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर चंद्र मौलि मिश्रा और असिस्टेंट प्रोफेसर एनाटमी के पद पर अमृता निधि को चयनित घोषित किया गया है। इन दोनों पदों पर भर्ती के लिए इंटरव्यू नौ सितंबर को हुआ था।

मेजा पुलिस ने दो ओवरलोड ट्रकों को किया सीज

मेजा रोड। मेजा पुलिस ने सोमवार को दो ओवरलोड ट्रकों को पकड़कर सीज कर दिया। बता दें कि इस समय वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रयागराज के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में पुलिस अधीक्षक यमुनापार व क्षेत्राधिकारी मेजा के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी मेजा धरिन्द्र सिंह द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है।इसी क्रम में सोमवार को प्रभारी निरीक्षक मेजा धीरेंद्र सिंह के नेतृत्व में चौकी प्रभारी कोहड़ार उ0नि० अखिलेश कुमार सिंह मय पुलिस टीम द्वारा मुखबार की सूचना पर मेजा थाना क्षेत्र के कोहडार से ओवललोड परिवहन करते हुये 2 अदद गिट्टी लदे हुये ट्रक पकड़ कर सीज किया गया।

डीएम की अध्यक्षता में रेडक्रास सोसायटी की बैठक सम्पन्न

जिलाधिकारी ने 17 सितम्बर को स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन कराये जाने के दिए निर्देश

प्रयागराज। जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री की अध्यक्षता में सोमवार को संगम सभागार में रेडक्रास सोसायटी की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने क्षयरोग से ग्रसित बच्चों को गोद लिए जाने के बारे में जानकारी ली तथा 17 सितम्बर को एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर(मेगा ब्लड डोनेशन कैम्प) का आयोजन कराये जाने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि शहर में एक स्थान पर एवं गंगापार एवं यमुनापार में कराये जाने का निर्देश दिया है साथ ही साथ स्वयं सहायता समूह, नर्सिंग होम एसोसिएशन की तरफ से भी एक कैम्प लगेगा। पुलिस लाइन, युनाइटेड, आई0एम0ए0 सहित मेगा ब्लड कैम्प का आयोजन किया जायेगा। इच्छुक व्यक्ति अपना ब्लड डोनेट कर सकते है साथ ही रेडक्रास सोसायटी के द्वारा एक एटीएम हेल्थ लगाया जायेगा, जिसमें 40 तरह की निःशुल्क जांच की सुविधा रहेगी साथ ही साथ एटीएम हेल्थ के द्वारा ही दवाईयां भी प्राप्त की जा सकेगी। यह आमजनमानस के लिए बहुत की लाभकारी होगा। इसके अलावा स्वयं सेवी संस्थाओं, कार्यदायी संस्थाओं के द्वारा भी हेल्थ एटीएम लगाया जायेगा। इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी श्री नानक शरण, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी श्री ए0के0 तिवारी, ब्लाक प्रमुख कौंधियारा इन्द्रनाथ मिश्र सदस्य एवं नागेन्द्र पाण्डेय सदस्य सहित सभी सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

नव विवाहिता को पति सास ससुर ने हत्या कर फांसी पर लटकाया

मायके वालों ने ससुराल वालों पर दहेज हत्या का लगाया आरोप,मौके पर पहुंची खीरी पुलिस,लाश पोमा में भेजा

अखंड भारत संदेश

कोरांव। खीरी थाना क्षेत्र के लालतारा गांव में एक नव विवाहिता की ससुराल वालों ने मार पीट कर हत्या कर लाश फांसी के फंदे पर लटका दिया। ऐसा आरोप मृतका के मायके वालों ने लगाया और पुलिस ने लाश कब्जे में ले कर पोमां में भेज दिया।घटना 12 सितंबर 2022 की शाम कारीब छ बजे की हैं। मृतका आरती पुत्री जगपति अनुसूचित जाति बीस वर्ष के भाई हरिशंकर निवासी मझिगवा तहसील कोराव थाना खीरी ने बताया की चार दिन पहले ही मेरी बहन मेरे घर से ससुराल गई थी। बहन का पति रामबाबू पुत्र बृजलाल लाल तारा बाहर रहता है। अभी हाल में आया था। दहेज की कमी को ले कर बहन के सास ससुर और मेरा बहनोई काफी प्रताड़ित करते थे। पिछले वर्ष ही बहन की शादी किया था। और बाइक सहित नगदी तथा काफी सामान भी दहेज में दिया था। मृतका के भाई हरिशंकर ने बताया कि जैसे ही हम लोगों को सूचना मिली मौके पर बहन के ससुराल पहुंचे पुलिस को पहले ही घटना स्थल पर ससुराल वालों ने बुला रखा था। घटना स्थल पर मृतका के मायके वाले भी पहुंचे सभी का रो रो कर बुरा हाल था। मायके वालों की ओर से थाना खीरी में नामजद सदूराल वालों के खिलाफ रपट दी गई है।

ऑपरेशन के बाद करौर निवासी खुशी तिवारी की मौत, अस्पताल सीज

जंघई। जंघई- मुंगराबादशाहपुर रोड पर स्थित कृष्णा पाली क्लीनिक में डिलीवरी हेतु करौर गांव निवासी खुशी तिवारी पत्नी शैलेश तिवारी को शनिवार को एडमिट कराया गया था जहां पर आपरेशन से बेटा पैदा हुआ रविवार को खुशी की तबियत खराब हो गई तो अस्पताल वालों ने प्रयागराज रेफर कर दिया। प्रयागराज के अस्पताल में पहुंचते पहुंचते खुशी की मृत्यु हो गई इस पर परिजन वापस शव लेकर मुंगराबादशाहपुर पहुंचे और अस्पताल संचालक पर मुकदमा पंजीकृत करवाया एवं ऑपरेशन के बाद हुई मौत से गुस्साए परिजनों ने अस्पताल में जमकर हंगामा किया।जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के जिलाध्यक्ष राजन त्रिपाठी के शिकायत पर घटना की जानकारी प्रशासन एवं पुलिस के अधिकारियों को दी गई तो पुलिस हरकत में आयी और एसडीएम, सीओ मछलीशहर एवं थानाध्यक्ष मुंगराबादशाहपुर की उपस्थिति में प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ राजेश कुमार के नेतृत्व में चिकित्सकों की टीम ने अस्पताल सीज कर दिया।

ज्ञानवापी मस्जिद और विश्वेश्वर मंदिर विवाद मामले में सुनवाई जारी

प्रयागराज। ज्ञानवापी मस्जिद और विश्वेश्वर मंदिर विवाद मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सोमवार को भी सुनवाई जारी रही। अगले सप्ताह तक सुनवाई पूरी होने की उम्मीद है। 2 मामलों में भी सुनवाई 28 सितंबर को करेगी। उस दिन आर्कोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के निदेशक की विस्तृत रिपोर्ट व्यक्तिगत हलफनामे के जरिए दाखिल होगी।मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति प्रकाश पाड़िया की खंडपीठ कर रही थी। इसके पहले सुनवाई में उत्तर प्रदेश गृह विभाग के सचिव की ओर से व्यक्तिगत हलफनामा प्रस्तुत किया गया। केंद्र सरकार की ओर से आरकोलॉजिकल सर्वे आफ इंडिया के निदेशक की रिपोर्ट भी व्यक्तिगत हलफनामे के जरिए फाइल हुई।हालांकि, विस्तृत विवरण ना होने की वजह से निदेशक की ओर से पेश हुए अधिवक्ता ने विस्तृत रिपोर्ट दाखिल करने के लिए समय मांगा। इस पर कोर्ट ने उन्हें अगली सुनवाई पर विस्तृत रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया। इसके बाद मंदिर और ज्ञानवापी मस्जिद अंजुमन इंतजामियां कमेटी की ओर से बहस की गई। कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद तीन मामलों में सुनवाई अगली तिथि तक के लिए टाल दी है। अभी दो मामलों में वह सुनवाई करेगी।

स्कूल जा रहे छात्र का अपहरण, आठ घंटे बाद गाड़ी से कूदकर बचाई जान

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। साइकिल से स्कूल जा रहे 12 वर्षीय छात्र वैभव उर्फ कुनाल उपाध्याय का पिकअप सवार युवकों ने अपहरण कर लिया। करीब आठ घंटे बाद छात्र को होश आया तो उसने पिकअप से कूदकर अपनी जान बचाई। सरायममरेज थाने की पुलिस अपहरणकताओं की तलाश के साथ ही पूरे मामले की जांच कर रही है।

नाक पर रुमाल लगाकर खींचा पिकअप में : घटना सरायममरेज थाना क्षेत्र के जंघई वारी मार्ग पर हुई। बताया गया कि विंद्रावन गांव निवासी विनोद उपाध्याय दूसरे शहर में रहकर प्राइवेट नौकरी करते हैं। उनका बेटा कुनाल सेंट जार्ज मिशन स्कूल में सातवीं का छात्र है। वह रोजाना की तरह सोमवार सुबह करीब साढ़े सात बजे साइकिल से स्कूल जा रहा था। इसी दौरान वह साइकिल खड़ी करके लघुशंका करने लगा। तभी जंघई की तरह से एक पिकअप आई और फिर उसमें से एक युवक बाहर निकला। उसने कुनाल के मुंह पर रुमाल लगाई तो वह अचेत हो गया।उधर, कुनाल दोपहर दो बजे तक घर नहीं पहुंचा तो स्वजन परेशान होकर छात्र की खोजबीन में जुट गए। स्कूल में फोन करके पूछा तो पता चला कि कुनाल नहीं आया था। इससे पर घरवाले अनहोनी की आशंका से परेशान हो गए। शाम करीब साढ़े चार बजे विनोद उपाध्याय के पास प्रतापपुर निवासी एक शख्स ने फोन किया और बताया कि उनका बेटा मंदिर के सामने दुकान पर मौजूद है। वह काफी डरा हुआ है। घरवालों ने पुलिस को बताया तो सरायममरेज थाने के एसएसआइ रामेंद्र यादव फोर्स के साथ गांव पहुंचे और फिर छात्र के माता-पिता संग प्रतापपुर जाकर घटना की जांच की।

एक ही एरिया में घूमाते रहे गाड़ी, पुलिस को घटना पर शक : पूछताछ में छात्र ने बताया कि पिकअप सवार ने जब उसके मुंह पर रुमाल लगाई, तभी बेहोश हो गया था। इसके बाद उसे लेकर कहां गए, कुछ नहीं पता। एसएसआइ का कहना है कि छात्र के घर से लेकर जहां पर वह मिला है, उसके बीच की दूरी करीब 14 किलोमीटर दूर है। अपहरणकर्ता छात्र को करीब आठ घंटे तक लेकर एक ही इलाके में घूमते रहे, इस आधार पर मामला संदिग्ध भी लग रहा है। फिलहाल सीसीटीवी फुटेज के आधार पर सुराग जुटाए जा रहे हैं।

नीलामी सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत डीहा में प्राथमिक पाठशाला द्वितीय, प्रांगण के अंदर एक पुरानी जर्जर भवन स्थित है जिसकी नीलामी हेतु विज्ञप्ति दी जाती है जिसमें इच्छुक व्यक्ति दिनांक 10.10.2022 समय दोपहर 1:00 बजे नीलामी प्रक्रिया में सम्मिलित हो सकते हैं ।

प्रेमचंद
(ग्राम प्रधान)
ग्राम पंचायत डीहा
वि0खं0 करछना
प्रयागराज

अराजक तत्वों ने किसान की नर्सरी में उर्वरक की ज्यादा मात्रा डालकर नष्ट कर दिया

करछना। थाना क्षेत्र के अंतर्गत कचरी गांव में अराजक तत्वों ने 3 बीघा खेत में लगाने के लिए टमाटर की डाली गई नर्सरी में भारी मात्रा में यूरिया खाद डालकर जलाया दीया। जानकारी के मुताबिक उक्त गांव निवासी अशोक कुमार पटेल जो ट्रक मालिक के साथ पेसे से ट्रक चालक भी है । लेकिन बीते कई महीनों से ट्रक को छोड़कर अब घर पर रहकर खेती किसानी करना शुरू कर दिया हैं। माह भर पहले 3 बीघा खेत में टमाटर लगाने के लिए उनके द्वारा लगभग 15 हजार रुपए लागत लगाकर घर के बगल में टमाटर की नर्सरी डाल रखी थी। जो पूर्ण रूप से तैयार हो गई थी। रविवार की रात उनका परिवार घर के अंदर सो रहा था, उसी दरमियान अराजक तत्वों ने घर के पीछे से पहुंच कर डाली गई टमाटर की नर्सरी में भारी मात्रा में यूरिया खाद डालकर मौके से भाग निकले । सुबह होने पर अशोक कुमार टमाटर की नर्सरी की तरफ गए थे, जहां देखा कि उसमें भारी मात्रा में यूरिया खाद डाली गई है । जिसके अभाव से टमाटर की नर्सरी झुलस कर जमीन से चिपक गई थी। जिसकी जानकारी होने पर आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया। मामले को लेकर भुक्तभोगी द्वारा डायल 112 व स्थानीय पुलिस को सूचना दी गई। इस तरह की पहली बार हुई घटना को लेकर लोगों में चर्चा का विषय बना है।

भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ महानगर प्रयागराज की बैठक 18 सितम्बर को

नई कार्यकारिणी के पुनर्गठन पर किया जाएगा विचार विमर्श

प्रयागराज। भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ की महानगर प्रयागराज इकाई की मासिक बैठक इस माह के तीसरे रविवार 18 सितम्बर 2022 को न्यू टाउन हॉल पब्लिक स्कूल एण्ड कालेज जी टी रोड अंदावां झूंसी (निकट टोयोटा शो रुम) प्रयागराज के प्रांगण में दोपहर 12:00 से आहूत की गई है जिसमें संगठन के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी भी उपस्थित रहेंगे उपरोक्त जानकारी महानगर इकाई के अध्यक्ष शिवपूजन सिंह ने देते हुए बताया कि यह अति महत्वपूर्ण बैठक जिला अध्यक्ष रमाकांत त्रिपाठी और जिला कोषाध्यक्ष पंकज गुप्ता जिला महासचिव सुधीर सिन्हा एवं जिला संगठन सचिव अशोक निषाद जी के संयुक्त निर्देशन और महानगर उपाध्यक्ष विकास केलकर तथा वरिष्ठ सदस्य रुझान रस्तोगी जी के प्रबन्धन में आयोजित की जाएगी श्री सिंह ने बताया कि इस बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे निष्क्रिय पदाधिकारियों को पद मुक्त करने एवं सक्रिय लोगों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देने का भी निर्णय इस बैठक में लिया जाएगा महानगर इकाई में कई प्रकोष्ठों के गठन की प्रक्रिया भी विचाराधीन है जिस पर इस बैठक में चर्चा की जाएगी श्री सिंह ने बताया कि महानगर इकाई की नियमित बैठक प्रत्येक माह के तीसरे रविवार को होती है लगातार तीन बैठकों में अनुपस्थित रहने पर सदस्यों को सदस्यता से वंचित भी होना पड़ सकता है इसलिए उन्होंने आग्रह किया है कि सभी सदस्य नियमित रूप से बैठकों में भाग लें और अपने विचार संगठन के विस्तार के लिए रखें बैठक में पिछली कार्य वाही की पुष्टि के बाद नये प्रस्ताव शामिल किये जाएंगे। इस अति महत्वपूर्ण बैठक में आगामी नये सत्र के लिए नई कार्यकारिणी के गठन पर भी विचार विमर्श किया जाएगा।

फर्जी एंटी रोमियो ग्रुप प्रेमियों से कर रहा वसूली

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़। फर्जी एंटी रोमियो ग्रुप बनाकर प्रेमी युगलों से की जा रही पैसों की वसूली इससमय क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है। बताया जाता है कि बारा थाना क्षेत्र के लोहगरा मंदिर से मिश्रापुरवा नहर पुलिया तक वन विभाग के क्षेत्र से गुजरने वाले वाले युगलों से वसूली की जाती है।लोहगरा के रहने वाले बुजुर्ग केवला प्रसाद ने बताया कि इस जगह एक गैंग काम करता है जो अपने को पुलिस बता कर प्रेमी युगलों को निशाना बनाता है।इस गैंग में दो महिलाए भी साथ में काम कर रही है।

वही मिश्रापुरवा के राधेश्याम के द्वारा बताया गया कि बारा इलाके में गर्ग मंदिर से कपारी नहर तक वन विभाग की झाड़ियां है। यहां पर जाने वाले प्रेमी युगल को इस गैंग का शिकार होना पड़ता है।कोई भी प्रेमी युगल इनके चंगुल में फस गया तो उसके पर्स में जितना रुपया होता है वह गैंगवालें जबरन ले लेते है और उसके बाद समय समय पर प्रेमी युगलों को फोन करके उनसे और पैसों की मांग भी करते हैं। पैसे ना देने को उनके वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देते है। अब तक इस गैंग ने सैकड़ों प्रेमी युगल को अपना शिकार बना चुके है। प्रेमी युगल अपनी इज्जत बचाने के लिए इस गैंग का शिकार होते रहते है।

जब कि लोहगरा के ही रहने वाले एक युवक ने नाम न उजागर करने की शर्त पर बताया की कभी-कभी इस गैंग में के लोग प्रेमी युगलों को ब्लैकमेल करते हुए उनके साथ शोषण भी करते हैं और उसका वीडियो भी बनाते हैं। जिसके जरिए वह उसे प्रेमी युवक व युवती को ब्लैकमेल भी करते रहते हैं। लेकिन स्थानीय पुलिस आज तक इस गैंग पर कोई कार्यवाही नहीं कर सकी है। बताया जाता है कि यह गैग नहर के पास एक झोपड़ी में बैठकर अपना शिकार बनाते रहते है।इस गैंग में कुछ महिलाए भी शामिल हैं यदि कोई पुलिस से शिकायत करने की बात करता है तो यह लोग इन्ही महिलाओं से फोन पर धमकी दिलाते है। जब कि प्रभारी निरीक्षक बारा कमलेश कुमार ने बताया कि इस प्रकरण की उन्हें कुछ लोगों से जानकारी मिली है। लेकिन अभी तक कोई लिखित शिकायत नहीं मिली है। लेकिन प्रकरण गंभीर है सिपाहियों को जांच के लिए लगाया गया है।

नीलामी सूचना

सर्व साधारण को सूचित एवं अवगत कराना है कि शासन के आदेशानुसार ग्राम सभा डीहा में अवस्थित प्रा0 वि0डीहा प्रथम में एक कक्षा- कक्षा तथा उच्च प्रा0 वि0 डीहा में परिसर के बाहर दो कक्षा- कक्षों की नीलामी दिनांक 16.09.2022 को विद्यालयों के प्रांगण में होनी है । इच्छुक व्यक्ति उक्त नीलामी प्रक्रिया में प्राथमिक विद्यालय डीहा प्रथम के लिए समय 11:00 बजे तथा उच्च प्राथमिक विद्यालय डीहा के लिए समय 01.00 बजे उपस्थित होकर उक्त प्रक्रिया में नियमानुसार प्रति भाग कर सकते हैं।

मंजू रानी गुप्ता (इ. प्र. अ.)
उच्च प्रा0 वि0 डीहा
करछना , प्रयागराज

विनय कुमार सिंह (प्र. अ.)
प्रा0 वि0 डीहा प्रथम
करछना , प्रयागराज

खेल के दौरान हुई मारपीट,कई छात्र घायल

शंकरगढ़। कृषक इंटर कॉलेज कसौटा में प्रतियोगिता के दौरान हुए विवाद में कई छात्र घायल हो गए। मारपीट की सूचना पर पहुंचे अध्यापकों ने दोनों गुटों को अलग कराया। इस मामले में लालचंद इंटर कॉलेज जसरा के प्रिंसिपल की तरफ से शंकरगढ़ थाने में सूचना दी गई है। सोमवार को बारा तहसील क्षेत्र के माध्यमिक विद्यालयों की कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन कृषक इंटर कॉलेज कसौटा में किया गया था। प्रतियोगिता में बारा तहसील क्षेत्र के करीब आधा दर्जन से ज्यादा विद्यालयों ने प्रतिभाग किया था। सोमवार की दोपहर में प्रतियोगिता के दौरान दो कॉलेज के बच्चों में किसी बात को लेकर विवाद हो गया और मामला मारपीट तक जा पहुंचा। बताया जाता है कि कालेज से बाहर निकलने पर दोनों गुटों के बीच जमकर मारपीट हुई। जिसमें कई छात्र घायल हो गए। राहगीरों और स्थानीय लोगों ने हस्तक्षेप कर विवाद शांत कराया। इस मामले में लालचंद इंटर कॉलेज जसरा के प्रधानाचार्य डॉक्टर प्रेम प्रकाश सिंह ने बताया कि इनके विद्यालय के शिवा केसरवानी और पंकज कोटार्य को चोटे आई हैं। उन्होंने उच्चाधिकारियों समेत पुलिस को सूचना दे दी है।

सांस्कृतिक विरासत को बयां करता है पेंट माय सिटी

अखंड भारत संदेश

जनता भी हुई योगी सरकार की मुरीद, कहा- बह रहीं विकास की लहर

प्रयागराज। देश के प्राचीन ज़िले में से एक प्रयाग को वापस पुरानी पहचान दिलाने के लिए उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने बड़ा कदम उठाया और इलाहाबाद का नाम पुनः प्रयागराज किए जाने की घोषणा अपने पहले कार्यकाल मे कर दिया। 16 अक्टूबर 2018 के दिन योगी सरकार ने ज़िले का नाम बदलने का फैसला किया। जिसके बाद से ही प्रयागराज की तस्वीर बदलने का सिलसिला शुरू हो गया। पूरे जिले की सड़कों का चौड़ीकरण और चौराहों का सौंदर्यीकरण होना शुरू हुआ। पेंट माय सिटी अभियान के तहत संगम नगरी के हर कोने को सजाया और संवारा गया । प्रयागराज की दीवारों को सांस्कृतिक विरासत का जीता जागता स्वरूप बना दिया गया।योगी सरकार ने विकास को गति देते हुए तेजी से प्रयागराज ओवर ब्रिज और सड़कों का जाल बिछाया साथ ही चौराहों से लेकर गांवों और गलियों तक को चमका दिया है। जिले में बिजली, पानी, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और सिंचाई जैसी बुनियादी सुविधाएं और बढ़ीं हैं तो हवाई सेवाएं शुरू होने से यह शहर देश के बाकी हिस्सों से और मजबूती से जुड़ गया है। शहर का सिविल लाइन क्षेत्र हो या फिर यमुनापार का नैनी क्षेत्र या गंगा पार का झूसी इलाका हो सभी इलाकों मे काफी विकास कार्य हुए है और कई विकास कार्य अभी हो भी रहे है । प्रयागराज की मेयर अभिलाषा गुप्ता नंदी का कहना है कि योगी सरकार के आने के बाद हर तरफ विकास ही हुआ है । हर दिन साफ सफाई की व्यवस्था के लिए सफाई कर्मचारियों को लगाया गया है ।जगह जगह कूड़ा ना जमा हो इसके लिए बडी संख्या मे सफाई कर्मी रखे गए हैं। सीसीटीवी कैमरे से शहर की मॉनिटरिंग भी की जाती है। हालांकि प्रयागराज का नाम स्मार्ट सिटी में शुमार है इसकी वजह से जल्द ही और बदलाव शहर में होंगे । तेजी से हुए विकास कार्य की वजह से आज प्रयागराज की जनता योगी सरकार की कायल हो रही है। प्रयागराज के गुरु नानक नगर के रहने वाले गौरव खुराना ने बताया की पिछली सरकारों में इतना विकास नहीं हुआ जितना विकास योगी सरकार में हुआ है। कुंभ का आयोजन हुआ हो या फिर हर साल लगने वाला माघ मेला हो धार्मिक आयोजन को भी सफलतापूर्वक संपन्न कराया है।जिन चौराहों पर हमेशा जाम लगता था उन चौराहों पर अब जाम की समस्या खत्म हो गई है ।चौराहों और सड़कों का चौड़ीकरण किया गया है साथ ही हर वर्ग के लोगों का भी ध्यान रखा गया है।संगम नगरी प्रयागराज ऐतिहासिक धरोहर और क्रांतिकारियों के योगदान के लिए प्रसिद्ध है। उत्तर प्रदेश का सबसे बड़ा पार्क चंद्रशेखर आजाद पार्क या कहें कि अल्फ्रेड पार्क जो आज प्रयागराज में स्वच्छता और नवनीकरण को लेकर एक विशेष पहचान बनाए हुए हैं, ये सिर्फ योगी सरकार की कड़ी मेहनत का नतीजा है। जो यहां की ऐतिहासिक धरोहर को संवारने के साथ ही यहां के पार्कों के रख रखाव पर विशेष ध्यान देने की ओर संकल्पित है। योगी सरकार के आने के बाद प्रयागराज की पहचान खूबसूरत एतेहासिक धरोहर और पार्कों से भी होने लगी है। प्रयागराज का हाथी पार्क हो, खुसरो बाग या फिर सरस्वती घाट हो, यह सभी स्वच्छता की मिसाल पेश कर रहे हैं। स्थानीय लोग सरकार द्वारा किए गए कामों से बेहद खुश नजर आ रहे हैं और उनका कहना है कि, योगी 2.0 में भी विकास की के कार्य में गति में इजाफा ही देखने को मिल रहा है। प्रयागराज के मुट्ठीगंज निवासी अखिलेश केसरवानी का कहना है कि हर ओर विकास की लहर है शहर के साथ-साथ गांव में भी काफी विकास हुआ है।

कार्यालय ग्राम पंचायत कचरी, वि. ख. करछना प्रयागराज

टेण्डर/कोटेशन

वित्तीय वर्ष 2022–23 मे ग्राम पंचायत कचरी विकास खण्ड करछना में कराये जाने वाले विकास कार्यो में मनरेगा, राज्य वित्त/15वां वित्त योजनाअन्तर्गत अद्योलिखित कार्यो के आगणन /प्राकलन के अनुसार यथा आवश्यक मात्रा में सामग्री कार्य स्थल पर आपूर्ति भाड़ा सहित पहुंचाकर आपूर्ति एवं कार्य की मयमजदूरी सहित आपूर्तिकर्ता से सील बन्द लिफाफे में टेन्डर/कोटेशन अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय में दिनांक 13–09–2022 से दिनांक 24–09–2022 को अपराह्न 3 बजे तक आमंत्रित किया जाता है। उक्त तिथि के बाद प्राप्त किसी भी टेन्डर/कोटेशन पर विचार नहीं किया जायेगा आपूर्तिकर्ता अपना कोटेशन/टेन्डर उक्त तिथि तक जमा कर सकते हैं नियम व शर्तें किसी भी समय कार्यालय कार्यदिवस में देखी जा सकती है तथा टेन्डर फार्म की बिक्री उक्त अवधि में कार्यालय समय 10 से 12 बजे तक प्रत्येक कार्यदिवस पर की जायेगी। किसी एक व समस्त टेन्डर/कोटेशन को निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत कचरी में निहित होगा। टेन्डर/कोटेशन दिनांक 25–09–2022 को अपराह्न 4 बजे पूर्व निर्धारित कमेटी के समक्ष खोला 25–09–2022 कार्यालय अवधि में समय 3.30 अपराह्न तक जमा किया जा सकता है। निम्नलिखित कार्य पर पर जिस–जिस सामग्री की आवश्यकता है उसका विवरण कार्यलय/नोटिस बोर्ड पर चस्पा है उत्तर प्रदेश माल एवं सेवाकर अधिनियम के अन्तर्गत अनुमन्य जी.एस.टी. का भुगतान किया जायेगा। जिसके जमा करने का दायित्व आपूर्तिकर्ता का होगा साथ ही जी.एस.टी जमा चालान की आपूर्तिकर्ता द्वारा स्वप्रमाणित प्रति भुगतान के एक माह के अन्दर अपरिहार्य रूप से जमा करना होगा उसके उपरान्त ही अगला भुगतान किया जायेगा उस भुगतान पर ही उक्त नियम व शर्तें लागू रहेगी। इसके विपरीत स्थिति पाने पर भविष्य के उक्त फर्म को काली सूची में डालने हेतु यथोचित विधिक कार्यवाही कर दी जायेगी।

क्र0	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में) सामग्री अंश	कार्य अवधि
1.	ग्राम पंचायत कचरी में काली सड़क से शिव नारायण के घर तक इण्टरलाकिंग निर्माण कार्य	1.72 लाख	3 माह

धर्मराज सिंह पटेल
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत कचरी
वि0 ख0 करछना प्रयागराज

पत्रांक: मेमो/ग्राम पं. वि. अ./टेण्डर/ कोटेशन/ 2022-23/ दिनांक

आदित्य कुमार पौडवाल
(सचिव)
ग्राम पंचायत कचरी
वि0 ख0 करछना प्रयागराज

ट्रेन से गिर जाने से 12 वर्षीय छात्र की दुखद मौत

बादशाहपुर का छात्र दोस्तों के साथ घूमने आ रहा था प्रतापगढ़

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। वाराणसी से हरिद्वार चलने वाली जनता एक्सप्रेस टेज्न से प्रतापगढ़ और पिरथीगंज स्टेषन के बीच बकुलाही नदी के किनारे गिर जाने से 12 वर्षीय आदित्य सिंह की दुखद मौत हो गई। वह कक्षा-6 का बादषाहपुर के एक कालेज का छात्र था।

बताया जाता है कि स्कूल का डेज्स पहनकर व स्कूल का परिचय पत्र लेकर आज सुबह वह स्कूल जाने के लिये निकला था लेकिन वह स्कूल न जाकर अपने दोस्तों के साथ वाराणसी से लखनऊ की ओर जा रही जनता एक्सप्रेस ट्रेन पर बैठ गया। प्रतापगढ़ पहुंचने के पहले पिरथीगंज के पास आदित्य पुत्र राघवेन्द्र प्रताप सिंह निवासी जंघई रोड, बादषाहपुर, जौनपुर ट्रेन से गिर गया। उसका शव बकुलाही नदी के पुल के नीचे पाया गया। रेलवे पुलिस ने पहुंचकर मृतक के शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया। स्कूल के परिचय पत्र से रेलवे पुलिस ने घरवालों को

आदित्य सिंह (फाइल फोटो)

सूचना भेजी तो घरवाले रोते-बिलखते प्रतापगढ़ पहुंचे।

बताया जाता है कि स्कूल के पांच-छह छात्रों का एक ग्रुप था जो प्रायः प्रतापगढ़ घूमने आता था लेकिन आज आदित्य को प्रतापगढ़ पहुंचने से पहले मौत खींच ले गई। मौत की सूचना से घरवालों में कोहराम मचा हुआ है।

करंट से युवा व्यापारी की मौत, कोहराम

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। विद्युत करंट की चपेट मे आने से नगर के युवा व्यापारी की दर्दनाक मौत हो गयी। घटना की जानकारी मिलते ही लालगंज ट्रामा सेंटर में व्यापारियों समेत स्थानीय लोगों की भारी भीड जुट गयी। पुलिस ने मृतक के शव का पंचनामा कर पीएम के लिए भेजवाया। जेठवारा थाना के पूरे ठकुराईन बिकरा निवासी स्व. रामआनंद गुप्ता का छोटा पुत्र जगदेव गुप्ता 26 लालगंज मे रहकर संगम तिराहे पर फुल्की चाट बेंचा करता था। रविवार को रात वह दुकान बंद कर अपने कमरे पर पहुंचा। कमरे मे पंखे से अचानक वह करंट की चपेट मे आ गया। जगदेव की चीख सुनकर वहां मौजूद उसका भाई राजू पहुंचा। आननफानन में जगदेव को लालगंज ट्रामा सेंटर ले आया गया। यहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जगदेव की मौत होते ही परिजनों मे कोहराम मच गया।

तमंचे की बट से हमला कर व्यापारी को किया घायल

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। बाइक सवार दो बदमाशों ने फेरी लगाने वाले आभूषण व्यवसाई से नकदी समेत आभूषण व मोबाइल की छिनैती की घटना को अंजाम दिया है। बदमाशों ने तमंचे के बट से पीडित पर हमला कर उसे चुटहिल भी कर दिया। कोतवाली पुलिस ने घटना को लेकर अज्ञात बदमाशों के खिलाफ सोमवार को छिनैती का केस दर्ज किया है। मोठिन निवासी विनोद कुमार कौशल पुत्र भोला प्रसाद सोने चांदी के जेवरात की गांवों मे फेरी लगाकर बिक्री किया करता है। रविवार को वह लखनऊ में बीमार किसी रिश्तेदार को देखने गया था। देर रात वह अपने एक मित्र के साथ लालगंज पहुंचा। यहां से बाइक से वह घर जा रहा था। लालगंज-जलेसरगंज हाइवे पर महिमापुर सराय रायजू के समीप बाइक सवार दो बदमाशों ने उसे तमंचा दिखाकर रोक लिया। बदमाशो ने तमंचे की बट से विनोद के सिर पर वार कर दिया। इससे वह चुटहिल हो गया। बदमाशों ने उसका मोबाइल फोन छीनने के साथ उसके पास मौजूद बीस हजार नकदी तथा एक सोने की अंगूठी व सोने की चेन तथा एक चांदी की अंगूठी भी छीन लिया। छिनैती के बाद बदमाश तमंचा लहराते पीडित को जानलेवा धमकी देते भाग निकले। पीडित घटना के बाद कोतवाली पहुंचा और पुलिस को जानकारी दी। पुलिस ने पीडित का लालगंज ट्रामा सेंटर में इलाज करवाया। सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक कमलेश पाल फोर्स के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस की भागदौड के बावजूद कोई बदमाश हाथ नही लग सका। हालांकि पुलिस एक संदिग्ध को कोतवाली लाकर घटना के बाबत पूछताछ मे जुटी हुई बतायी जाती है।

मनमाना बिल भेजने से भड़के रेल कर्मचारियों ने किया हंगामा

स्टेशन पर फोरमैन का किया घेराव, मुदार्बाद का लगा नारा

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। चतुर्थ रेल कर्मचारियों का मनमाना बिजली बिल भेजने से खफा नॉर्दर्न रेलवे मेंस यूनियन ने इलेक्ट्रिक फोरमैन के खिलाफ सोमवार को मोर्चा खोल दिया। यूनियन की अगुवाई में कर्मचारियों ने फोरमैन का प्लेटफार्म पर घेराव कर मुदार्बाद किया। नेताओं से झड़प भी हुई। मारपीट की नौबत आती इससे पहले जीआरपी और आरपीएफ ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला। सुरक्षा की दृष्टि से फोरमैन को थाने पर लाकर बैठाया गया। उसके बाद लिखा पढ़ी हुई।

दोपहर करीब दो बजे मेंस यूनियन के शाखा मंत्री अनिल शुक्ला कर्मचारियों के बढ़े बिजली के बिल की शिकायत लेकर प्लेटफार्म एक पर ट्रेन एंड लाइट वाले दफ्तर में बैठे इलेक्ट्रिक फोरमैन (एसएसई पावर) के पास गए थे। बताया जाता है कि अनिल शुक्ला ने पंखा और एलईडी जला रहे चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों का तीन से चार हजार महीने का बिल भेजने पर आपत्ति जताई। यह बात फोरमैन को नागवार लगी। उन्होंने कहा की आप कौन होते हैं यह पूछने वाले। बस इसी बात पर बात बिगड़ गई। दोनो तरफ से आरोप प्रत्यारोप शुरू हो गए। नाराज नेताओं ने फोरमैन का घेराव कर लिया। उनके खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। हंगामा बढ़ता देखकर पुलिस वाले पहुंच गए। मंत्री अनिल का आरोप है कि फोरमैन अवैध रूप से दर्जनों क्वार्टर कब्जे में लेकर उनसे किराया वसूल रहें हैं। इन क्वार्टर के बिजली का बिल कर्मचारियों के बिल में जोड़ दिया जा रहा है। रोस्टर में भी मनमानी कर रहे है। अपने लोगों को फर्जी टीए दिलवा रहें हैं। जनरेटर के तेल में भी गड़बड़ी कर रहे हैं। यूनियन ने इनकी शिकायत अधिकारियों के साथ जीएम से की है। फोरमैन का कहना है कि आरोप बेबुनियाद है। यूनियन से जुड़े नेताओं ने क्वॉर्टर कब्जा किया है। उन्होंने ऐसे क्वार्टरों की बिजली कटवा दी है। इससे यूनियन के नेता खफा हैं। जीआरपी और आरपीएफ का कहना है कि दोनो पक्षों में विवाद हो गया था। शांत करा दिया गया है।

आगजनी से पीड़ितों को मुआवजा दिलाने के प्रयास में लगा व्यापार मण्डल

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश व्यापार प्रतिनिधिमण्डल की अध्यक्ष जिलाध्यक्ष राजेन्द्र केसरवानी की अध्यक्षता में हुई जिसमें रविवार को गल्ला मण्डी में पांच व्यापारियों की आग से हुई क्षति का आंकलन किया गया और यह निष्चय किया गया कि इनको उचित मुआवजा दिलाने के लिये प्रदेष अध्यक्ष बनवारी लाल कंछल, प्रदेष महामंत्री रमेष चंद्र अग्रहरि से मिलकर तथा सांसद संगम लाल गुप्ता व सदर विधायक राजेन्द्र मौर्य व जिलाधिकारी से मिलकर मुख्यमंत्री आपदा कोष से भरपाई के लिये मांग की गई जिससे पीड़ित व्यापारी फिर से अपना व्यापार व आजीविका चला सकें।

प्रदेश अध्यक्ष, सांसद, विधायक से किया गया सम्पर्क

व्यापारियों की बैठक में बोलते जिलाध्यक्ष राजेन्द्र केसरवानी।

बता दें कि रविवार को मदन केसरवानी किराना व्यापारी, किरनचंद्र गुप्ता किराना व्यापारी, कमल वर्मा किराना व्यापारी, किफायत उल्ला बकरा मण्डी, अब्दुल मलिक किराना व्यापारी व गला मोहम्मद रिजवान अहमद बिसात खाना अहमद नगर गल्ला मण्डी तथा गल्ला मण्डी की अध्यक्षा फूलजहां से सम्पर्क कर नुकसान का जायजा लिया गया। जिलाधिकारी व विधायक, सांसद से मिलने वाले प्रतिनिधिमण्डल में राजेन्द्र कुमार केसरवानी, कृष्णमोहन केसरवानी, सरदार महेन्द्र सिंह, पवन, अख्तर राईन, उबैद उल्ला जाफरी, सरदार कुलविन्दर सिंह, दीपक, मनोज, आलोक, लल्लू अहमद आदि पदाधिकारी शामिल रहे।

इंटरलॉकिंग सड़क का हुआ उद्घाटन

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। विकास क्षेत्र कालाकांकर की ग्राम पंचायत मुरस्सापुर में ग्रामीणों की मांग व परेशानी को देखते हुए मुरस्सापुर ग्राम प्रधान संगीता यादव के पति प्रधान प्रतिनिधि एवं समाज सेवी सुरेश यादव ने इंटर लॉकिंग सड़क का निर्माण कार्य पूरा कराया जिसका ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान पति सुरेश कुमार यादव (प्रतिनिधि) से फीता काटकर उद्घाटन कराया, जिसका ग्रामीणों ने ताली बजाकर स्वागत किया और ग्राम प्रधान की इस कार्य की सराहना करते हुए कहा कि जो सडक कई वर्षों से नही बन पाई उसे ग्राम प्रधान पति सुरेश यादव एक साल के अंदर बनवाकर ग्रामीणों को सड़क की सौगात दे दी। ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान प्रतिनिधि को बुलाकर अपनी तरफ से फीता काटकर उद्घाटन कराया और मुंह मीठा कराया।

गरीब मरीजों का मनोरथम हॉस्पिटल रखेगा विशेष ध्यान : डॉ. पी कुमार

रक्तदान संस्थान मनोरथम हॉस्पिटल की सेवा में सदैव तत्पर

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। राज्य मंत्री स्वास्थ्य एवं संसदीय कार्य मयंकेश्वर शरण सिंह द्वारा कटरा रोड प्रतापगढ़ स्थित मनोरथम हॉस्पिटल का उद्घाटन फीता काटकर किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सदर विधायक राजेंद्र कुमार मौर्य ने किया। हॉस्पिटल के संचालक इंजी. भवेश प्रताप सिंह ने अतिथियों को बुके भेंट कर एवं उनका माल्यार्पण कर सम्मानित किया।

इंजी. भवेश प्रताप सिंह ने कहा कि मनोरथम हॉस्पिटल जनपद का एक ऐसा चिकित्सालय है जहां पर हर वर्ग के लोगों को समुचित चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध होगी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में राज्य मंत्री स्वास्थ्य एवं संसदीय कार्य

राज्य मंत्री का स्वागत करते विधायक राजेन्द्र मौर्य।

मयंकेश्वर शरण सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान पूर्व विधायक हरि प्रताप सिंह, रंजीतपुर चिलबिला के पूर्व सभासद संतोष दुबे, भाजपा नेता ओम प्रकाश पांडेय, भाजपा नेता रवि प्रताप सिंह, कृष्ण कुमार सिंह (प्रभारी मछलीशहर भाजपा), धर्मराज सिंह उर्फ लल्लू बाली, कर्मराज सिंह उर्फ मंजीत, अधिवक्ता अजय सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. जीएम शुक्ला, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ सुरेश सिंह, मेडिकल कॉलेज प्राचार्य डॉ आर्य देश दीपक, राजेश सिंह भूतपूर्व प्रधान, अनुराग सिंह, शुभम सिंह समेत कई लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का कुशल संचालन मनोरथम परिवार की अध्यापिका प्रतीक्षा मिश्रा द्वारा सुचारू रूप से संपन्न कराया गया। मनोरथम स्कूल के कर्मचारियों में प्रमुख रूप से अमिता सिंह, आकृति चैधरी, ऋषिका मिश्रा, जोया बानो, नीलम सिंह, मोनिका सिंह, नेहा श्रीवास्तव, अखिलेश पांडेय, कृति बाला गौड़, जैनब बानो, उर्मिला सिंह, प्राची सिंह शिवानी समेत हजारों लोग मौजूद रहे।

मधु पूर्णिमा पर निकाली गयी धम्मयात्रा, हुआ साप्ताहिक धम्म समागम, उमड़ी उपासिकाओं की भारी भीड़

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। सुगतानन्द बुद्ध विहार चल रहे वषार्वास अधिष्ठान शिविर में साप्ताहिक धम्म समागम में पूज्य भिक्खु करूणा रक्खित बोधगया के नेतृत्व में वषार्वास कर रहे पावन संघ द्वारा त्रिशरण व पंचशील प्रदान किया गया।

इसके पूर्व भदौसी बुद्ध विहार से 6 कि0मी0 की पावन पूज्य भिक्खु संघ के नेतृत्व व मार्गदर्शन में निकाली गई धम्मध्वजा के साथ धम्म यात्रा जिसमें उपासिकाओ सहित भारी संख्या में रहे श्रद्धालु गण ने सहभागिता की। शाम सुगतानन्द बुद्ध विहार में सामूहिक साधना, त्रिरत्नो की वंदना, दान पारमिता व बोधि पूजा में शामिल हुए। यह जानकारी देते हुए राकेश कन्नौजिया ने बताया कि वषार्वास में भिक्खु संघ एक जगह पर

धम्म यात्रा में मौजूद श्रद्धालुगण।

प्रवास के दौरान अध्ययन ,धम्मदेशना ध्यान साधना में रत रहते हैं। स अवसर पर श्रीराम उमर वैश्य, सुशील कुमार, दद्दू, राजेश कुमार, धर्म राज, कंचन मौर्य, लीलावती, अंजनी सरोज, शोभा कन्नौजिया, शकुन्तला इंद्रजीत, सुनीता दिनेश आदि मौजूद रहे।

इण्टर कालेज मोहनगंज ने सदर टीम को दी करारी शिकस्त

स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित हुई जूनियर बालक वर्ग कबड्डी प्रतियोगिता

खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते अतिथिगण।

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिला कबड्डी एसोसिएशन के तत्वावधान में सोमवार को स्पोर्ट्स स्टेडियम में जूनियर बालक वर्ग जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता हुई। जिसमें फाइनल मुकाबला इण्टर कालेज मोहनगंज और सदर टीम के बीच खेला गया। 71 अंक पाकर मोहनगंज टीम विजेता रही जबकि सदर टीम को मात्र 36 अंक ही मिले।

इसके पूर्व जिला क्रीड़ाधिकारी पूनम लता राज ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर प्रतियोगिता का शुभारम्भ किया। प्रतियोगिता में स्टेडियम, शिवसत, मोहनगंज, मानधाता, सांगीपुर, लक्ष्मणपुर, सदर सहित 12 टीमों ने प्रतिभाग किया। कुंवर वीरेन्द्र प्रताप सिंह, कर्मराज सिंह मंजीत, मो.इरफान, कौशलेंद्र सिंह चयनकर्ता रहे। जबकि लाल जी तिवारी, जिला व्यायाम शिक्षक राम कुमार सिंह, लालमणि सिंह निर्णायक रहे। संचालन डॉ. धीरेन्द्र प्रताप सिंह ने किया। पूर्व रणजी खिलाड़ी आदित्य शुक्ल, सुदीप पाण्डेय, रवि प्रकाश सिंह आदि मौजूद रहे।

एंबुलेंस में गूंजी बच्ची की किलकारी

परियावां, प्रतापगढ़। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कालाकांकर के अंतर्गत रामपुर गडौली में सोमवार को सरिता देवी पत्नी चैबे यादव (27) वर्षीय को अचानक प्रसव पीड़ा शुरू होने पर गांव की आशा अशावती ने लगभग सवा आठ बजे सुबह में 102 एम्बुलेंस को फोन किया मौके पर पहुँची तत्काल एम्बुलेंस यूपी 41 जी 2166 रामपुर गडौली पहुंची और सरिता देवी को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कालाकांकर के लिए रवाना हुई रास्ते में सरिता देवी को अचानक असहनीय प्रसव पीड़ा होने लगी तो इमरजेंसी मेडिकल टेक्नीशियन दिनेश कुमार तिवारी व पायलट वीरेंद्र की मदद से एंबुलेंस को एक किनारे खड़ी करके सुरक्षित प्रसव कराया। सकुशल बच्ची के पैदा होने के बाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कालाकांकर में भर्ती कराया गया जहां पर जच्चा बच्चा दोनों स्वस्थ हैं।

सामाजिक एकता के अग्रदूत थे डॉ राम फेर मिश्र

पुण्यतिथि पर शिक्षाविदों का हुआ सम्मान

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। स्वर्गीय डॉ राम फेर मिश्र शिक्षा के उन्नयन के साथ ही सामाजिक एकता के लिए सदैव प्रयत्नशील रहा करते थे। वे सामाजिक संरचना को मजबूत करने की लोगों को प्रेरणा दिया करते थे। उक्त बातें सांसद संगम लाल गुप्ता ने डेरवा क्षेत्र के महिया मऊ में उनके द्वारा स्थापित एमकेएम इंटर कालेज में उनकी पुण्यतिथि पर आयोजित समरसता दिवस समारोह में कही।

सोमवार को पिता की पुण्यतिथि को सामाजिक समरसता दिवस के रूप में समारोह पूर्वक मनाया गया जिसमें जिले के राजनीतिज्ञ समाज सेवी व शिक्षाविदों ने शामिल होकर पंडित राम फेर मिश्र को पुष्पांजली अर्पित कर उन्हें याद किया इस मौके पर आयोजन समिति द्वारा डॉ राम अवधेश मिश्रा दुर्गा प्रसाद ओझा व लालता प्रसाद पांडेय सहित कई शिक्षाविदों को सम्मानित किया गया। इस मौके पर अनिरुद्ध रामानुज दास ओम प्रकाश पांडेय, भाजपा नेता शिव प्रकाश मिश्र सेनानी सदर विधायक राजेन्द्र मौर्य विश्वनाथगंज विधायक जीत लाल पटेल संघ के मोहनलाल सन्तोष दुबे राम सुंदर तिवारी अरुण कुमार मिश्र मुन्ना तिवारी बजरंग सिंह राजेश सिंह गिरीश पांडेय राघवेन्द्र शुक्ल समेत भाजपा के पदाधिकारियों के समाज के तमाम गणमान्य लोग मौजूद रहे। अतिथियों के प्रति आभार प्रदर्शन आयोजक हरिओम मिश्र ने किया। कार्यक्रम का संचालन पूर्व भाजपा जिला महामंत्री अशोक मिश्र ने किया।

समरसता दिवस समारोह में मौजूद अतिथिगण।

कोटेदार के खिलाफ ग्रामीणों ने कलेक्ट्रेट में किया प्रदर्शन, मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। कोटेदार द्वारा घटतौली तथा अधिक धन वसूली से परेशान होकर किसान कल्याण एसोसिएशन के पदाधिकारियों तथा ग्रामीणों ने प्रतापगढ़ जिला कलेक्ट्रेट में प्रशासनिक अधिकारी को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। पदाधिकारियों ने चेतावनी दिया कि अगर एक पखवारे के अंदर कार्यवाही नहीं की गई तो ग्रामीण तथा संगठन के पदाधिकारी आंदोलन करने पर बाध्य होंगे।

पट्टी तहसील क्षेत्र के बाबा बेलखरनाथ धाम स्थित अमहरा गांव में कोटेदार द्वारा ग्रामीणों से अधिक धन वसूली तथा राशन, तेल आदि के संबंध में अंगूठा लगाने के बाद भी राशन नही देने के मामले में कई बार प्रशासनिक अधिकारियों सहित एसडीएम को शिकायती पत्र दिया गया। मामले में कोई कार्यवाही ना होने से किसान कल्याण एसोसिएशन के अध्यक्ष लक्ष्मी नारायण पांडे की अगुवाई में प्रतापगढ़ जिला कलेक्ट्रेट में पदाधिकारियों के साथ प्रदर्शन करके प्रशासनिक अधिकारी को एक ज्ञापन मुख्यमंत्री के नाम दिया गया, जिसमें ग्रामसभा अमहरा के कोटेदार द्वारा कालाबाजारी करने की शिकायत करने पर भी कोई कार्यवाही ना होने पर नाराजगी प्रकट करते हुए तत्काल कोटे को निरस्त करने की मांग की गई और कहा गया कि अगर एक पखवारे के अंदर कार्यवाही नहीं की गई तो संगठन के पदाधिकारी आंदोलन करने पर बाध्य होंगे।

संगठन के जिलाध्यक्ष लक्ष्मीनारायण पांडे ने कहा कि कोटेदार के विरुद्ध जांच करवाकर लाभार्थियों को न्याय दिलाने तथा कोटा निरस्त कर के नए कोटे का चुनाव कराया जाना अति आवश्यक है। कोटेदार के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई भी किया जाना जरूरी है। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष नंदलाल तिवारी, जिला सचिव मालती देवी, अरुण कुमार, राकेश कुमार शुक्ला, विपिन पांडे, जमुना शंकर, राजेंद्र प्रसाद, भगवती प्रसाद सहित दो दर्जन से अधिक लोग मौजूद रहे।

हड्डी के सर्जन सचिन ने किया घुटने का पहला प्रत्यारोपण

मेडिकल कॉलेज में घुटने का पहला सफल आपरेशन

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। घुटनों की असहनीय पीड़ा और बीमारी से जूझ रहे मरीजों के लिए अच्छी खबर है। अब उन्हें घुटना प्रत्यारोपण कराने के लिए बड़े शहरों में भटकने की जरूरत नहीं है। क्योंकि अब यह सुविधा उन्हें उनके खुद के जिले के डाक्टर सोनेलाल पटेल मेडिकल कॉलेज में मिलेगी।

यहां के हड्डी के डाक्टर सचिन कुमार ने घुटने का पहला प्रत्यारोपण आपरेशन किया है। जो सफल रहा। जिसमें उन्होंने अधेड़ महिला का बाएं पैर का घुटने बदला है। इस तरह की यह पहली सर्जरी थी। जो सफल बताई जा रही है। आपरेशन के बाद लोग डाक्टर सचिन को बधाई दें रहें हैं। आवास विकास की गायत्री देवी (52) घुटने की बीमारी से परेशान थी। उन्होंने मेडिकल कालेज के हड्डी के डाक्टर सचिन कुमार को दिखाया। बताया जाता है कि सचिन ने घुटना प्रत्यारोपण की बात कही। उन्होंने गायत्री के घुटने का आपरेशन किया। इस बारे में ऑर्थो डॉक्टर सचिन ने बताया कि यह अपने आप में बहुत बड़ी सर्जरी होती हैं। अक्सर वृद्धावस्था में घुटनों में ओस्टियोआर्थराइटिस नाम की बीमारी हो जाती है जिससे घुटने काम करना बंद कर देते हैं जिस को ठीक करने के लिए घुटना प्रत्यारोपण की आवश्यकता होती है।

खबर संक्षेप

अवैध शराब कारोबारियों के यहां चौकी इंचार्ज ने मारा छापा

अझुवा कौशाम्बी। सैनी कोतवाली क्षेत्र के कुछ घाघ टाइप के अवैध शराब कारोबारी हैं अब यह लोग घरों और आस पास अवैध शराब का निर्माण नही करते लेकिन जंगल में गांव से दूर अवैध शराब निर्माण में लगे हैं। जंगल में अवैध शराब बनने की सटीक सूचना से चौकी इंचार्ज अझुवा गौरव त्रिवेदी मय हमराही धुमाई ग्राम सभा के मजरे खरका पर पहुंच गए जहां अवैध शराब की भट्ठी धधक रही थी जमीन में लहन गड़ा था लगभग 300 किलोग्राम अर्धनिर्मित शराब लहन को चौकी के सिपाहियों ने मौके पर ही नष्ट करवा दिया।

सांसद के पिता के निधन पर शोक

कौशांबी। भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री एवम कौशाम्बी के सांसद विनोद सोनकर के पिता अमर नाथ सोनकर का रविवार की देर रात निधन हो गया है निधन की जानकारी मिलते ही उनके आवास पर शोक व्यक्त करने वालों की भीड़ लग गई है नम आंखों से सांसद के पिता को लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित की है सोमवार को रसूलाबाद घाट प्रयागराज में विधि विधान से उनका अंतिम संस्कार किया गया है जिसमें नम आंखों से हजारों लोग शामिल रहे।

साइकिल चोर ने युवक पर किया चाकू से हमला

सराय अकिल कस्बे में दिनदहाड़े प्राणघातक हमले से मची अफरा-तफरी

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। सराय अकिल थाना क्षेत्र के कस्बा करन चौराहा पर दिन दहाड़े एक युवक पर चाकू से हमला कर दिया गया है जिससे युवक गंभीर रूप से लहूलुहान हो गया है दिनदहाड़े कस्बे के बीच प्राणघातक हमले को देखकर कस्बे में अफरा-तफरी मच गई है आनन फानन में घायल युवक को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है मामले की सूचना सराय अकिल पुलिस को दी गई है हमला करने के बाद ट्रैक्टर में सवार होकर हमलावर फरार हो गए हैं सूचना पाते ही घटनास्थल पर पुलिस पहुंची है और हमलावर की तलाश कर रही है।

जानकारी के मुताबिक सराय अकिल थाना क्षेत्र के रकसराई गांव निवासी मोनू त्रिपाठी पुत्र भगवान दीन त्रिपाठी अपने एक अन्य साथी के साथ सोमवार की दोपहर बाइक पर सवार होकर सराय अकिल बाजार जाने के लिए निकले थे जैसे ही बाइक सवार सराय अकील कस्बा के करन चौराहे के पास पहुंचे सड़क पर एक साइकिल देख कर वह रुक गए वह साइकिल कुछ दिनों पूर्व चोरी हुई थी जिस पर उन्होंने साइकिल चोर से पूछ कि यह साइकिल तुम कहां से लाए हो इसी बात पर साइकिल चोर भड़क गया और साइकिल चोर ने अपने साथियों के साथ मिलकर मोनू त्रिपाठी पर चाकूओं से वार कर दिया चाकू के हमले से मोनू त्रिपाठी के सिर और पेट पर गंभीर चोट लगी है हमले के बाद लहूलुहान हो चुके मोनू तड़पकर

हमले में घायल युवक

जमीन पर गिर पड़े दिनदहाड़े कस्बे के अंदर प्राण घातक हमले की जानकारी जैसे ही नगर वासियों को मिली घटनास्थल पर लोगों की भीड़ लग गयी कस्बे में अफरा-तफरी मच गई मामले की सूचना पुलिस को दी गई सूचना पाते ही घटनास्थल पर पुलिस पहुंची घायल को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उसकी हालत गंभीर बताई जाती है हमला के बाद हमलावर फरार हो गया जिसकी तलाश पुलिस कर रही है।

छात्र के ऊपर तमंचा व चाकू से किया गया जानलेवा हमला

गंभीर घायल छात्र का जिला अस्पताल में चल रहा इलाज

कौशाम्बी। सीट पर बैठने को लेकर हुए विवाद में एक छात्र के ऊपर दूसरे छात्र व उसके साथियों ने तमंचा व चाकू से जानलेवा हमला किया। तमंचा व चाकू के हमले में घायल युवक का जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है। गंभीर घायल छात्र के पिता चरवा थाना पहुंचकर हमले में शामिल विभिन्न लोगों के खिलाफ नामजद लिखित तहरीर दिया और मुकदमा पंजीकृत कर कठोर कानूनी कार्यवाही की मांग की है। सोमवार के दिन भीटी देहमाफी गांव निवासी कमल कुमार मौर्य पुत्र मुन्नालाल मौर्य चरवा थाना क्षेत्र के महगाँव इंटर कालेज में पढ़ने गया था उसी कालेज में नासिर पुत्र अज्ञात निवासी उजिह्नी खालसा से सीट पर बैठने को लेकर विवाद हो गया। कालेज में विवाद अत्यधिक बढ़ जाने के कारण चारो तरफ अफरा-तफरी का माहौल बन गया। शोर गुल सुनकर अध्यापकगण मौके पर पहुंचकर दोनों छात्रों को शांत कराया लेकिन लंच के समय नासिर अपने गांव के युवकों को फोन के जरिए बुलाकर गेट पर खड़े कमल कुमार का कालर पकड़कर कालेज से बाहर घसीट ले गए और बाइक पर बैठाकर तेरहमील की तरफ सुनसान इलाके में ले जाकर तमंचा व चाकू से जानलेवा हमला कर दिए। हमले में गंभीर घायल युवक के द्वारा शोर मचाने पर स्थानीय लोग टूट पड़े जिससे हमलावर छात्र कमल कुमार को छोड़ कर भाग गए। स्थानीय लोगों की मदद से चरवा पुलिस और पीड़ित छात्र के परिजनों को जानकारी हुई तो मौके पर पहुंचकर घायल छात्र को जिला अस्पताल ले गए जहां पर घायल छात्र का इलाज चल रहा है।

न्यूज झरोखा

पैदल गस्त कर मंझनपुर पुलिस ने सराफा की दुकानों मेला आदि में की चेकिंग

कौशाम्बी। कानून व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त रखने और आला अधिकारियों के निर्देश के बाद मंझनपुर कोतवाली पुलिस प्रभारी निरीक्षक अतिरिक्त निरीक्षक उपनिरीक्षक ने मंझनपुर कस्बे में रविवार को पैदल गस्त कर कानून व्यवस्था का जायजा लिया मंझनपुर कोतवाली पुलिस लगातार प्रतिदिन कस्बा और ग्रामीण क्षेत्रों में पैदल गस्त कर कानून व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त कर रही है शाम होते ही मंझनपुर कोतवाली पुलिस पैदल करने के लिए सड़कों पर निकल जाती है। रविवार की देर रात्रि कस्बा मंझनपुर में प्रभारी निरीक्षक मंझनपुर विनोद कुमार सिंह अतिरिक्त निरीक्षक उप निरीक्षक और पुलिस बल के साथ मंझनपुर कस्बे के अंदर सरार्फा गली पहुंच गए सरार्फा की दुकानों तथा मेला आदि में पुलिस बल द्वारा चेकिंग की गई पुलिस बल ने कस्बा मंझनपुर में फुट पेट्रोलिंग करके संदिग्ध व्यक्ति संदिग्ध वस्तु एवं सरार्फा की दुकानों तथा मेला आदि स्थानों में चेकिंग कराई तथा जनता के व्यक्तियों से वार्ता कर उन्हें सुरक्षा का एहसास कराया।

मण्डलीय राइफल पिस्टल शूटिंग प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

कौशाम्बी। माध्यमिक विद्यालयों की मण्डल स्तरीय राइफल पिस्टल शूटिंग प्रतियोगिता का आयोजन धर्मा देवी इण्टर कॉलेज केन कनवार कौशाम्बी में आयोजित किया गया सर्वप्रथम ज्ञान की देवी माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूवात की गयी उपजिलाधिकारी सिराथू राहुल देव भट्ट,अपर पुलिस अधीक्षक समर बहादुर, जिला विद्यालय निरीक्षक संतोष कुमार मिश्र,क्षेत्राधिकारी सिराथू डॉ.कृष्ण गोपाल सिंह,थाना प्रभारी कोतवाली सैनी भुवनेश कुमार चौबे के कर कमलों द्वारा शूटिंग रेंज का फीता काटकर प्रतियोगिता का शुभारम्भ किया गया मण्डलीय राइफल पिस्टल शूटिंग प्रतियोगिता के समापन के बाद माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा जारी किया गया प्रशस्ति पत्र को छात्र छात्राओं को अपर पुलिस अधीक्षक ने देकर सम्मानित किया है इस कार्यक्रम के अवसर पर विद्यालय के संस्थापक रामावतार त्रिपाठी,विद्यालय के प्रबंधक रामसुभग त्रिपाठी फूल सिंह चंदेल रामसुंदर सिंह श्याम लाल दिवाकर त्रिपाठी लाल बहादुर मिश्र,शिव प्रकाश राजपूत गुलाब यादव, ललित कुमार,धन्वन्तरि कुमार,सज्जन सिंह,शिवदत्त पाण्डेय आदि लोग उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन राम शंकर सिंह ने किया।

चोरी के सामान के साथ तीन अभियुक्तों को पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

अझुवा कौशाम्बी। एसपी हेमराज मीणा के निर्देश पर सर्किल ऑफिसर सिराथू केजी सिंह के निर्देशन में सैनी कोतवाली प्रभारी और उनकी टीम ने चोरी के समान के साथ तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। अपर पुलिस अधीक्षक समर बहादुर सिंह ने सैनी कोतवाली में प्रेस कांफ्रेंस कर जनाकारी देते हुए बताया टीम ने भड़हरी पावर हाउस के पास कुरामुरीदन जाने वाले मोड़ से तीन अभियुक्त शिव शंकर शुक्ला उर्फ ननकू पुत्र मोहन लाल,महेंद्र दुबे पुत्र नोखे लाल निवासी हाजीपुर पतौना थाना मंझनपुर और रवि तिवारी पुत्र सुशील तिवारी निवासी चकबख्तियारा थाना सैनी से कुल अदद 10 मोबाइल (1 आई फोन,8 एंड्रॉयड मोबाइल,1 की पैड वाला मोबाइल)2 चोरी की मोटरसाइकिल,1 सिलेंडर एवम अन्य सामान बरामद किया है अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मार्च 2022 की रात प्राथमिक विद्यालय थोन में चोरी की घटना को स्वीकार किया है कोतवाली पुलिस ने अभियुक्तों को जेल भेज दिया है।

बैंक जा रही बालिका ट्रेन से टकराई मौत

भरवारी कौशांबी। कोखराज थाना क्षेत्र के भरवारी रेलवे फाटक के पास रेल लाइन पार करते वक्त एक बालिका तेज गति ट्रेन की चपेट में आ गई है जिससे बालिका के चिथड़े उड़ गए हैं सूचना पाकर रोते बिलखते परिजन घटनास्थल पर पहुंच गए हैं जानकारी के मुताबिक कोखराज थाना अंतर्गत पुलिस चौकी भरवारी नगर पालिका परिषद अंतर्गत असद उल्ला पुर रोही निवासी कुमारी हिना उम्र लगभग उन्नीस वर्ष पुत्री स्व मुन्ने भरवारी बैंक रुपए निकालने जा रही थी जैसे ही बालिका भरवारी रेलवे फाटक पार करने लगी तेज गति ट्रेन ने बालिका को टक्कर मार दिया है जिससे उसके चिथड़े उड़ गए हैं की आज समय घटना सोमवार की दोपहर लगभग 2:30 बजे की है ट्रेन हादसे में बालिका की मौत की सूचना देने के घण्टो बाद काफी देर तक घटनास्थल पर जीआरपी पुलिस नहीं पहुंची है ट्रेन हादसे में बालिका की मौत की जानकारी मिलते ही रोते बिलखते परिजन घटनास्थल पर पहुंच गए हैं घटनास्थल पर कोहराम मचा हुआ है।

लाखों की चोरी का महीनों बाद पुलिस नहीं कर सकी खुलासा

कौशांबी। मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र के नारा पुलिस चौकी अंतर्गत भवनी का पूरा सहित इलाके के कई गांव में चोरी की कई घटनाएं हुई है क्षेत्र में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं का पुलिस खुलासा नहीं कर सकी है जिससे चोर गैंग के हौसले बुलंद है बताया जाता है कि भवनी का पुरवा गांव निवासी संदीप पटेल के घर लगभग 2 महीने पहले सेंध करके 7 लाख कीमत के सोने चांदी के जेवर नगदी व अन्य सामान चोर उठा ले गए थे इस गांव में 15 दिन के अंदर लगातार तीन चोरियां हुई थी लेकिन नारा चौकी पुलिस के लापरवाही के चलते चोरी की किसी भी घटना का खुलासा 2 महीने बीत जाने के बाद भी नहीं हो सका है जिससें नारा चौकी पुलिस की निष्क्रियता का अंदाजा लगाया जा सकता है लगातार इलाके में हो रही घटनाओं के बाद भी घटनाओं के खुलासे के प्रति पुलिस आला अधिकारी गंभीर नहीं हैं नारा चौकी इंचार्ज को निलंबित कर इलाके की घटनाओ का खुलासा करने और इलाके में घटनाओं पर रोक लगाए जाने की मांग क्षेत्र की जनता ने पुलिस महानिदेशक लखनऊ से की है।

बाल्मीकि जयंती के अवसर पर जिला स्तरीय संस्कृत प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

श्रीमती कृष्णा त्रिपाठी संस्कृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अलवारा द्वारा धूमधाम से मनाई गई महर्षि बाल्मीकि जयंती

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर जिला स्तरीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता का आयोजन कलश गेस्ट हाउस ओसा में आयोजित किया गया है जहां कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उप जिला अधिकारी मंझनपुर प्रखर उत्तम वा उपनिरीक्षक संस्कृत पाठशालाए प्रयागराज रविंद्र सिंह ने महर्षि बाल्मीकि के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया और दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरूआत की कार्यक्रम का आयोजन श्रीमती कृष्णा त्रिपाठी संस्कृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अलवारा मंझनपुर द्वारा आयोजित किया गया है कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व प्रधानाचार्य रविंद्र नाथ शुक्ल ने की उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थानम लखनऊ के ओर से महर्षि वाल्मीकि जयंती श्रीमती कृष्णा त्रिपाठी संस्कृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अलवारा के सौजन्य से धूमधाम से मनाए जाने का निर्णय लिया गया और इस उपलक्ष में आयोजित होने वाली जिला स्तरीय सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन श्रीमती कृष्णा त्रिपाठी संस्कृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अलवारा ने कलश गेस्ट हाउस ओसा में आयोजित किया है।

महर्षि बाल्मीकि जयंती के अवसर पर श्रीमती कृष्णा त्रिपाठी संस्कृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अलवारा में शिक्षा ग्रहण कर रहे छात्रों द्वारा श्लोक अंत्याक्षरी संस्कृत गीत आदि कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया जिसकी उपस्थित लोगों ने भूरी भूरी सराहना की कार्यक्रम के अंत में छात्रों को पुरस्कृत किया गया इस मौके पर मुख्य अतिथि एसडीएम मंझनपुर ने कहा कि संस्कृत भाषा को जन-जन की भाषा बनाने के लिए संस्कृत के छात्र संवाहक हो सकते हैं इस मौके पर उप निरीक्षक

बाल्मीकि जयंती के अवसर पर मंचासीन शिक्षक व उपस्थित छात्र

रविंद्र सिंह ने कहा कि संस्कृत जगत में महर्षि वाल्मीकि का अद्वितीय स्थान रहा है संस्कृत भाषा को दिल से आत्मसात करने की जरूरत है उन्होंने प्रतियोगिता में चार चांद लगाने के टिप्स दिए इस मौके पर जिला विद्यालय निरीक्षक संतोष मिश्रा ने कहा कि भाषा में विद्वता तरक्की की राह खोल सकती है सफलता के सोपन पर वही पहुंच सकता है जिसमें कुछ करने का हौसला हो कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पूर्व प्रधानाचार्य रविंद्र नाथ शुक्ला ने कहा कि संस्कृत भाषा विश्व की सबसे मधुर भाषा है कार्यक्रम का संचालन काशी प्रसाद पांडेय दिवाकर मिश्र ने संयुक्त रूप से किया इस मौके पर विद्यालय प्रबंधक पुष्प लता त्रिपाठी कम्मो त्रिपाठी विद्यालय के प्रधानाचार्य धीरेंद्र त्रिपाठी पूर्व प्रधानाचार्य मुरलीधर मिश्रा राम प्रकाश मिश्रा शंभू नाथ त्रिपाठी सुनील द्विवेदी बृज बिहारी मिश्रा सहित विभिन्न विभूतियां कार्यक्रम में उपस्थित रही और महर्षि बाल्मीकि के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन करते हुए महर्षि वाल्मीकि के जीवन पर प्रकाश डाला वक्ताओं ने कहा कि महर्षि बाल्मीकि संस्कृत के विद्वान थे और उन्होंने रामायण की रचना संस्कृत में की है जो आज भी घर घर पर उपयोगी है संस्कृत प्रतियोगिता के आयोजन के अवसर पर शिक्षक कुलदीप कुमार पांडेय और रामबाबू शुक्ला सहित विद्यालय के शिक्षक इलाके के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

चौकी इंचार्ज ने रकम ली डीजीपी से हुई शिकायत भड़क गए सीओ क्या है राज! ऑडियो हुआ वायरल

कौशाम्बी। करारी क्षेत्र के अर्का महाबीरपुर चौकी इंचार्ज ने पीड़ित बालिका के परिजनों की शिकायत पर दोनों पक्षो से घूसखोरी कर बालिका की शादी आरोपी युवक से पुलिस चौकी में तय करा कर लिखा पढ़ी करा दी मामले में वीडियो भी वायरल हुआ योगी सरकार में घूस खोर चौकी इंचार्ज अर्का महाबीरपुर की शिकायत डीजीपी से ट्वीट पर होने के बाद घूसखोर चौकी इंचार्ज को बचाने के लिए आधी रात को क्षेत्राधिकारी मंझनपुर ने पत्रकार पर धौस जमाते हुए जबरिया ट्वीट डिलीट कराई सरकार और पुलिस अधिकारियों को पत्रकार ने घूसखोर दरोगा के कारनामो को ट्वीट कर कार्यवाही की मांग किया था डीजीपी से शिकायत के बाद आखिर घूसखोर दरोगा को बचाने के लिए क्यो सीओ मंझनपुर भड़क गए यह जांच का विषय है और सीओ मंझनपुर के कारनामो की डीजीपी ने जांच कराई तो सीओ पर कार्यवाही तय है।

किशोरी के अपहरण व रेप में आरोपित को दस वर्ष की कैद, अपर सत्र न्यायाधीश चित्रा शर्मा ने सुनाया फैसला

कौशाम्बी। करारी थाना क्षेत्र के एक गांव में दो वर्ष पूर्व हुई किशोरी के अपहरण व रेप की घटना में आरोपित को दोषी पाते हुए कोर्ट ने दस वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। आरोपित के खिलाफ पच्चीस हजार रूपए का अर्थदंड भी लगाया है, जिसकी वसूली होने पर संपूर्ण धनराशि पीड़िता को दिलाने का निर्देश दिया गया है। अभियोजन पक्ष के अनुसार करारी थाना क्षेत्र के एक गांव में 19 अगस्त 2019 की शाम 5 बजे वादिनी मुकदमा की 14 वर्षीय लड़की शौच के लिए गांव के बाहर खेत की ओर गई थी। वहीं पर पहले से घात लगाकर बैठे गांव के ही सुरेन्द्र पुत्र बब्बू ने उसे जान से मार देने की धमकी दे कर अपनी गाड़ी में बैठा कर गांव से बाहर एक कमरे में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। दूसरे दिन सुबह करीब चार बजे वह वादिनी की बेटी को सिराथू रेलवे स्टेशन ले आया। यहां पर आरोपित के भाई सुनील ने पीड़िता को अपने साथ गांव लाकर के उसके घर पहुंचा दिया। मामले में पीड़िता की मां की तहरीर पर सुरेन्द्र के खिलाफ अपहरण, रेप व पोक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कराया गया था। राज्य सरकार की ओर से अपर जिला शासकीय अधिवक्ता अनिल कुमार चौधरी ने वादिनी मुकदमा व पीड़िता समेत घटना के गवाह कोर्ट में पेश करके गवाही कराई। बहस करते हुए उन्होंने कहा कि आरोपित के खिलाफ वादिनी की नाबालिग लड़की के अपहरण व दुष्कर्म का मामला संदेह से परे साबित पाया गया है। उन्होंने अपराध की गंभीरता को देखते हुए आरोपी के खिलाफ कड़ी से कड़ी सजा से दंडित करने का अनुरोध किया। बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता ने आरोपित को निर्दोष बताते हुए सजा में नरमी बरतने की अपील की। दोनों ओर से की गई बहस को सुनने व पत्रावली में उपलब्ध साक्ष्य का अवलोकन करने के बाद अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश कोर्ट सं 9 चित्रा शर्मा ने आरोपित सुरेन्द्र को दस वर्ष के कठिन कारावास की सजा सुनाई है।

तीन दिवसीय मेले और दंगल का आयोजन संपन्न

अखंड भारत संदेश

बैरम पुर कौशांबी। पश्चिम शरीरा कस्बे में तीन दिवसीय दंगल और मेले का आयोजन सकुशल संपन्न हो गया है मेला और दंगल देखने के लिए इलाके के सैकड़ों गांव के लाखों महिला पुरुषों का हुजूम उमड़ पड़ा है बूढ़े बच्चे मेला देखने को लालायित थे मेले का आकर्षण विद्युत लाइट की बेहतरीन सजावट मीना बाजार और झूला बढ़ा रहे थे पूरे मेले परिसर में व्यापारियों द्वारा खाने-पीने के सामानों की दुकान के साथ-साथ बर्तन कपड़े व अन्य सामानों की दुकानें भी लगाई गई थी जहां मेले में पहुंचे ग्राहकों द्वारा जमकर खरीददारी की गई है मेला परिसर में 3 दिनों तक जमकर भीड़ लगी रही मेले में दंगल के आयोजन में सैकड़ों कुश्तिया हुई जिनमें मेरठ के पहलवान साकिर नूर ने पंजाब के समसेर सिंह पहलवान को पराजित कर चैंपियन की बाजी जीत लिया जिस पर साकिर नूर को 21 हजार नगद पुरुस्कार सील्ड घड़ी आदि सामान देकर सम्मानित किया गया है अखाड़े में पहलवानों की कई कुश्तियां बड़ी रोचक रही जिन्हें देखकर दर्शकों ने ताली बजाकर पहलवानों का हौसला बढ़ाया जिला स्तर पर चैंपियन में आकाश तिवारी ने जीत दर्ज की है जिस पर उन्हें 5100 रुपए नगद इनाम देकर उनका हौसला बढ़ाया गया है अखाड़े में तहसील पहलवान में टेवा गांव के विकास पांडेय ने बाजी जीत लिया जिस पर 3100 रुपए देकर उनका हौसला बढ़ाया गया है दंगल में पहलवानों का हौसला बढ़ाने के लिए महिला घाट गांव निवासी विधायक अवनीश द्विवेदी उर्फ लल्ली द्विवेदी महराज सुनील तिवारी भी मेले में पहुंचे और पहलवानों को पुरस्कार देकर उन्हें माल्यार्पण कर उनका हौसला बढ़ाया

अखाड़ा चैंपियन बने शाकिर नूर

दंगल में चैंपियन पहलवान भीड़ को दिखाता सील्ड

मेले का आयोजन नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी सुनील कुमार के देखरेख में आयोजित हुआ कार्यक्रम के अध्यक्ष गंगे चौबे सहित रमेश सिंह पत्रकार विपिन केसरवानी दीपेंद्र सिंह विजय यादव अंशधारी तिवारी विमलेश शुक्ला रवि तिवारी कुन्नी सिंह उड्डयन सिंह अनिल सिंह सहित इलाके के तमाम गणमान्य लोगों के सहयोग से तीन दिवसीय मेला दंगल सकुशल संपन्न हो गया तीन दिवसीय मेले के आयोजन में पश्चिम शरीरा थाना पुलिस थानाध्यक्ष भवानी सिंह के नेतृत्व में पूरे समय मेला क्षेत्र में सक्रिय रही और अराजक तत्वों पर कड़ी नजर लगाए रही जिससे मेला सकुशल शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो गया है।

पूरामुफ्ती थाना में दशहरा दुगार्पूजा के बाबत पीस कमेटी की बैठक संपन्न

थानेदार उपेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि बच्चा चोरी की अफवाह न फैलाए और न फैलने दें

मनौरी कौशाम्बी। पूरामुफ्ती थाना परिसर में आज थानाध्यक्ष उपेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में दशहरा एवम दुगार्पूजा को सकुशल संपन्न कराने के बाबत एक पीस कमेटी की बैठक हुई जिसमें मनौरी नगर के साथ साथ अन्य ग्रामों के ग्राम प्रधान व संभ्रांत नागरिकों ने बैठक में सम्मिलित हुए। थानाध्यक्ष उपेंद्र प्रताप सिंह ने बैठक में आए संभ्रांत नागरिकों का जोरदार स्वागत किया , प्रत्येक ग्राम प्रधानों से दशहरे व दुगार्पूजा के बारे जानकारी लिया और सभी लोगो को भरोसा दिलाया की आपलोगो को कोई दिक्कत हो हमे सूचना दीजिए हम त्वरित कार्यवाई करेंगे ,हम आपके हर सुखदुख में साथ खड़े रहेंगे थानाध्यक्ष ने बच्चा चोरी की अफवाह के बारे में विशेष ध्यान दिलाया की जो बच्चा चोरी की अफवाह फैलाकर लोग सीधे साधे आदमी को मारपीट करते है वो गलत है इससे बचे , अगर किसी ने बच्चा चोरी की झूठी अफवाफ फैलाकर किसी को मारपीट किया उसके खिलाफ ठरअ का मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

धर्मा देवी कॉलेज में मेधावी सम्मान समारोह हुआ आयोजित

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी धर्मा देवी इण्टर कॉलेज केन कनवार में ह्लमेधावी सम्मान समारोहह्व का आयोजन किया गया`जिसमे जनपद के हाईस्कूल/इण्टर के टॉप-10 सूची में सम्मिलित छात्र/छात्राओ को उपजिलाधिकारी सिराथू राहुल देव भट्ट,अपर पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी समर बहादुर, जिला विद्यालय निरीक्षक संतोष कुमार मिश्र,क्षेत्राधिकारी सिराथू डॉ.कृष्ण गोपाल सिंह,थाना प्रभारी कोतवाली सैनी भुवनेश कुमार चौबे के कर कमलों द्वारा सम्मानित किया गया सर्वप्रथम ज्ञान की देवी माँ सरस्वती जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वल्लन कर कार्यक्रम की शुरुवात की गयी ह्लमेधावी सम्मान समारोहह्व में हाई स्कूल के टॉपर सम्मानित होने वाले छात्र\छात्राओं में आकाश दीप सिंह दुर्गा देवी इंटर कालेज ओसा यश पाण्डेय धनपत्ती देवी श्याम नारायण इंटर कालेज थुलगुला आर्यन पाण्डेय धर्मा देवी इंटर कालेज केन कनवार अनामिका देवी धर्मा देवी इंटर कालेज केन कनवार नितिन कुमार कृषक इंटर कालेज हिनौता अनामिका कौशल हनुमान इंटर कालेज अजुहा भूपेंद्र कुमार मान सिंह इंटर कालेज अलीपुर जीता आकाश कुमार ग्लोबल इंटर कालेज चौराडीह साक्षी देवी धर्मा देवी इंटर कालेज केन कनवार सरल हुबलाल इंटर कालेज भरवारी दिया गिरि धर्मा देवी इंटर कालेज केन कनवार पंकज कुमार सरोज धर्मा देवी इंटर कालेज केन कनवार सलाउद्दीन मान सिंह इंटर कालेज अलीपुर जीता को सम्मानित किया गया इसी तरह इण्टरमीडिएट जिला टॉपर में साक्षी दिवाकर उदय श्याम इण्टर कॉलेज सिराथू दिव्या साहू धर्मा देवी इण्टर कॉलेज केन कनवार रितेश कुमार धर्मा देवी इण्टर कॉलेज केन कनवार अनिकेत कोटार्य आदर्श इण्टर कॉलेज सरायअकिल उदयशिला दयानन्द सरस्वती ज्ञान मंदिर अझुवा रावेन्द्र प्रताप

मेघावी सम्मान पत्र देते अपर पुलिस अधीक्षक

सिंह धर्मा देवी इण्टर कॉलेज केन कनवार रवीन्द्र यादव रियाज इण्टर कॉलेज उखैया खास आकांक्षा देवी विट्ठल भाई पटेल शिक्षा सदन उदहिन खुर्द आरुषी गुप्ता डा.भीष्म सिंह कुसुम सिंह इण्टर कॉलेज सराय अकिल नेहा साहू धर्मा देवी इण्टर कॉलेज केन कनवार रिया दिवाकर महगांव इण्टर कॉलेज महगांव सागर नेशनल इण्टर कॉलेज भरवारी अनिकेत कृषक इण्टर कॉलेज हिनौता नन्दनी देवी जवाहर लाल नेहरु इण्टर कॉलेज सरसंवा अजीत सिंह विट्ठल भाई पटेल शिक्षा सदन उदहिन खुर्द को मेघावी सम्मान दिया गया है। विद्यालय के प्रधानचार्य डॉ.रामकिरण त्रिपाठी ने आये हुए अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त कियो इस कार्यक्रम के अवसर पर विद्यालय के संस्थापक रामावतार त्रिपाठी,विद्यालय के प्रबंधक रामसुभग त्रिपाठी फूल सिंह चंदेल रामसुंदर सिंह श्याम लाल दिवाकर त्रिपाठी लाल बहादुर मिश्र,शिव प्रकाश राजपूत गुलाब यादव, ललित कुमार,धन्वन्तरि कुमार,सज्जन सिंह,शिवदत्त पाण्डेय आदि लोग उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन राम शंकर सिंह ने किया।

विवेकानन्द यूथ एवार्ड के लिए प्रस्ताव आमन्त्रित

इच्छुक युवा पुरस्कार के लिए 15 सितम्बर तक करें आवेदन

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी शासन द्वारा वित्तीय वर्ष-2022-23 में व्यक्तिगत श्रेणी के अन्तर्गत विवेकानन्द यूथ एवार्ड दिये जाने के लिए प्रस्ताव आमन्त्रित किये गये हैं। यह जानकारी जिला युवा कल्याण अधिकारी मयंक पटेल ने देते हुए बताया कि यह पुरस्कार युवाओं को विकास कार्यक्रमों के विभिन्न क्षेत्रों यथा-खेलकूद सामाजिक वृक्षारोपण परिवार कल्याण अल्प बचत रक्तदान नशामुक्ति जल संरक्षण पुस्कालय एवं वाचनालय की स्थापना एवं संचालन जैविक खेती सौर उर्जा संयन्त्र स्थापना स्वच्छता कार्यक्रम राष्ट्रीय एकीकरण साक्षरता आपदा प्रबन्धन मतदाता जागरूकता स्वास्थ्य अनुसंधान कला संस्कृति साहित्य मानव अधिकारों को बढ़ावा देना एवं पर्यटन आदि किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों को विशिष्ट पहचान देने के लिए प्रदान किया जाता है, जिसके अन्तर्गत पुरस्कार स्वरूप एक पदक, प्रमाण पत्र, स्वामी विवेकानन्द की एक प्रतिमा और 50 हजार शामिल है जिला युवा कल्याण अधिकारी ने बताया कि इस पुरस्कार के लिए उत्तर प्रदेश का नागरिक होना अनिवार्य है तथा युवा की आयु 15 से 35 वर्ष के बीच होना चाहिए एवं विगत 03 वित्तीय वर्षों में शासनादेशानुसार किसी भी क्षेत्र में पहचान योग्य कार्य किया गया हो तथा किसी सरकारी सेवा में अर्थात-केन्द्र/राज्य सरकार सार्वजनिक उपक्रमों विश्वविद्यालय स्कूल/कॉलेज आदि में कार्यरत व्यक्ति पुरस्कार पाने के पात्र नहीं होंगे। उन्होंने बताया है कि इच्छुक युवा 15 सितम्बर 2022 तक अपना आवेदन पत्र निर्धारित प्रारूप पर विकास भवन स्थित उनके कार्यालय जिला युवा कल्याण अधिकारी में प्राप्त जमा कर सकतें है तथा अधिक जानकारी किसी भी कार्यदिवस में प्राप्त कर सकतें है जिला युवा कल्याण अधिकारी ने बताया कि एवार्ड का उद्देश्य 15 से 35 वर्ष के युवाओं को प्रेरित करना जिससे वे राष्ट्रीय विकास एवं सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त कर सकें तथा युवाओं को प्रोत्साहित कर समुदाय के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना एवं एक अच्छे नागरिक के रूप में उनके व्यक्तिगत क्षमता में सुधार करना है।

उत्तर प्रदेश गौरव सम्मान के नामांकन के लिए प्रस्ताव आमन्त्रित

कौशाम्बी। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा वित्तीय वर्ष-2022-23 में उत्तर प्रदेश गौरव सम्मान के नामांकन के लिए प्रस्ताव आमन्त्रित किए गये हैं उत्तर प्रदेश गौरव सम्मान-शास्त्रीय संगीत लोक संगीत गायन वादन नृत्य ललित कलायें नाट्य विधायें फिल्म व मीडिया समाज सेवा समाज कल्याण युवा कल्याण महिला कल्याण एवं दिव्यांग कल्याण कृषि उद्यान दुग्ध विकास गोसेवा पशुपालन वन एवं वन्यजीव तथा पर्यावरण संरक्षण उद्यमिता कौशल विकास रोजगार सृजन स्वावलम्बन शिक्षा साहित्य खेल विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी आदि के क्षेत्रों में विशिष्ट योगदान करने वाले महानुभावों को दिया जाना है उतर प्रदेश गौरव सम्मान उत्तर प्रदेश के मूल निवासियों को दिया जाता है, जिन्होने विभिन्न विधाओं/ कार्य क्षेत्र के ऐसे राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दीर्घ साधना के आधार पर श्रेष्ठ उपलब्धि प्राप्त की हो तथा देश एवं विदेश में उत्तर प्रदेश का नाम रोशन किया हो एवं राज्य सरकार अथवा भारत सरकार से पूर्व में किसी अन्य राष्ट्रीय राज्य पुरस्कार से सम्मानित न किया गया हो उत्तर प्रदेश गौरव सम्मान का उद्देश्य उत्तर प्रदेश के ऐसे ख्यातिलब्ध महानुभाव जिन्होंने विभिन्न विधाओं एवं कार्य क्षेत्रों यथा-कला व संस्कृति विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी आदि में अपने व्यक्तिगत प्रयासों से उत्कृष्ठता के आयाम स्थापित करते हुए राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर गौरव हासिल किया है, उन्हें उत्तर प्रदेश गौरव सम्मान से अलंकृत करना है उत्तर प्रदेश गौरव सम्मान के अन्तर्गत चयनित पुरस्कृत कलाकार/महानुभावों को 11 लाख नगद धनराशि एवं ताम्र पत्र/मोमेण्टों भेंट स्वरूप प्रदान किये जाते हैं। इस पुरस्कार हेतु इच्छुक महानुभाव 15 अक्टूबर 2022 तक आवेदन कर सकतें हैं।

संपादकीय

समरकंद में समरबंद की कोशिश

उज्बेकिस्तान के समरकंद में 15-16 सितंबर को शंघाई सहयोग संगठन के सदस्य-राष्ट्रों का जो शिखर-सम्मेलन होनेवाला है, वह दक्षिण और मध्य एशिया के राष्ट्रों के लिए विशेष महत्व का है। यूं तो यह संगठन 2001 में स्थापित हुआ था लेकिन इस बार इसकी अध्यक्षता भारत करेगा। अपने अध्यक्षीय कार्यकाल में अब भारत को अन्य राष्ट्रों के साथ चीन और पाकिस्तान से भी सीधे-सीधे बातचीत करनी होगी। शायद यह भी कारण रहा हो कि चीन और भारत ने मिलकर पूर्वी लद्दाख से अपनी सेनाएं पीछे हटाने की घोषणा की है। यह शिखर सम्मेलन उज्बेकिस्तान के ऐतिहासिक शहर समरकंद में होने वाला है। समरकंद का भारत से गहरा संबंध रहा है। समरकंद का बड़ा ऐतिहासिक महत्व है। यूं तो ताशकंद प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री गए थे। भारत-पाकिस्तान समझौते के बाद 1966 में वहीं उनका निधन हो गया था। प्रधानमंत्री नरसिंह राव ताशकंद के साथ-साथ समरकंद भी गए थे। उनके बाद कुछ दिनों तक मुझे भी वहां रहने का मौका मिला। समरकंद के इस सुंदर शहर में यदि इन पड़ोसी राष्ट्रों के बीच विश्वसनीय सद्भाव कायम हो जाए तो इनके बीच चल रहा कूटनीतिक और राजनीतिक समर बंद हो सकता है। समरकंद में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, चीन के शी चिनफिंग और भारत के नरेन्द्र मोदी की सामूहिक भेंट के अलावा यदि द्विपक्षीय भेंट हो गई तो उसके परिणाम काफी सकारात्मक हो सकते हैं। इन तीनों देशों के नेताओं की भेंट हुए अब तीन साल हो गए हैं। इस बीच भारत के संबंध इन देशों के साथ काफी खटाई में पड़ गए हैं। शंघाई सहयोग संगठन के इस समय 8 सदस्य हैं- चीन, भारत, रूस, कजाकिस्तान, किरगिजिस्तान, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान और पाकिस्तान। इसके चार पर्यवेक्षक राष्ट्र हैं- ईरान, अफगानिस्तान, बेलारूस और मंगोलिया। छह राष्ट्र इसके साथ संवाद भागीदार (डॉयलॉग पार्टनर) हैं। इसमें मिस्र, सउदी अरब और कतर भी शामिल होना चाहते हैं। इस संगठन का मुख्य लक्ष्य मजहबी कट्टरवाद, आतंकवाद और जातीय अलगाववाद से लड़ना है। इसका उद्देश्य आपसी सहयोग बढ़ाना भी है। ये सब लक्ष्य भारत के ही हैं और भारत इन्हें साकार करने में सदा सक्रिय रहता है। मेरी राय यह है कि यह संगठन जितना बड़ा बनता जा रहा है, इसकी लक्ष्य-प्राप्ति उतनी ही पतली होती जा रही है। फिर भी इसकी उपयोगिता तो है ही लेकिन हम जरा सोचें कि दक्षेस (सार्क) तो ठप पड़ा है और हम इस विरल संगठन के जरिए कितने आगे बढ़ पाएंगे? इसके लक्ष्य भी सीमित हैं। इसे चलने दें लेकिन इससे भी ज्यादा जरूरी है कि दक्षेस को फिर से जिंदा करना। वह सात साल से मृत पड़ा हुआ है। मैं तो चाहता हूं कि दक्षेस के आठ सदस्य राष्ट्रों में आठ नए राष्ट्रों को जोड़कर एक बड़ा जन-दक्षेस (पीपल्स सार्क) खड़ा किया जाए। ताकि पांचों मध्य एशियाई गणतंत्र म्यांमार, मॉरीशस और ईरान भी इसमें जुड़ जाएं और अराकान से खुरासान तक का आर्यावर्त का यह इलाका यूरोपीय संघ से भी अधिक मजबूत बन जाए। समरकंद में हमारे प्रधानमंत्री मोदी इसकी पहल करें तो इन देशों में युद्ध और संघर्ष की आशंकाएं सदा के लिए निरस्त हो सकती हैं।

राग-द्वेष से परे रहे हैं स्वरूपानंद सरस्वती

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

ब्रह्मलीन स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती को राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने श्रद्धांजलि अर्पित की है। बावजूद इसके स्वरूपानंद तमाम मौकों पर प्रधानमंत्री मोदी की कड़ी आलोचना करते रहे हैं। यह प्रधानमंत्री की उदारता है। लेकिन स्वरूपानंद सरस्वती के व्यक्तित्व की यह खूबी भी रही है कि वे जिसकी भी आलोचना या सराहना करते थे, उसके पीछे उनका अपना कोई राग-द्वेष नहीं था। उनकी अपनी राष्ट्रवादी दृष्टि थी। उन्हें जो ठीक लगता था, उसे बेधड़क होकर बोल देते थे। मेरा और उनका आत्मीय संपर्क 50 साल से भी ज्यादा पुराना था। उनके गुरु करपात्री महाराज और स्वामी कृष्णबोधाश्रम मेरी पत्नी वेदवती वैदिक का उपनिषद् पर पीएचडी के अनुसंधान में मार्गदर्शन किया करते थे। मेरे ससुर रामेश्वरदास द्वारा निर्मित साउथ एक्सटेंशन के धर्मभवन में मेरी पत्नी और स्वरूपानंदजी साथ-साथ इन महान विद्वानों से शिक्षा ग्रहण किया करते थे। वे वेदवती को अपनी बहन मानते थे। स्वामी स्वरूपानंद ने अपने अंतिम समय तक मुझसे संबंध बनाए रखा। अभी दो-तीन साल पहले बड़े आग्रहपूर्वक उन्होंने जबलपुर के पास नरसिंहपुर में स्थित अपने आश्रम में मुझे बुलाया था। मेरा करपात्री महाराज और रामराज्य परिषद के नेताओं से बचपन में घनिष्ट संबंध रहा है। स्वरूपानंद भी रामराज्य परिषद में काफी सक्रिय रहे हैं। वे उसके अध्यक्ष भी रहे हैं। रामराज्य परिषद राष्ट्रवाद को मानती थी लेकिन हिंदुत्व को नहीं। वह कहा करते थे अरे, हिंदू तो रावण और कंस भी थे।

हमारा कोहिनूर, कब तक रहेगा हमसे दूर!

ऋतुपर्ण दवे

इसलिए पहला हक अफगानिस्तान का है। ईरान ने भी कोहिनूर पर दावा किया, लेकिन ब्रिटेन ने ठुकरा दिया। भारत ने तो यहाँ तक कहा कि ब्रिटेन ने अनैतिक रूप से हासिल किया है। सन् 1997 में महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के भारत दौरे के समय भी यह मांग उठी थी। जुलाई 2010 में तो तत्कालीन ब्रिटिश प्रधानमंत्री डेविड केमरून ने यहां तक कह दिया कि अगर ब्रिटिश सरकार हरेक देश के दावे को सही मान अमूल्य रत्न एवं वस्तुएँ लौटाती रहेगी तो

एक बार फिर दुनिया का बेशकीमती हीरा कोहिनूर जिसे बहुतेरे सामंतक मणी भी कहते हैं, जबरदस्त सुर्खियों में है। शायद यह अकेला ऐसा हीरा है जिसकी अब तक सबसे ज्यादा सुर्खियाँ दिखीं। अभी कोहिनूर ब्रिटेन की हाल ही में परलोक सिधारी महारानी एलिजाबेथ द्वितीय की मौत के बाद फिर चचाओं में है। कोहिनूर उनके ताज में सुशोभित है और क्रिस्टल पैलेस में प्रदर्शिनी के लिए रखा हुआ है। इसकी कीमत सुनकर भी सिवाय आश्चर्य के कुछ नहीं होता। अभी अनुमानतः कोहिनूर की कीमत डेढ़ लाख करोड़ रुपये है। हकीकत यह है कि न तो आज तक कभी बेचा गया सो खरीदे जाने का सवाल ही नहीं उठता। हमेशा तोहफे या जीतकर ही तमाम हुक्मरानों के पास आता, जाता रहा। उपलब्ध और ज्ञात तथ्यों से पता चलता है कि कोहिनूर का इतिहास लगभग 5000 वर्ष पुराना है, संभव है कि और भी ज्यादा हो। मूल रूप से कोहिनूर आंध्र प्रदेश के गोलकोंडा से निकलने के बाद 793 कैरेट का था और दुनिया का सबसे बड़ा हीरा था। ब्रिटेन पहुँचने के बाद और चमक की खातिर तराशा गया जिससे 105.6 कैरेट का रहकर 21.6 ग्राम वजन का है। सबसे पहले 12वीं शताब्दी में काकतीय साम्राज्य के पास था जहां वारंगल के एक मंदिर में हिंदू देवता की आंख के तौर पर मंदिर की शोभा बढ़ाता रहा। हीरे का सबसे पहला जिक्र 1304 के आसपास मिलता है कहते हैं मालवा के राजा महलाक देव के खजाने का हिस्सा था। पहली बार कोहिनूर लूटने में अलाउद्दीन खिलजी के सेनापति मलिक काफूर का नाम आता है जिसने 1310 में लूटकर खिलजी को भेंट किया। उसके बाद कभी लुटकर तो कभी उपहारों के जरिए हुक्मरानों की शोभा बढ़ाता रहा। इस खूबसूरत और बेशकीमती कोहिनूर को जो भी देखता उसका दिल इसी पर आ जाता। इसी कोहिनूर की वजह से कई शासकों की सल्तनत तहस-नहस हो गई और हत्याएँ भी हुईं। इसलिए इसे श्रापित भी कहा गया यह चर्चा 13वीं सदी से चली आ रही है।

1526 में मुगल शासक बाबर ने बाबरनामा में हीरे को खुद का बताते हुए सुल्तान इब्राहिम लोधी की भेंट बताया। बाबर के वंशज, हुमायूँ तथा औरंगजेब ने इस अमूल्य हीरे की सौगात अपने पोते सुल्तान मोहम्मद औरंगजेब को दी जो बेहद निडर एवं कुशल शासक था उसने अपनी बहादुरी से कई राज्य हथियाये। 1739 में फारसी शासक नादिर शाह भारत आया और महमद की सल्तनत पर कब्जा कर उसके राज्य की धरोहरों को अपने अधीन किया जिसमें कोहिनूर भी था। कोहिनूर नाम उसी का दिया है। उसके कब्जे में कोहिनूर कई साल रहा। 1747 में उसकी हत्या के बाद हीरा जनरल अहमद शाह दुरानीं के पास पहुंच 1813 में वापस भारत आ गया। चूँकि राजा रंजीत सिंह ने दुरानीं को अफगानिस्तान से लड़ने एवं राजगद्दी वापस दिलाने में मदद की थी इसलिए उन्हें हीरा सौंप दिया। रंजीत सिंह ने अपनी वसीयत में कोहिनूर को मृत्यु उपरान्त जगन्नाथपुरी के मंदिर को देने वसीयत लिखी परंतु ईस्ट इंडिया कंपनी नहीं मानी। 29 मार्च 1849 को द्वितीय एंग्लो-सिक्ख युद्ध में ब्रिटिश फोर्स ने राजा रंजीत सिंह को हरा कर उनकी सभी संपत्ति तथा राज्य को कब्जा लिया। ब्रिटिश सरकार ने लाहौर की संधि लागू करते हुए कोहिनूर को ब्रिटिश महारानी विक्टोरिया को सौंपने की बात कही। इस तरह कोहिनूर लंबी यात्रा करते हुए ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी ने अपने खजाने में रख लिया और अंततः जुलाई 1850 में इंग्लैंड की महारानी विक्टोरिया को सौंप दिया गया तबसे राजपरिवार के अधीन है। अभी हाल ही में दिवंगत रानी की ताज में जड़ा है और लंदन टावर में सुरक्षित रखा है।

आजादी के बाद 1947 से भारत की कोहिनूर वापसी की तमाम नाकाम कोशिशें हुईं। 1953 में महारानी एलीजाबेथ द्वितीय के राजतिलक के वक्त भी कोहिनूर वापसी की माँग को ब्रिटेन हुकूमत ने नकार दिया। इधर 1976 में पाकिस्तान ने भी इस पर दावा जताया, उसे भी ठुकराया दिया। इतिहास की दुहाई दे अफगानिस्तान ने भी दावा किया कि कोहिनूर वहीं से भारत गया फिर ब्रिटेन। इसलिए पहला हक अफगानिस्तान का है। ईरान ने भी कोहिनूर पर दावा किया, लेकिन ब्रिटेन ने ठुकरा दिया। भारत ने तो यहाँ तक कहा कि ब्रिटेन ने अनैतिक रूप से हासिल किया है। सन् 1997 में महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के भारत दौरे के समय भी यह मांग उठी थी। जुलाई 2010 में तो तत्कालीन ब्रिटिश प्रधानमंत्री डेविड केमरून ने यहां तक कह दिया कि अगर ब्रिटिश सरकार हरेक देश के दावे को सही मान अमूल्य रत्न एवं वस्तुएँ लौटाती रहेगी तो ब्रिटिश संग्रहालय अमूल्य धरोहरों से खाली हो जाएगा। महात्मा गांधी के पोते सहित कई भारतीयों ने भी इसे लौटाने की मांग की। फरवरी 2013 में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कैमरून के भारतीय दौरे पर उन्होने कोहिनूर को लौटाने से साफ इंकार कर दिया।

2016 में जबलपुर के रहने वाले स्टेनली जॉन लुईस जो स्टेशन रोड पर ढ़ाबा चलाते हैं का रोचक दावा भी खूब चचाओं में रहा। उन्होंने इसे अपने परदादा एलबर्ट लुईस (सन् 1800) की धरोहर बता खानदानी संपत्ति बताया जिसे राजा-महाराजा अपने कब्जा में करने कवायदें करते रहे। लुइस का दावा है कि इसे बेचकर 700 सालों तक सारी दुनिया को खाना खिलाया जा सकता है। ब्लैक बेल्ट और पैराग्लाइडिंग एक्सपर्ट लुइस ने ढ़ाबे कमाई का बड़ा हिस्सा इसी लड़ाई में खर्चा। 2008 में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में रिट पिटीशन दायर की जिसका नंबर 540/2008 है। इसमें भारत व ब्रिटेन के प्रधानमंत्री सहित अन्य को पक्षकार पार्टी बनाया। इधर एक आरटीआई के जवाब में 43 साल पुराने कानून का हवाला देकर केंद्र ने बताया कि भारत कोहिनूर को हासिल नहीं कर सकता। नियमानुसार उन प्राचीन वस्तुओं को वापस लाने की अनुमति नहीं है, जो आजादी से पहले परदेश जा चुकी हैं। पुरावशेष और बहुमूल्य कलाकृति अधिनियम 1972 के प्रावधानों में भारतीय पुरातत्व विभाग उन्हीं प्राचीन वस्तुओं की वापस प्राप्ति का मुद्दा उठाता है जिन्हें अवैध रूप से निर्यात किया गया। चूँकि कोहिनूर आजादी से पहले जा चुका था इसलिए वो मुद्दे को नहीं उठा सकता। वहीं विदेश मंत्रालय से इस बावत हुए पत्रचार की कॉपी मांगने पर कहा कि मामला संस्कृति मंत्रालय के अधीन आता है।

सुप्रीम कोर्ट ने भी ऑल इंडिया ह्यूमन राइट्स एंड सोशल जस्टिस फ्रंट और हेरिटेज बंगाल की याचिका खारिज करते हुए कहा कि अदालत सरकार के जवाब से संतुष्ट है कि वो हीरा वापसी का प्रयास कर रही है। 21 अप्रेल 2017 को सुधारात्मक याचिका और उससे जुड़े कागजात देख सुप्रीम कोर्ट की पांच सदस्यीय पीठ ने दखल के मामले से इनकार कर याचिका खारिज दी। इससे दो साल पहले भी अदालत ने कहा था कि वह हीरा भारत लाने या विदेशी सरकार को नीलामी रोकने का आदेश नहीं दे सकती क्योंकि भारतीय अदालत दूसरे देश में हो रही घटनाओं पर कैसे आदेश पारित कर सकती है? 2015 में भी भारतीय मूल के ब्रिटिश सांसद कीथ वाज ने तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा से पहले वहाँ संसद में एक भाषण दौरान कोहिनूर भारत को लौटाने की मांग की रखी। अब ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ द्वितीय की मौत के बाद उनके ताज में जड़ा हमारा कोहिनूर सोशल मीडिया में हैश टैग के साथ फिर सुर्खियों में है। कोई गंभीर है तो कोई ब्रिटेन को शाही चोर कह रहा है तो कोई मीम के जरिए अपनी बातें कह रहा है।

कुछ भी हो हजारों साल पुराने कोहिनूर से हमारा खास लगाव ही है जो अब भी आस लगाए बैठे हैं। लगाएँ भी क्यों न जब लंबी लड़ाई से आक्रान्ताओं और गोरों को खदेड़ सकते हैं तो क्या कोहिनूर को पाने खातिर ईमानदार कोशिशों से पीछे क्यों रहें? जैसे स्वतंत्रता की जंग से अँग्रेजों को पछाड़ा ठीक वैसे कोहिनूर के लिए नई जंग से भला परहेज कैसा?

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार हैं।)

कूड़े के पहाड़ों से शहरों को मिलेगा छुटकारा

आर.के. सिन्हा

आप जब राजधानी दिल्ली से गाजीपुर के रास्ते उत्तर प्रदेश की सीमा में प्रवेश करते हैं तब कचरे का काला स्याह डरावना पहाड़ दिखाई देता है। इसे जो शख्स पहली बार देखता है उसे तो यकीन ही नहीं होता कि दरअसल ये कचरे का पहाड़ है। आज के दिन आपको देश के प्रायः सभी शहरों में कचरे के ढेर दिखाई दे जाएंगे। ये उस भारत की कतई बेहतर तस्वीर पेश नहीं करते जो दुनिया की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और जिसके आईटी सेक्टर की ताकत का सारा संसार लोहा मान चुका है। उस भारत के शहरों में कूड़े के ढेर लगे हों, यह तो शर्म की बात कही जाएगी। देखिए, छोटे-बड़े सभी शहरों और महानगरों को कचरे से मुक्ति तो दिलावानी ही होगी। कुछ साल पहले तक तो सिर्फ पर्यटन स्थल नहीं, सभी सार्वजनिक स्थलों पर कूड़े के अंबार लगे मिल जाते थे। हालांकि, बीते कुछ वर्षों में काफी सकारात्मक बदलाव भी दिख रहा है। सरकार भी स्वच्छ भारत मिशन के तहत बड़े स्तर पर देश को स्वच्छ बनाने के लिए कई ठोस कदम उठा रही है। कूड़े के ढेर समाप्त किये जा रहे हैं। साफ-सफाई को लेकर सरकार जागरूक है, वहीं ज्यादातर नागरिक भी अब यह समझने लगे हैं कि अपने शहरों को कूड़े से निजात दिलानी है। कूड़े को कूड़ेदान में डालने की प्रवृति अब आम जनों में भी जाग उठी है। शहरों को कूड़े के ढेर से मुक्ति दिलवाने में पहल केन्द्र में मोदी सरकार के सत्तासीन होने के बाद ही शुरू हुई। हमें कचरे के री-साइक्लिंग पर खास फोकस देना होगा। इसी रास्ते से हम कूड़े को एक जगह जमा होने से रोक सकते हैं। इसके अलावा कोई दूसरा रास्ता नहीं है। यही कारण है कि बड़े स्तर पर री-साइक्लिंग का काम किया जा रहा है। उदाहरण क रूप में वाराणसी कैंट रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों और प्लेटफार्मों से निकलने वाले कूड़े और दूषित जल को रिसाइकल कर उपयोग में लाने की योजना जल्द ही मूर्त रूप लेने वाली है। गीले कूड़े से खाद और सूखे प्लास्टिक कूड़े से कुर्सी और टेबल बनाने की योजना है। जीरो वेस्ट प्रबंधन योजना के तहत स्टेशन प्रशासन ने कवायद शुरू कर दी है। यहां तकनीक के तहत कूड़े को दो भागों में बांटा जाएगा। इसमें जर्मन तकनीक का सहयोग लिया जाएगा। कूड़ों का निस्तारण कर उसे दोबारा उपयोग में लाया जाएगा। जबकि दूषित जल के संचयन के बाद उसे रिसाइकल कर उपयोग में लाया जाएगा। आज देश के कई राज्यों में स्टार्टअप कंपनियां कूड़े से सड़क बनाने का काम कर रही है। इसके अलावा, बिजाली उत्पादन, ईंट और टाइल्स बनाने का काम, गिट्टी बनाने का काम आदि भी किए जा रहे हैं। कूड़े के रूप और उसकी री-साइक्लिंग की पूरी प्रोसेस के साथ उसके बेहतर इस्तेमाल की जानकारी आम नागरिकों तक पहुंचाने की जरूरत है। जिस दिन हम यह समझाने में सफल हो गए उसी दिन हम कूड़े के खिलाफ जंग को जीत लेंगे। कचरा निस्तारण के इस गंभीर मुद्दे पर केंद्र सरकार स्वच्छ अमृत महोत्सव प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक आयोजित कर रही है, जिसका उद्देश्य है कचरा मुक्त शहर। 17 सितंबर को युवाओं की रैलियों के साथ इसका शुभारंभ होगा। देश के विभिन्न शहरों में स्वच्छता को लेकर जन-जागरूकता और जन-भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए इस महोत्सव के तहत अलग-अलग कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। गांधी जयंती के अवसर पर 2 अक्टूबर को इस महोत्सव का समापन होगा। महोत्सव तो समाप्त होगा पर देश को कूड़े को जमा होने से रोकने का अभियान तो सतत जारी रखना ही होगा। भारत से हर साल करीब 300 अरब किलो कचरा निकलता है। इसमें से 70-75 प्रतिशत ही इकट्ठा किया जाता है, बाकी जमीन पर और पानी में फैला रहता है। इकट्ठा किए गए कचरे में से भी आधा या तो खुले में फेंक दिया जाता है या जमीन में दबा दिया जाता है और कुल कचरे के सिर्फ पांचवें हिस्से की ही रीसाइक्लिंग हो पाती है। वे शहर जिनमें कचरे को खुले में फेंका जा रहा है, उनमें भारत के दो सबसे बड़े महानगर दिल्ली और मुंबई भी शामिल हैं। दिल्ली का गाजीपुर तथा बुराड़ी और मुंबई का मुलुंड डंपिंग ग्राउंड ऐसे इलाके हैं, जहां ऊंचे-ऊंचे कचरे के पहाड़ बन चुके हैं और इनके आसपास भारी संख्या में लोग भी रहते हैं। जरा सोचिए कि इनके आसपास रहना कितना कठिन और अस्वास्थ्यकर होता होगा। भारत से निकलने वाला कचरा मुख्यतः दो तरह का है, इंडस्ट्रियल और म्युनिसिपल। इंडस्ट्रियल कचरे के निपटान की जिम्मेदारी जहां उद्योगों पर ही है, म्युनिसिपल कचरे की जिम्मेदारी स्थानीय निकायों/ सरकारों की होती है। उन्हें शहरी इलाकों को साफ रखना होता है। हालांकि ज्यादातर निगम कचरे को इकट्ठा तो करते हैं, लेकिन फिर उसे आबादी के आसपास ही किसी डंपिंग ग्राउंड में फेंक देते हैं।

यह कहना होगा कि हमारे शहरों के नगर निगमों ने कूड़े के निस्तारण और इसकी री-साइक्लिंग पर कोई बहुत ठोस कदम नहीं उठाए थे। सब राम भरोसे चल रहा था। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ एनवायरमेंटल साइंसेस के एक अध्ययन के मुताबिक खुले में फेंके गए कचरे में भारी मात्रा में निकल, जिंक, आर्सेनिक, कांच, क्रोमियम और अन्य जहरीली धातुएं होती हैं, जो पर्यावरण और लोगों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरों की वजह बनती हैं। भारत साल भर में जितनी जहरीली मीथेन का उत्सर्जन करता है, उसमें से 20 प्रतिशत सिर्फ इन कचरे के ढ़ेरों से होता है। हमारे अपने देश में इंदौर ने बाकी शहरों के लिए एक उदाहरण पेश किया है। इंदौर ने कूड़े के पहाड़ों से मुक्ति पा ली है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र नरेंद्र मोदी ने भी एक बार कहा था कि शहरों को कूड़े के पहाड़ों से मुक्त करने का इंदौर मॉडल अन्य शहरों के लिए प्रेरणा बनेगा। इंदौर में कभी कूड़े के पहाड़ थे, अब वहाँ 100 एकड़ की डंप साइट ग्रीन जोन में परिवर्तित हो गई है। इंदौर में गोबर-धन बायो सीएनजी प्लांट बनने से वेस्ट-टू-वेल्थ तथा सर्कुलर इकोनामी की परिकल्पना साकार हुई है। इससे भारत के स्वच्छता अभियान को नई ताकत मिलेगी, जिसके अंतर्गत देश के सभी शहरों को कूड़े के पहाड़ों से मुक्त कर ग्रीन जोन बना दिया जाएगा।

भारतीय डेयरी उद्योग के विकास और उपलब्धियों का वैश्विक मंच से आगाज

एडवोकेट किशन भावनानी

भारत आदि अनादि काल से ही पशुपालकों की श्रेणी में प्रमुखता से रहा है खासकर दूध के क्षेत्र में भारत का वैश्विक स्तर पर दबदबा बड़ी तेजी से बढ़ा है। भारत दुनिया में दूध के सबसे बड़े उत्पादकों में से एक है।1955 में, भारत का मक्खन आयात प्रति वर्ष 500 टन था और 1975 तक दूध और दूध से बने उत्पादों के सभी आयात बंद कर दिए गए थे क्योंकि भारत दूध उत्पादन के मामले में आत्मनिर्भर हो गया था। डेयरी क्षेत्र से भारत सहित दुनिया के अरबों लोगों की आजीविका जुड़ी हुई है। दूध के महत्व को एफएओ के आंकड़ों से समझा जा सकता है जो दिखाता है कि दुनिया भर में 1 अरब से अधिक लोगों की आजीविका डेयरी क्षेत्र से जुड़ी है। दुनिया भर में 6 अरब से अधिक लोगों द्वारा डेयरी उत्पादों का उपभोग किया जाता है।1974 के बाद चूंकि चार दिवसीय विश्व डेयरी शिखर सम्मेलन 12 से 15 सितंबर 2022, तक भारत में शुरू है इसीलिए आज हम इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से इन डेयरी उत्पादों पर चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम आईडीएफ डब्लूडीएस 2022 की करें तो, दुनिया भर के सभी डेयरी विशेषज्ञों, नेताओं और इच्छुक हितधारकों के लिए दुनिया भर में डेयरी क्षेत्र से जुड़ने,सीखने और आदान-प्रदान करने का एक अनूठा अवसर है।शिखर सम्मेलन के परिचारकों में व्यापारिक नेता, वैज्ञानिक और तकनीशियन, स्वास्थ्य और पोषण विशेषज्ञ, विपणन पेशेवर और विविध, अंतर्राष्ट्रीय दर्शक होंगे। पोषण और आजीविका के लिए डेयरी विषय के तहत, वर्ल्ड डेयरी सम्मिट 2022 के कार्यक्रम में विभिन्न वैज्ञानिक, तकनीकी, व्यावसायिक और विपणन सत्र शामिल हैं। इसके अलावा राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) के अध्यक्ष ने मीडिया में कहा कि कार्यक्रममें 300 विदेशी प्रतिनिधि और 1,200 भारतीय प्रतिनिधि शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि इसमें 700 से 800 किसान भी भाग लेंगे, जिसमें से ज्यादातर भारतीय होंगे।

उल्लेखनीय है कि देश में लगभग आठ करोड़ डेयरी किसान हैं और इनमें से ज्यादातर छोटे और सीमांत (औसतन दो गोवंश वाले) हैं। देश में दूध का वार्षिक घरेलू उत्पादन 22 करोड़ टन होने का अनुमान है।

साथियों बात अगर हम इसशिखर सम्मेलन से लाभों की करें तो, भारतीय डेयरी उद्योग की सफलता की कहानी आईडीएफ डब्ल्यूडीएस 2022 में प्रदर्शित की जा रहीं हैं। शिखर सम्मेलन से भारतीय डेयरी से जुड़े लोगों को वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं को जानने में मदद मिलेगी। दरअसल, भारतीय डेयरी उद्योग वैश्विक दुग्ध उद्योग में लगभग 23 फीसदी की हिस्सेदारी रखता है। यहां सालाना लगभग 210 मिलियन टन का उत्पादन किया जाता है और आठ करोड़ से ज्यादा डेयरी किसान इससे सशक्त बनाते हैं। साथियों यह सम्मेलन एक सहकारी मॉडल पर आधारित हैं, जो छोटे और सीमांत डेयरी किसानों, विशेषकर महिलाओं को सशक्त बनाने में मदद करेगा, इसलिए भारतीय डेयरी उद्योग इस मायने में अद्वितीय है। पीएम के विजन से प्रेरित होकर, सरकार ने डेयरी क्षेत्र की बेहतरी के लिए कई कदम उठाए हैं, जिसके परिणामस्वरूप पिछले आठ वर्षों में दूध उत्पादन में 44 फीसदी से अधिक की वृद्धि होने की जानकारी वीडियो में आ रही है। साथियों बात अगर हम इस शिखर सम्मेलन से आईडीएफ अध्यक्ष के विचारों से लाभों की करें तो, आईडीएफ के अध्यक्ष कहते हैं, प्रतिभागियों को दो साल के बाद व्यक्तिगत रूप से डेयरी समुदाय में फिर से शामिल होने का अवसर मिलेगा, जिसके दौरान अधिकांश कार्यक्रम वस्तुतः किए गए थे", और उन्होंने आगे कहाः "यह उन्हें व्यक्तिगत रूप से बातचीत और नेटवर्क का मौका देगा। दुनिया भर के सहयोगियों के साथ। उन्होंने कहा अटेंडेंट के पास नवीनतम विज्ञान और अनुसंधान, नवाचार और प्रौद्योगिकी, और डेयरी क्षेत्र के साथ-साथ व्यापार और विपणन में अत्याधुनिक प्रथाओं पर लागू होने वाली अच्छी प्रथाओं तक पहुंच होगी, और वह भी पुष्टि करता है, वे भारतीय डेयरी क्षेत्र के बारे में भी जान सकेंगे, जो दुनिया में सबसे बड़े और सबसे दिलचस्प में से एक है। इस संबंध में, कार्यक्रम में भारतीय उत्पादन और प्रसंस्करण स्थलों के आसपास के तकनीकी दौरे शामिल हैं।

भारतीय भाषा साहित्य की रक्त प्रवाहिनी हिंदी

संजीव

हिंदी भाषा करोड़ों भारतीय के दिलों में बसी हुई भाषा है। हिंदी को भारतीय संघ की राजभाषा होने का गौरव प्राप्त है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहां भी है "राष्ट्रीय व्यवहार में हिंदी को काम में लाना देश की उन्नति के लिए आवश्यक है" हिंदी की सार्वभौमिक स्वीकार्यता के कारण ही भारतीय राजनेताओं ने हिंदी को राजभाषा का दर्जा देने का निर्णय लिया था। हिंदी मूलतः बड़ी विशाल एवं आसानी से बोली जाने वाली, लिखी जाने वाली भाषा है। भारत की भौगोलिक विशालता और विविधता के बावजूद हिंदी सर्व स्वीकार्य और देश की सर्व सम्मत भाषा है।

यह अलग बात है कि अभी तक संवैधानिक रूप से इसे राष्ट्रभाषा का दर्जा प्राप्त नहीं हो पाया है। स्वतंत्रता आंदोलन के समय आंदोलनकारियों ने यह महसूस किया की एकमात्र हिंदी भाषा ही ऐसी भाषा है जो दक्षिण के कुछ क्षेत्र को छोड़कर पूरे देश की संपर्क भाषा है। भारत के संविधान में कुल 22 भाषाओं को मान्यता प्राप्त है। पर हिंदी भाषा ही एक ऐसी भाषा है जो भारत में विभिन्न भाषा भाषाई नागरिकों के मध्य विचार विनिमय और संपर्क के लिए एक बड़ा सहारा है।

हिंदी के विशाल स्वरूप को मद्दे नजर रख पूर्व राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद जी ने भी कहा "हिंदी चिरकाल से ऐसी भाषा रही है जिसने मात्र विदेशी होने के कारण किसी शब्द का या भाषा का बहिष्कार नहीं किया" यह शब्द हिंदी की पवित्रता और व्यापकता को इंगित करते हैं। वर्तमान परिस्थितियों एवं समय काल मैं पूरे विश्व में 45 करोड़ लोगों द्वारा बोले जाने वाली भाषा है।

सकलैन ने किया रिजवान का बचाव, कहा- हर खिलाड़ी का अपना तरीका होता है

दुबई। श्रीलंका और पाकिस्तान के बीच एशिया कप 2022 के खिताबी मुकाबले से पहले, टूर्नामेंट में केवल एक टीम ने टॉस हारकर और बल्लेबाजी करने के बाद दुबई में जीत हासिल की थी। हालांकि, फाइनल में, श्रीलंका ने टॉस हारकर शानदार प्रदर्शन किया और 23 रन की यादगार जीत दर्ज की। पाकिस्तान के मुख्य कोच सकलैन मुश्ताक ने मैच के बाद श्रीलंकाई टीम की तारीफ की। सकलैन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, अगर आप एक चैंपियन टीम हैं, तो आपको चैंपियन बनने की जरूरत है, चाहे वह पहली पारी हो या दूसरी पारी। पिछले मैच में, उन्होंने हमें पहले बल्लेबाजी करने के लिए कहा और जीत गए। इस मैच में, हमने दूसरी बल्लेबाजी की और वे फिर भी जीत गए। जिस तरह से उन्होंने दोनों मैचों में खेला, वह काबिले तारीफ है। लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तानी टीम के लिए मोहम्मद रिजवान ने 49 गेंदों में 55 रन की पारी खेली। हालांकि रिजवान ने शुरुआती विकेटों के नुकसान के बाद पाकिस्तान की पारी को संभाला।, लेकिन वह पारी को गति नहीं दे सके और टीम को मझदार में छोड़ दिया। रिजवान को जब वानिंदु हसरंगा ने आउट किया तो पाकिस्तान को 23 गेंदों में 61 रन चाहिए थे। सकलैन ने हालांकि रिजवान का बचाव किया और कहा कि हर खिलाड़ी का अपना तरीका होता है।

अफगानिस्तान में मना श्रीलंका के एशिया कप जीतने का जश्न, सड़कों पर उतरे लोग

काबुल। श्रीलंका के एशिया कप 2022 का खिताब जीतने का जश्न अफगानिस्तान में भी शानदार तरीके से मनाया गया। अफगानिस्तान में लोग जश्न मनाने के लिए सड़कों पर उतर आए। श्रीलंका ने खिताबी मुकाबले में पाकिस्तान को 23 रनों से हराकर छठी बार एशिया कप का खिताब जीता। भानुका राजपक्षे के शानदार अर्धशतक और स्पिनर वानिंदु हसरंगा और तेज गेंदबाज प्रमोद मदुशन के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत श्रीलंका ने रविवार को पाकिस्तान को 23 रन से हराकर अपना छठा एशिया कप खिताब जीता। अफगानिस्तान के पत्रकार अब्दुलहक ओमेरी द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में, श्रीलंका की जीत के बाद लोगों की भारी भीड़ खुशी के साथ नाचते हुए दिखाई दे रही थी। लोगों ने सोशल मीडिया पर भी श्रीलंका को उनकी जीत पर बधाई दी और फाइनल में पाकिस्तानी टीम के प्रदर्शन का मजाक उड़ाया। एक यूजर ने ट्वीट किया, बधाई हो श्रीलंका हमें बहुत खुश करने के लिए धन्यवाद, अफगानिस्तान खुशी मना रहा है और श्रीलंका की जीत का जश्न मना रहा है। एक यूजर ने ट्वीट किया, हमने एशिया कप चैंपियन को हराया लेकिन आप 2 बार हारे। इसी पोस्ट के तहत एक अन्य यूजर ने अफगानिस्तान के प्रशंसकों द्वारा श्रीलंका की जीत का जश्न मनाते हुए सड़कों पर नाचते हुए एक वीडियो पोस्ट किया।

यूजर ने ट्वीट किया, इस तरह अफगानिस्तान के लोग श्रीलंका की जीत का जश्न मना रहे हैं। अफगानिस्तान के एक अन्य ट्विटर यूजर ने फाइनल में पाकिस्तान की हार के बाद खुशी जाहिर की। यूजर ने ट्वीट किया, 'पाकिस्तान की हार, मेरी खुशी है।

श्रीजेश ने एफआईएच गोलकीपर ऑफ़ द ईयर अवार्ड के लिए नामित होने का श्रेय सामूहिक टीम प्रयास को दिया

बेंगलुरु। भारत के अनुभवी गोलकीपर पीआर श्रीजेश, जिन्हें एफआईएच मेन्स गोलकीपर ऑफ द ईयर अवार्ड 2021-22 के लिए नामित किया गया है, ने अपने नामांकन का श्रेय सामूहिक टीम प्रयास को दिया है। श्रीजेश ने पिछले साल भी यह प्रतिष्ठित पुरस्कार जीता था। श्रीजेश ने कहा, एफआईएच गोलकीपर ऑफ द ईयर पुरस्कार श्रेणी के लिए नामांकित होना मेरे लिए सम्मान की बात है। भले ही मुझे एक व्यक्ति के रूप में नामांकित किया गया हो, यह मेरे साथियों के बिना संभव नहीं होता, जो टीम के लिए हर दिन अपना सर्वश्रेष्ठ दे रहे हैं। मुझे ऐसे अद्भुत टीम के साथी और कोचिंग स्टाफ का सौभाग्य मिला है जिन्होंने मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाने और मुझे इसे दूसरे स्तर पर ले जाने में मदद की है।

अनुभवी गोलकीपर, जिन्होंने अपने करियर में और भी कई पुरस्कार जीते हैं, ने कहा, जब भी मैं पुरस्कारों के लिए नामांकित होता हूं, मुझे लगता है कि मैं अपने लिए और गोलकीपर बनने की इच्छा रखने वाले युवाओं के लिए पुरस्कार जीत रहा हूं। यदि आप चाहते हैं कि आप इस स्तर तक पहुँचे, आपको कड़ी मेहनत करते रहना होगा और हर दिन बेहतर होने का प्रयास करना होगा। भारतीय टीम को 13 से 29 जनवरी 2023 तक खेले जाने वाले एफआईएच ओडिशा हॉकी पुरुष विश्व कप 2023 भुवनेश्वर-राउरकेला के लिए इंग्लैंड, स्पेन और वेल्स के साथ पूल डी में रखा गया है।विश्व कप ड्रा पर अपने विचार साझा करते हुए, 34 वर्षीय श्रीजेश ने कहा, यह एक दिलचस्प पूल है। इंग्लैंड, स्पेन और वेल्स तीनों वास्तव में अच्छी टीमें हैं। हाल ही में बर्मिंघम 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में इंग्लैंड और वेल्स से खेलने के बाद, मुझे लगता है कि यह एक कठिन प्रतियोगिता होगी।

एशिया कप 2022 : श्रीलंकाई कप्तान दासुन शनाका ने खिताबी जीत अपने देश को समर्पित की

दुबई। श्रीलंकाई कप्तान दासुन शनाका ने एशिया कप 2022 की खिताबी जीत अपने देश को समर्पित किया है। भानुका राजपक्षे के शानदार अर्धशतक और स्पिनर वानिंदु हसरंगा और तेज गेंदबाज प्रमोद मदुशन के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत श्रीलंका ने पाकिस्तान को 23 रन से हराकर अपना छठा एशिया कप खिताब जीता।

मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में शनाका ने कहा, हम इस जीत को अपने देश को समर्पित करना चाहते हैं। वे सभी इसका इंतजार कर रहे थे।कप्तान ने कहा कि ग्रुप चरण में अफगानिस्तान से मिली पहली हार के बाद टीम ने गंभीर चर्चा की।

उन्होंने कहा, हम जानते थे कि हमारे पास प्रतिभा है, बस इसे खेल परिदृश्य में लागू करना है। खिलाड़ी खड़े हुए, प्रत्येक ने योगदान दिया। हमने एक टीम के रूप

में हमने जो माहौल बनाया है,यह उसका परिणाम है। शनाका ने कहा कि मैच से पहले उनकी टीम को लगा था कि फाइनल में 170 का अच्छा स्कोर होगा। उन्होंने कहा, हमारी गेंदबाजी में विविधता है। फाइनल में 170 रनों का पीछा करना मुश्किल है। मुझे लगता है कि भानुका का आखिरी छक्का खास था। शनाका ने कहा कि हालांकि श्रीलंका ने पिछले दो-तीन साल में अच्छा क्रिकेट खेला, लेकिन टीम जीत से दूर थी।

उन्होंने कहा, हमने अच्छा बदलाव किया है। यह 5-6 साल तक जारी रहेगा। यह एक बेहतरीन टीम होगी। बल्लेबाज भानुका राजपक्षे ने कहा, हम एक इकाई के रूप में शानदार खेल रहे हैं। हम विश्व कप की उम्मीद कर रहे हैं और गति बनाए रख रहे हैं। घर वापस बहुत संकट हो रहा है। हमें खुशी है और उम्मीद है कि हम चेहरों पर कुछ मुस्कान लाएंगे। एशिया कप के खिताबी मुकाबले की बात करें तो इस मुकाबले में श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 170 रन बनाए। श्रीलंका की तरफ से भानुका राजपक्षे ने नाबाद 71 रन बनाए। भानुका के अलावा वानिन्दु हसरंगा ने 36 और धनंजय डीसिल्वा ने 28 रन बनाए। पाकिस्तान की तरफ से हारिस रउफ ने 3, नसीम शाह, शादाब खान और इफ्तिखार अहमद ने 1-1 विकेट लिया।

जवाब में पाकिस्तान की टीम 20 ओवर में 147 रनों पर सिमट गई। पाकिस्तान की तरफ से मोहम्मद रिजवान ने सर्वाधिक 55 रन बनाए। रिजवान के अलावा इफ्तिखार अहमद ने 32 और हारिस रउफ ने 13 रन बनाए। पाकिस्तान के सात बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सके। श्रीलंका की तरफ से प्रमोद मदुशन ने 4, वानिन्दु हसरंगा ने 3, चमिका करुणारत्ने ने 2 और महेश तीक्ष्णा ने 1 विकेट लिया।

श्रीलंका को शानदार क्रिकेट खेलने के लिए बधाई- एशिया कप गंवाकर बोले बाबर आजम

नई दिल्ली। एशिया कप 2022 के फाइनल मुकाबले में पाकिस्तान के खिलाफ एकतरफा जीत हासिल करते हुए श्रीलंका ने छठा एशिया कप जीत लिया। श्रीलंका ने बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग में पाक क्रिकेटरों को बुरी तरह से पछाड़ दिया। मैच के बाद हार के कारणों की चर्चा करने उतरे पाक कप्तान बाबर आजम ने भी ऐसा माना। उन्होंने कहा कि सही समय पर कैच न पकडना हमारे लिए अच्छा नहीं गया। इसके अलावा हमने 20 रन अतिरिक्त भी दे दिए।

बाबर ने पोस्ट मैच प्रेजेंटेशन की शुरूआत पर कहा- श्रीलंका को शानदार क्रिकेट खेलने के लिए बधाई। हमने पहले आठ ओवरों तक उन पर अपना दबदबा कायम रखा, लेकिन राजपाक्षे ने जब वहां साझेदारी बनाई तो इससे श्रीलंका के लिए गेम मजबूत हो

गई। यह अच्छा विकेट था और दुबई में खेलना हमेशा अच्छा होता है। बाबर ने कहा- हमने अपनी क्षमता के अनुसार बल्लेबाजी नहीं की। हमने अच्छी शुरुआत की, लेकिन हमने 15-20 अतिरिक्त रन दिए और अच्छा अंत नहीं कर सके। हम यहां से बहुत कुछ अच्छा ले जा सकते हैं। हमारी फील्डिंग सही नहीं थी और बल्लेबाजी भी अच्छी नहीं गई। रिजवान, नसीम और नवाज पॉजीटिव दिखे। उतार-चढ़ाव तो रहेगा, लेकिन बेहतर होगा कि हम कम गलतियां करें।

बता दें कि एशिया कप में बाबर आजम का बल्ला भी चल नहीं पाया। बाबर ने इस दौरान 10, 9, 14, 0, 30 और 5 रन बनाए। अगर फाइनल मुकाबले की बात करें तो पाकिस्तान के लिए फील्डिंग सबसे खराब मोमेंट रहा। अहम मौकों पर कैच छोड़े गए जिसका श्रीलंकाई बल्लेबाजों ने पूरा फायदा उठाया। फाइनल में बाबर, फखर जमा और आसिफ अली का बल्ला न चलने से भी पाकिस्तान को एशिया कप गंवाना पड़ा।

हार के बाद भारतीय पत्रकार के सवाल पर भड़के पीसीबी अध्यक्ष, फोन छीनने की कोशिश की

दुबई। श्रीलंका ने एशिया कप 2022 के फाइनल मुकाबले में पाकिस्तान के खिलाफ जीत दर्ज करते हुए छठी बार एशिया कप का खिताब अपने नाम किया। पाकिस्तान की हार के बाद जब पत्रकारों ने पीसीबी अध्यक्ष और पूर्व क्रिकेटर रमीज राजा से सवाल कर रहे थे तो इस दौरान भारतीय पत्रकार के एक सवाल पर रमीज भड़क गए और पत्रकार का फोन तक छीनते नजर आए। एशिया कप 2022 के फाइनल में पाकिस्तान की हार के बाद भारतीय पत्रकार ने रमीज से पूछा, क्या पाकिस्तान की आवाम हार से

दुखी हैं, आप उन्हें क्या संदेश देंगे? इस सवाल पर रमीज ने जवाब दिया, आप इंडिया से होंगे? आप तो बड़े खुश होंगे..? उन्होंने कहा, इतना ही नहीं रमीज राजा कुछ कदम आगे बढ़े और वह सवाल पूछने वाले पत्रकार का मोबाइल फोन भी छीनते दिखें। पत्रकार ने इसका पूरा वीडियो ट्वीट किया है।

गौतम गंभीर ने फहराया श्रीलंका का झंडा, एशिया कप जीतने पर जताई खुशी

नई दिल्ली। श्रीलंका ने एशिया कप 2022 के फाइनल मुकाबले में पाकिस्तान को 23 रन से हराकर खिताब अपने नाम किया। दासुन शनाका की अगुवाई वाली टीम ने छठी बार एशिया कप का खिताब अपने नाम किया। जीत के बाद भारत के पूर्व बल्लेबाज गौतम गंभीर श्रीलंकाई झंडे के साथ पोज देते नजर आए और दासुन शनाका के पक्ष के सभी समर्थक खुशी से झूम उठे।

गंभीर ने अपने ट्विटर अकाउंट पर इसका एक वीडियो भी साझा किया। उन्होंने वीडियो शेयर करने के साथ ही कैप्शन दिया, 'सुपरस्टार टीम...वास्तव में योग्य! बधाई श्रीलंका।' गौर हो कि टॉस हारकर श्रीलंका को पहले बल्लेबाजी करने का न्यौता मिला। श्रीलंका एक समय 58/5 से पिछड़ रही थी लेकिन भानुका राजपक्षे की 71 रनों

की पारी ने टीम को संभाला और बदौलत 20 ओवर में 170/6 का स्कोर खड़ा किया। हालांकि मजबूत पाकिस्तान के सामने यह लक्ष्य बड़ा नहीं था लेकिन श्रीलंका के ऑल-राउंड प्रदर्शन ने इसे मुश्किल बना दिया। पाकिस्तान के बल्लेबाजों की एक ना चली और वह 147 रन पर सिमट कर रह गए।

एमपीएल इंडियन चैस टूर - अरविंद चितांबरम निकले सबसे आगे , विदित लगातार 3 मुक़ाबले हारे

नई दिल्ली। चैम्पियन चैस टूर में जगह बनाने के लिए आयोजित हो रहे एमपीएल इंडियन चैस टूर के दूसरे दिन के बाद ग्रांड मास्टर अरविंद चितांबरम एकल बढ़त पर चल रहे है ।

कुछ दिन पहले दुबई ओपन जीतने वाले अरविंद चितांबरम नें लगातार दूसरे दिन शानदार खेल दिखाया ,पहले दिन उन्होने 3 जीत और 1 ड्रॉ के साथ 10 अंक बनाए थे तो दूसरे दिन अपने सभी 5 मुक़ाबले जीतकर कुल 15 अंक और अर्जित करने में सफल रहे और कुल 25 अंको के साथ एकल बढ़त पर चल रहे है । दूसरे दिन अरविंद नें अर्जुन कल्याण , रौनक साधवानी , अभिमन्यु पौराणिक ,विदित गुजराती और श्याम सुंदर को पराजित किया । पहले दिन सयुंक्त बढ़त पर चल रहे विदित

गुजराती के लिए दूसरा दिन बेहद खराब बीता और सिर्फ 1 जीत और ड्रॉ से 4 अंक और बना सके जबकि तीन मुक़ाबले में उन्हे हार का सामना करना पड़ा और वह 14 अंक बनाकर अधिबन भास्करन और लियॉन मेन्दोंसा के साथ सयुंक्त चौंथे स्थान पर सरक गए है । एसएल नारायनन 18 अंक बनाकर दूसरे तो मित्रभा गुहा 17 अंक बनाकर तीसरे स्थान पर चल रहे है ।

रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीजः दिलशान और मुनावीरा के दम पर श्रीलंका ने आस्ट्रेलिया को 38 रनों से हराया

कानपुर। कप्तान तिलकरत्ने दिलशान (107) और दिलशान मुनावीरा (नाबाद 95) के बीच हुई रिकार्ड साझेदारी के दम पर श्रीलंका लीजेंड्स ने रविवार रात यहां ग्रीन पार्क स्टेडियम में खेले गए रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज के दूसरे संस्करण के अपने पहले मुकाबले में आस्ट्रेलिया लीजेंड्स को 38 रनों से हरा दिया। सड़क सुरक्षा के प्रति जागरुकता फैलाने के लिए रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज का आयोजन किया जा रहा है।

श्रीलंका ने दिलशान और मुनावीरा के बीच पहले विकेट के लिए हुई 208 रनों की साझेदारी के दम पर 20 ओवर में 1 विकेट पर 218 रनों का पहाड़ जैसा स्कोर खड़ा किया। अपनी इस पारी के दौरान दिलशान और मुनावीरा ने 24 चौके और छह छक्के लगाते हुए ग्रीन पार्क में मौजूद दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। इस लक्ष्य का पीछा करते हुए आस्ट्रेलिया ने अच्छी शुरुआत की। कप्तान शेन वाटसन (39 रन, 23 गेंद, 6 चौके, 2 छक्के) और कैमरन व्हाइट (30 रन, 22 गेंद, 5 चौके) ने पहले विकेट के लिए 42 गेंदों पर 75 रनों की साझेदारी की लेकिन इसके बाद कंगारू लय से भटक गए और 18 ओवर में सभी विकेट गंवाकर 180 रन ही बना सके। कैलम फर्ग्यूसन (29 रन, 17 गेंद, 2 चौके, 2 छक्के) ने भी बेन डंक (18) के साथ जोर-आजमाइश की लेकिन 51 रनों की साझेदारी

के बाद दोनों विदा हो गए। नेथन रीयर्डन ने सबसे अधिक 46 रन बनाए। अपनी 19 गेंदों की नाबाद पारी में नेथन ने चार चौके और तीन छक्के लगाए।

पहले संस्करण के फाइनल में इंडिया लीजेंड्स से हारने वाली श्रीलंका लीजेंड्स के लिए नुवान कुलासेकरा ने सबसे अधिक चार विकेट लिए जबकि जीवन मेंडिस और चतुरंगा डि सिल्वा को दो-दो विकेट मिले। इससे पहले, श्रीलंका ने टास जीतकर पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवरों में एक विकेट के नुकसान पर 218 रन बनाए, इस टूर्नामेंट का जो संयुक्त रूप से अब तक का सबसे बड़ा स्कोर है। इंडिया लीजेंड्स ने पहले संस्करण के दौरान वेस्टइंडीज के खिलाफ 3 विकेट पर 218 रन बनाए थे। श्रीलंका की ओर से सलामी बल्लेबाज और कप्तान दिलशान ने अपनी साथी मुनावीरा के साथ पहले विकेट के लिए 208 रनों की साझेदारी की। यह इस टूर्नामेंट में किसी भी विकेट के लिए अब तक की सबसे बड़ी साझेदारी है। इससे पहले, बीते साल बांग्लादेश के साथ रायपुर में हुए मुकाबले में साउथ अफ्रीका लीजेंड्स ने बिना कोई विकेट गंवाए 160 रनों के लक्ष्य को हासिल किया था। दिलशान और मुनावीरा ने इसी रिकार्ड को ध्वस्त किया। दिलशान ने अपनी 56 गेंदों की पारी में 14 चौके और चार छक्के लगाए जबकि मुनावीरा ने नाबाद पारी के दौरान 63 गेंदों का सामना कर 10 चौके और दो छक्के लगाए। विकेटकीपर उपुल थरंगा तीन रनों पर नाबाद लौटे।

42 साल के अरबपति हसबैंड से तलाक लेंगी टेनिस प्लेयर सिमोना हालेप, यह रही वजह

नई दिल्ली। टेनिस सनसनी सिमोना हालेप जल्द ही अपने अबरपति बिजनेसमैन पति टोनी इउरुक से अलग होने जा रही हैं। दोनों ने सितंबर 2021 में ही शादी की थी। दोनों ने शादी से पहले चार साल डेटिंग भी की थी। तुर्की के समाचार आउटलेट फैनटिक से बात करते हुए, 42 वर्षीय इउरुक ने कहा-हमने सिमोना के साथ मिलकर अलग होने का फैसला किया है। अब जोर देना बंद करो, यह मेरी आखिरी सार्वजनिक उपस्थिति है। बाकी मामला वकील देखेंगे। समझने के लिए धन्यवाद।

फैनटिक ने यह भी कहा है कि 2 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन हालेप और इउरुक 13 नवंबर को अपनी धार्मिक शादी की पार्टी के लिए तैयार थे। उन्होंने दावा किया है कि रोमानिया के सिनाया कैसीनो में समारोह में शामिल होने के लिए 300 लोगों को आमंत्रित किया गया था। लेकिन वे इसके बजाय तलाक के लिए सहमत हो गए। हालेप ने पहले से ही तलाक के लिए वकील ढूंढ लिया है।

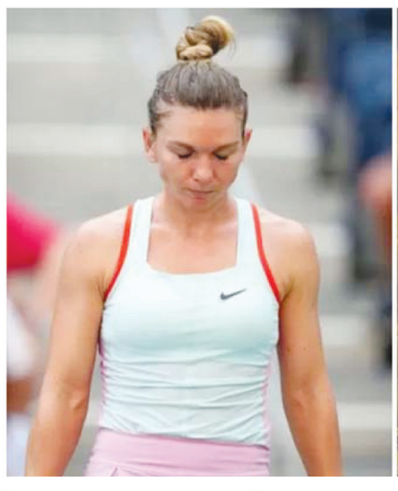

हॉलीवुड मैगजीन के अनुसार- टोनी इउरुक की कुल संपत्ति 1.72 बिलियन पाउंड है। वह छह बहुराष्ट्रीय कंपनियां का मालिक है। इसके अलावा यह भी दावा किया जाता है कि वह अपनी मां के साथ रहता है जोकि पहले से काफी अमीर है। यह टोनी की तीसरी शादी थी जबकि हालेप की पहली। हालेप अभी यूएस ओपन में भाग ले चुकी हैं। वहां पहले ही दौर में उन्हें यूक्रेन की दरिजा स्निहूर ने मात दे दी थी।हालेप ने भी मामले बाबत सोशल मीडिया का सहारा लिया। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी में रोमानियाई भाषा में अपना बयान लिखा- टोनी और मैंने आपसी सहमति से अपने अलग रास्ते जाने का फैसला किया। मैं चाहूंगी कि प्रेस हमारी निजता का सम्मान करे और इस विषय में शालीनता और विवेक के साथ व्यवहार करे।

विश्व जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप में भारतीय चुनौती का नेतृत्व करेंगे शंकर, अनुपमा और उन्नति

नई दिल्ली। स्पेन में 17 से 30 अक्टूबर तक होने वाली बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (बीडब्ल्यूएफ) विश्व जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप के लिए भारतीय दल की घोषणा सोमवार को की गई। जूनियर वर्ल्ड नं-1 अनुपमा उपाध्याय और ओडिशा ओपन सुपर 100 चैंपियन उन्नति हुड्डा चैंपियनशिप में भारतीय चुनौती का नेतृत्व करेंगे। कोविड महामारी के बाद दो साल के अंतराल के बाद आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के लिए भारतीय टीम का चयन पूरी तरह से चयन प्रक्रिया के बाद किया गया था जिसमें दो अखिल भारतीय रैंकिंग टूर्नामेंट और रायपुर में एक चयन परीक्षण टूर्नामेंट शामिल था। हुड्डा ने लड़कियों के एकल ट्रायल में शीर्ष स्थान हासिल किया था, एस रक्षिता श्री और अनुपमा उपाध्याय क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे थे। फॉर्म में चल रहे भरत राघव, जिन्होंने गोवा और पंचकुला में अखिल भारतीय रैंकिंग खिताब जीता था, और पूर्व जूनियर विश्व नंबर 1 शंकर मुथुसामी व आयुष शेट्टी लड़कों के एकल वर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। भारत ने अब तक प्रतियोगिता में एक स्वर्ण, तीन रजत और पांच कांस्य पदक जीते हैं। भारत के लिए इस प्रतियोगिता में आखिरी पदक राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता लक्ष्य सेन ने 2018 में जीता था, तब उन्होंने कांस्य पदक प्राप्त किया था। बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया के सचिव संजय मिश्रा ने कहा, जूनियर विश्व चैंपियनशिप लंबे अंतराल के बाद हो रही है और नए खिलाड़ियों के उभरने के साथ ही व्यापक चयन ट्रायल के बाद टीम का चयन किया गया है। उन्होंने कहा, हमें विश्वास है कि हम मिश्रित टीम चैंपियनशिप और व्यक्तिगत स्पर्धाओं में पदक के लिए चुनौतीपूर्ण होंगे।

यूक्रेन में ब्लैक आउट, जेलेंस्की ने कहा-रूस जिम्मेदार

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा है कि यूक्रेन में ब्लैक आउट के लिए रूस जिम्मेदार है। रूस का इरादा जवाबी हमले का बदला लेने के लिए बिजली कटौती कर लोगों को रोशनी और गर्मी से वंचित करना है। जेलेंस्की ने रूस पर सोशल मीडिया पर अपनी पोस्ट में नागरिक बुनियादी ढांचे को लक्षित करके आतंकवादी कृत्य को अंजाम देने का आरोप लगाया। जेलेंस्की का कहना है कि ब्लैक आउट से खार्किव सहित पूर्वी क्षेत्रों में करीब 90 लाख लोगों का जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। खार्किव के मेयर इहोर तेरखोव ने कहा कि नागरिक बुनियादी ढांचे पर रूसी सेना के हमले से शहर में बिजली और पानी की आपूर्ति ठप हो गई है। पड़ोसी सूमी क्षेत्र के गवर्नर ने कहा कि अकेले एक जिले में 130 से अधिक बस्तियां बिजली के बिना हैं।

राष्ट्रपति शी को और शक्तिशाली बनाएगी उनकी पार्टी, रिकॉर्ड तीसरी बार या उससे ज्यादा समय तक पद पर रहेंगे

बीजिंग। सत्ताधारी चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) की पांच साल में एक बार होने वाली कांग्रेस अगले महीने होगी। इसमें राष्ट्रपति शी जिनपिंग को और शक्तिशाली बनाने की पूरी तैयारी है। कांग्रेस राष्ट्रपति शी जिनपिंग को रिकॉर्ड तीसरी बार या उससे ज्यादा समय तक पद पर रहने की शक्ति प्रदान करेगी। विश्लेषकों का कहना है कि कांग्रेस में सीपीसी के संविधान में बदलाव के बाद राष्ट्रपति शी की स्थिति और मजबूत हो जाएगी। सीपीसी के नीति निर्धारक 25 सदस्यीय पोलित ब्यूरो की पिछले हुई बैठक में जोर देकर कहा गया कि सीपीसी की 20वीं राष्ट्रीय कांग्रेस बेहद महत्वपूर्ण समय में हो रही है। शी जिनपिंग के मजबूत नेतृत्व में हो रही कांग्रेस में पूरी पार्टी और चीनी जनता को एकजुट कर उपलब्धियां हासिल करने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। बैठक में स्पष्ट संकेत दिया गया कि शी जिनपिंग ही पार्टी का नेतृत्व करेंगे। उनका इस पद पर बने रहना सीपीसी की नीति में बड़ा बदलाव है। अब तक संस्थापक माओ के अलावा सभी को पांच साल के दो कार्यकाल के बाद सेवानिवृत्त किया जाता रहा है।

पार्टी चेयरमैन का रुतबा कर सकते हैं हासिल

पोलित ब्यूरो की बैठक के बाद जारी आधिकारिक बयान में कहा गया कि 20वीं बैठक में पार्टी के संविधान में बदलाव मौजूदा हालात में जरूरी है। संविधान परिवर्तन के बाद अनुमान लग रहे हैं कि अब तक महासचिव, सेना के अध्यक्ष और राष्ट्रपति पद पर रहे शी जिनपिंग और ताकत हासिल कर पार्टी चेयरमैन का तमगा कब्जा सकते हैं। एक सदी पुरानी पार्टी में अब तक संस्थापक माओ के पास ही यह रुतबा रहा है। कांग्रेस में प्रधानमंत्री ली केकियांग को सेवानिवृत्त किया जाएगा और अन्य नए अधिकारियों की नियुक्ति होगी।

विमान की इमरजेंसी लैंडिंग, बाल-बाल बचे पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान

गुंजरावाला। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान रविवार को उस समय बाल-बाल बच गए जब विमान में तकनीकी खराबी के बाद गुंजरावाला में उसको आपात स्थिति में सुरक्षित लैंडिंग कराई गई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इमरान खान शनिवार को एक रैली को संबोधित करने के लिए विशेष विमान से गुजरांवाला जा रहे थे। विमान में तकनीकी खराबी आने के बाद पायलट ने आपात स्थिति में कंट्रोल टावर से संपर्क किया और विमान की सुरक्षित लैंडिंग करवाई। आपातकालीन लैंडिंग के बाद इमरान खान सड़क मार्ग से अपने गंतव्य की ओर रवाना हुए। हालांकि पीटीआई नेता अजहर मशवानी के हवाले से बताया गया कि इमरान खान का विमान खराब मौसम के कारण उड़ान भरने के तुरंत बाद इस्लामाबाद लौट आया। पीटीआई नेता ने ट्वीट किया कि विमान में किसी तकनीकी खराबी की रिपोर्ट गलत है।

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष इमरान खान ने कार्यकर्ताओं और लोगों से उनके साथ एकजुटता दिखाने के लिए सोमवार को देश के विभिन्न स्थानों पर बाहर आने का आह्वान किया है। गुजरांवाला की रैली में इमरान खान ने कहा कि मौजूदा सरकार के कारण देश की अर्थव्यवस्था लगातार रसातल में जा रही है। जिन्ना स्टेडियम में उन्होंने कहा कि मैं उन लोगों को संबोधित कर रहा हूं जिनके पास ताकत है। इमरान ने कहा कि मुझे पता है कि आप खुद को निष्पक्ष कहते हैं लेकिन देश जिस तरह से नीचे जा रहा है उसके लिए यह देश आपको जिम्मेदार ठहराएगा।

अमेरिकी संसद में मनाया जाएगा भारतीय आजादी का अमृत महोत्सव

आजादी के अमृत महोत्सव समारोहों की शुरुआत 14 सितंबर को यूएस कैपिटल से होगी

वाशिंगटन। भारत की आजादी के 75 वर्ष पूरे होने पर मनाये जा रहे अमृत महोत्सव समारोहों का सिलसिला अमेरिका तक पहुंच गया है। इसकी शुरुआत 14 सितंबर को अमेरिका की संसद में भारतीय आजादी का अमृत महोत्सव मनाकर होगी।

अमेरिका में भारतवंशी अच्छी संख्या में और मजबूत स्थिति में हैं। भारत-अमेरिकी रिश्तों को समर्पित संस्था यूनाइटेड स्टेट्स-इंडिया रिलेशनशिप काउंसिल के साथ हिन्दू स्वयंसेवक संघ, सेवा इंटरनेशनल, वर्ल्ड वेगन विजन, एकल विद्यालय फाउंडेशन, कोपियो सिलिकॉनवैली, यूएस-इंडिया फ्रेंडशिप काउंसिल और एसोसिएशन ऑफ इंडियन्स इन अमेरिका ने मिलकर अमेरिका में भारत की आजादी का अमृत महोत्सव मनाने का फैसला किया है। हिन्दू स्वयंसेवक संघ को भारत की सत्तारूढ़ पार्टी भारतीय जनता पार्टी के मातृ संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अंतरराष्ट्रीय इकाई माना जाता है। इसी तरह के 75 संगठन आयोजन में शीर्ष भूमिका का निर्वहन कर रहे हैं। यूनाइटेड स्टेट्स-इंडिया रिलेशनशिप काउंसिल के मुख्य अधिशासी अधिकारी और आयोजन समिति के अध्यक्ष जशवंत पटेल ने कहा कि यह

आयोजन 75 संगठनों को एक साथ लाएगा। 14 सितंबर को अमेरिकी संसद भवन यूएस कैपिटल से आजादी के अमृत महोत्सव समारोहों की शुरुआत होगी। यह अनूठा कार्यक्रम अमेरिकी संसद में भारत की आजादी के उत्सव का प्रतीक होगा। इस दौरान भारत की अनूठी संस्कृति और विविधता का प्रदर्शन किया जाएगा। भारतीय प्रवासी संगठन इस अवसर का उपयोग भारत की समृद्ध परंपरा, उसके नायकों, लोगों और उनकी उपलब्धियों को याद करने के लिए करेंगे। आयोजकों की ओर से जारी किए गए बयान में कहा गया है कि पिछले 75 वर्षों में भारतीय-अमेरिकी समुदाय ने अमेरिका में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। भारतीय-अमेरिकी समुदाय की उपलब्धियों में स्वास्थ्य सेवा, प्रौद्योगिकी, मानवाधिकार, स्थिरता, पर्यावरणीय स्वास्थ्य सहित अन्य शामिल हैं। उन्होंने कहा, सबसे पुराने एवं सबसे बड़े लोकतंत्र अमेरिका और भारत ने कई क्षेत्रों में संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम किया है। कैलिफोर्निया के पूर्व जल आयुक्त और आयोजन समिति के उपाध्यक्ष अशोक भट्ट ने कहा कि अमेरिका में भारत के राजदूत तरनजीत सिंह संधू अमेरिकी संसद में आयोजित समारोह में सम्मानित अतिथि होंगे। इस कार्यक्रम में कई अमेरिकी सांसद भी शामिल होंगे।

रूस की सबसे बड़ी कोयला कंपनी भारत में खोलना चाहती है ऑफिस

कीव। रूस की सबसे बड़ी कोयला कंपनी साइबेरियन कोल एनर्जी कंपनी भारत में अपना कार्यालय खोलना चाहती है। इसका कारण यह है कि रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध के कारण यूरोपीय देशों ने पिछले कुछ महीनों में रूस पर व्यापार प्रतिबंध लगा दिया है। उसके बाद, साइबेरियन कोल एनर्जी कंपनी भारत को निर्यात के मामले में सबसे अच्छे बाजार के रूप में देख रही है। साइबेरियन कोल एनर्जी लिफ्ट कंपनी के CEO मकिसम बसोब ने कहा कि वे जल्द ही भारत में अपना कार्यालय शुरू करने की योजना बना रहे हैं।

बेसोब ने कहा कि साइबेरियाई कोयला ऊर्जा अब तक भारत को कम रूसी कोयले का निर्यात कर रही है। 2022 के पहले 6 महीनों में भारत ने रूस से 1.25 मिलियन टन कोयले का ऑर्डर दिया है। यह साल 2021 के मुकाबले करीब 2 गुना है। साइबेरियन कोल एनर्जी लिमिटेड दुनिया की चौथी सबसे बड़ी कोयला कंपनी है। यदि लॉजिस्टिक चुनौतियों का

समाधान किया जाता है, तो बसोब ने कहा कि वे भारत को सालाना 10 मिलियन टन कोयला भेज सकते हैं। बसोब ने हाल ही में संचालन शुरू करने और कार्यालय स्थापित करने के लिए भारत का दौरा किया।साइबेरियन कोल एनर्जी कंपनी भारत के साथ अपने व्यापारिक संबंधों का विस्तार करना चाहती है। फिलहाल कंपनी भारत में लॉजिस्टिक्स सुविधाएं बढ़ाने, मांग का अनुमान लगाने, अपने भागीदारों की संख्या बढ़ाने और आपूर्ति में लागत घटाने जैसे मुद्दों पर काम कर रही है। भारत अब तक रूसी कोयले का बड़ा खरीदार नहीं रहा है। इसकी वजह कोयले के आयात से जुड़ी लागत है।

अब जबकि रूस को पश्चिमी देशों ने प्रतिबंधित कर दिया है, वह रसद लागत को कम करके भारत को कोयला बेचने की कोशिश कर रहा है।

पाकिस्तान में बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए खुले मंदिर के दरवाजे, हिंदुओं ने पेश की मानवता की मिसाल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में भीषण बाढ़ से लाखों लोग बेघर और विस्थापित हो गए हैं और सहायता के लिए दर-दर भटक रहे हैं। ऐसे में बलूचिस्तान के एक छोटे से गांव में एक हिंदू मंदिर ने लगभग 200 से 300 बाढ़ प्रभावित लोगों जिनमें ज्यादातर मुस्लिम हैं, के लिए अपने दरवाजे खोलते हुए उनको भोजन और आश्रय प्रदान किया है। कच्छी जिले के जलाल खान गांव में उच्च भूमि पर स्थित बाबा माधोदास मंदिर बाढ़ के पानी से अपेक्षाकृत सुरक्षित बना हुआ है और बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए रहने का सुरक्षित ठिकाना बन रहा है।स्थानीय लोगों के अनुसार, बाबा माधोदास एक पूर्व विभाजन हिंदू संत थे, जो क्षेत्र के मुसलमानों और हिंदुओं द्वारा समान रूप से पोषित थे। भाग नारी तहसील से गांव में अक्सर आने वाले इल्तफ बुजदार कहते हैं कि वह ऊंट पर यात्रा करते थे। बुजदार कहते हैं कि उनके माता-पिता द्वारा सुनाई गई कहानियों के अनुसार संत ने धार्मिक सीमाओं को पार कर लिया। संत लोगों की जाति और विश्वास के बजाय मानवता के चश्मे से देखते थे। बलूचिस्तान के हिंदू उपासकों द्वारा बनाया गया पूजा स्थल कंक्रीट से बना है और एक बड़े क्षेत्र को कवर करता है। चूंकि यह उच्च भूमि पर स्थित है इसलिए यह बाढ़ के पानी से अपेक्षाकृत सुरक्षित रहा।

ईएएम जयशंकर ने सऊदी में प्रिंस फैजल के साथ की 'सार्थक' वार्ता, संबंध और मजबूत करने पर दिया जोर

रियादः विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सऊदी अरब के अपने समकक्ष प्रिंस फैजल बिन फरहान के साथ ''गर्मजोशी भरी सार्थक' वार्ता की। बैठक में दोनों नेताओं ने वर्तमान वैश्विक राजनीतिक और आर्थिक मुद्दों पर चर्चा की तथा जी-20 व अन्य बहुपक्षीय संगठनों में मिलकर काम करने पर सहमत हुए। जयशंकर सऊदी अरब के साथ भारत के संबंधों को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए तीन दिवसीय यात्रा पर शनिवार को रियाद पहुंचे थे। विदेश मंत्री के रूप में यह सऊदी अरब की

उनकी पहली यात्रा है। जयशंकर ने अपने सऊदी समकक्ष के साथ भारत-सऊदी अरब रणनीतिक साझेदारी परिषद के ढांचे के तहत स्थापित राजनीतिक, सुरक्षा, सामाजिक और सांस्कृतिक सहयोग समिति की पहली मंत्रिस्तरीय बैठक की सह-अध्यक्षता की। विदेश मंत्री ने कहा कि उन्होंने वर्तमान वैश्विक राजनीतिक और आर्थिक चिंताओं पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा, ''हम जी20 और अन्य बहुपक्षीय संगठनों में मिलकर काम करने पर सहमत हुए।' भारत और सऊदी अरब में सदियों पुराने आर्थिक और सामाजिक-सांस्कृतिक जुड़ाव के साथ सौहार्दपूर्ण और मैत्रीपूर्ण संबंध हैं। सऊदी अरब भारत का चौथा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है।इससे पहले, जयशंकर ने सुबह रियाद में 'प्रिंस सऊद अल फैजल इंस्टीट्यूट ऑफ डिप्लोमैटिक स्टडीज' में राजनयिकों को संबोधित किया। अपने संबोधन के दौरान मंत्री ने दोनों देशों के बीच रणनीतिक संबंधों के महत्व को रेखांकित किया और कहा कि उनके बीच सहयोग साझा विकास, समृद्धि, स्थिरता, सुरक्षा और विकास का भरोसा दिलाता है।

पांच साल में तीस प्रतिशत बढ़ा भारत और मलेशिया के बीच व्यापार

कुआलालंपुर। पांच साल में भारत और मलेशिया के बीच व्यापार तीस प्रतिशत बढ़ा है। दोनों देशों के राजनयिक संबंधों के 65 वर्ष पूरे होने पर कुआलालंपुर कन्वेंशन सेंटर में आयोजित विशेष कार्यक्रम में दोनों देशों के बीच रिश्ता और मजबूत करने पर जोर दिया गया।

कुआलालंपुर कन्वेंशन सेंटर में आयोजित विशेष कार्यक्रम में मलेशिया के विदेश मंत्री दातुक सेरी सैफुद्दीन अब्दुल्ला ने भारत की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि भारत और मलेशिया के बीच 65 साल के संबंध आधिकारिक द्विपक्षीय संबंधों से पहले के हैं। दोनों देशों के लोगों के बीच केवल द्विपक्षीय राजनयिक रिश्ता ही नहीं, बल्कि सभ्यतागत रिश्ता भी है। इन्हीं सभ्यतागत संबंधों ने दोनों देशों के रिश्तों को खास बना दिया है।

मलेशिया की 3.3 करोड़ आबादी में से 23 लाख यानी लगभग सात प्रतिशत आबादी भारतीय मूल के लोगों की है। इस आबादी को मलेशिया की विकास यात्रा में मददगार बताते हुए मलेशियाई विदेश मंत्री ने कहा कि दोनों देशों के बीच अब सांस्कृतिक कूटनीति, डिजिटल अर्थव्यवस्था और कृषि क्षेत्रों में भी सहयोग से काम हो रहा है। पिछले कुछ वर्षों में दोनों देशों के बीच 20 से अधिक द्विपक्षीय समझौतों पर हस्ताक्षर हुए हैं।

उन्होंने कहा कि जुलाई 2011 में लागू द्विपक्षीय आर्थिक सहयोग समझौते में सामान के साथ सेवाओं और निवेश को भी शामिल किया गया था। इसके बाद से दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार लगातार बढ़ रहा है। वर्ष 2015 से 2020 के बीच, पांच वर्षों में दोनों देशों के व्यापार में 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित।
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
Title UPHIN 29506
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:-
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा।

राजनयिक संबंध के 65 वर्ष पूरे, मलेशियाई विदेश मंत्री ने की भारत की जमकर तारीफ

सिंगापुर। भारत और मलेशिया के बीच राजनयिक संबंध के 65 वर्ष पूरे हो गए हैं। इस मौके पर कुआलालंपुर कन्वेंशन में इंडिया-मलेशिया@65 कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर मलेशिया के विदेश मंत्री दातुक सेरी सैफुद्दीन अब्दुल्ला ने भारत की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि हमारे संबंध 65 साल के आधिकारिक द्विपक्षीय संबंधों से पहले के हैं। दोनों देशों के लोगों के बीच संबंध न केवल एक द्विपक्षीय संबंध है, बल्कि एक सभ्यतागत संबंध है।

मलेशिया में भारतीय मूल के 23 लाख लोग रहते हैं- मलेशियाई विदेश मंत्री

मंत्री ने कहा कि दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है और दोनों देशों के सभ्यतागत संबंधों ने संबंधों को और भी खास बना दिया है। मलेशिया और भारत ने पहली बार 1957 में मलाया की स्वतंत्रता

संघ और औपनिवेशिक शासन के अंत के बाद आधिकारिक राजनयिक संबंध स्थापित किए। मलेशिया की 3.3 करोड़ की आबादी में से लगभग सात प्रतिशत (23 लाख लोग) भारतीय मूल के हैं।

पांच वर्षों में दोनों देशों के बीच 20 से अधिक द्विपक्षीय समझौतों पर हस्ताक्षर

मलेशिया के विदेश मंत्री ने अपने भाषण में कहा कि भारत और मलेशिया के बीच संबंध 2010 में रणनीतिक साझेदारी से बढ़कर 2015 में एक उन्नत रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ गए हैं, जिसमें सांस्कृतिक कूटनीति, डिजिटल अर्थव्यवस्था और कृषि जिंस में नए सहयोग शामिल हैं। इन वर्षों में, दोनों देशों के बीच 20 से अधिक द्विपक्षीय समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं, जो कभी ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के अधीन थे और अब राष्ट्रमंडल राष्ट्रों के पूर्ण सदस्य हैं।

इन समझौतों पर हुए हस्ताक्षर

मलेशिया के विदेश मंत्री ने कहा कि हाल ही में 2015 में हस्ताक्षरित साइबर सुरक्षा पर एक समझौता ज्ञापन, सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम (2015), एक संशोधित वायु सेवा समझौता (2017), मलेशिया पाम ऑयल बोर्ड (एमपीओबी) और रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान के बीच एक समझौता ज्ञापन शामिल हैं। आईसीटी), भारत (2017), और एआईयू और एमक्यूए (2017) के बीच शैक्षिक डिग्री और प्रमाण पत्र की पारस्परिक मान्यता का समझौता ज्ञापन।

दोनों देशों के बीच व्यापार में 30 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि

भारत और मलेशिया ने एक द्विपक्षीय व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते (सीईसीए) पर हस्ताक्षर किए जिसमें माल, सेवाओं और निवेश को शामिल किया गया जो जुलाई 2011 में लागू हुआ। तब से, दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार भी लगातार बढ़ रहा है। 2015 और 2020 के बीच, व्यापार में 30 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई। मलेशियाई सरकार के आंकड़ों के आधार पर, 2020 में कुल 16.66 बिलियन अमरीकी डालर के सामानों का आदान-प्रदान किया गया, जिसमें भारत ने उस वर्ष 10.8 बिलियन अमरीकी डालर के मूल्य पर मलेशियाई उत्पादों का आयात किया।

मिसाल : बलूचिस्तान के हिंदू मंदिर ने दी मुस्लिम बाढ़ प्रभावितों को शरण

कराची। पाकिस्तान में बाढ़ से प्रभावित लाखों लोगों में फंसे और विस्थापित लाखों लोगों को मदद का बेसब्री से इंतजार है, ऐसे में बलूचिस्तान के एक छोटे से गांव में एक हिंदू मंदिर ने लगभग 200 से 300 बाढ़ पीड़ितों को भोजन और आश्रय प्रदान कर-के इंसानियत और मानवता का परिचय दिया है। कच्छी जिले के जलाल खान गांव में ऊंचाई पर स्थित होने के कारण बाबा माधोदास मंदिर बाढ़ के पानी से अपेक्षाकृत बचा हुआ है। ऐसे में यह मुश्किल समय में बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए एक पनाहगाह बन गया है। नारी, बोलन, और लहरी नदियों में बाढ़ के कारण यह गांव प्रांत के बाकी हिस्से से कट गया है, जिसके कारण दूरदराज के इलाके के निवासी बाढ़ के बीच फंसे हुए हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक स्थानीय हिंदू समुदाय ने बाढ़ प्रभावित लोगों और उनके मवेशियों के लिए बाबा माधोदास मंदिर के दरवाजे खोल दिए। स्थानीय लोगों के अनुसार बाबा माधोदास विभाजन से पहले के हिंदू संत थे, जिनका क्षेत्र के मुसलमानों और हिंदुओं के बीच काफी सम्मान था।